अंक – 11 (मासिक) वर्ष – 17 मई, 2022 मूल्य 20/–

RNI-MPHIN/2005/14721
Po-Malwa Div/244/2020-22
Desp. 02 May, 2022

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

म.प्र. पूर्वी माहेश्वरी महिला संगठन का दो दिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन सम्पन्न

समागम में श्रीमतियां अलंकृत

जयपुर माहेश्वरी समाज ने संवारा सर्वधर्म मोक्षधाम

'आरोग्यम्' से बना 5 वॉ विश्व कीर्तिमान

स्मृति शेष

कृष्णकुमार कल्याणी
शीर्ष चाय उद्यमी

श्री माहेश्वरी मेलापक
वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2022
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @
srimaheshwaritimes.com

बात हम सबकी
सुने हर शनिवार

Contemporary Range of Home Essentials, Crafted by Experts

RR

FANS | LIGHTING
APPLIANCES | SWITCHES

Toll Free : 18001032676 | Email : customercare@rrglobal.com | Website: www.rrglobal.com | Follow us

अपनों के लिए अपनी पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-11 ▸ मई 2022 ▸ वर्ष-17

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
डॉ. वासुदेव काबरा, बड़नगर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
रामगोपाल मूंदड़ा (सूरत)
प्रो. कल्पना गगडानी (मुम्बई)
गोविन्द मालू (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471 IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198 IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 900/- for Three years
Rs. 3500/- for Life Time (12 Years)

'श्रीमती अलंकृता' के साथ आयोजित हुआ समागम 2022

विचार क्रान्ति

स्वर्ग और नरक के रास्ते

भगवान शिव और देवी पार्वती के प्रेरक सत्संग से सनातन धर्म का साहित्य निहाल है। इनमें जगत् और गृहस्थी के दायित्व निर्वहन के बीच अवकाश मिलने पर इस महान दम्पत्ति के बीच होने वाली चर्चा हमारे मन के अनेक प्रश्नों का उत्तर देती है। अधिकतर पार्वती के प्रश्न हैं और शिवजी के उत्तर हैं, जो पार्वती के बहाने हम सब मनुष्यों की जिज्ञासा का समाधान कर सन्मार्ग दिखाते हैं।

ऐसा ही एक संवाद महाभारत के अनुशासन पर्व में है जिसका प्रत्येक प्रसङ्ग नित्य पारायण लायक है। इसी में एक अद्भुत प्रश्न है जिसमें पार्वती ने पूछा है कि 'प्रभो! मनुष्यों को जीते जी उनकी गति का ज्ञान होता है या नहीं? शुभ गति वाले मनुष्य का जैसा जीवन है, वैसा अशुभ गति वाले का नहीं हो सकता। कृपया इस सम्बंध में मार्गदर्शन करें।'

इसके उत्तर में शिवजी ने जो सूत्र दिए, वे हमें संसार में रहते हुए आचरण और व्यवहार के सूत्र सिखाते हैं। भगवान शिव ने कहा 'देवि! संसार में दो प्रकार के प्राणी होते हैं। एक दैव भाव के आश्रित और दूसरे आसुर भाव के आश्रित। जो मनुष्य मन, वाणी और क्रिया से सदा ही प्रतिकूल आचरण करते हैं, उनको आसुर समझो। उन्हें नरक में वास करना पड़ता है। जो हिंसक, चोर, धूर्त, परस्त्रीगामी, शौच व मंगलाचार से रहित, पवित्रता से द्वेष रखने वाले, पापी और लोगों के चरित्र पर कलंक लगाने वाले हैं, ऐसे लोग आसुरी स्वभाव के होने से जीते जी नरक में ही पड़े हुए हैं।

शिवजी ने आगे कहा, 'मनोवाक्कर्मभिर्नित्यमनुकूला भवन्ति ये। तादृशानमरान् विद्धि ते नराः स्वर्गगामिनः।।' अर्थात् जो मन, वाणी और क्रिया द्वारा सदा सबके अनुकूल होते हैं, ऐसे मनुष्यो को देवता समझो। वे सदैव स्वर्गगामी होते हैं। जो शौच और सरलता में तत्पर और धीर हैं, जो दूसरों के धन का अपहरण नहीं करते हैं और समस्त प्राणियों के प्रति समान भाव रखते हैं, वे स्वर्ग के ही अधिकारी होते हैं।

साधो! पार्वती के प्रश्न में जिस 'गति' शब्द का उल्लेख है, उसका आशय परिणाम से है। शिवजी ने जो व्याख्या की, उसका सीधा-सा अर्थ है कि आचरण और व्यवहार से ही हम जीते-जी स्वर्ग या नरक को भोगते है। मृत्यु के बाद स्वर्ग और नर्क की कल्पना का कोई आधार नहीं है किन्तु जीते-जी हम जो पाते हैं, वह हमारे आचरण व व्यवहार से ही तय होता है। सार यह कि सदैव दैव भाव में रहना ही श्रेष्ठ है। इसलिए कि आसुर-भाव केवल नरक ही उपलब्ध कराता है, स्वर्ग कतई नहीं।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

देश के गौरव पर इतना आग्रह?

देश के आत्म सम्मान को लौटाने को आतुर केंद्र सरकार के सामने अचानक नया मुद्दा खड़ा हो गया है- राष्ट्रीय दिनदर्शिका। उज्जैन में दो दिन तक देशभर के पंचांगकर्ताओं ने यह मुद्दा उस समय खड़ा कर दिया जब विज्ञान भारती ने राष्ट्रीय दिनदर्शिका को जनमानस में पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी की खबरें मीडिया में आते ही ज्योतिर्विद् सक्रिय हो गए। कारण था राष्ट्रीय दिनदर्शिका का शक संवत् पर आधारित होना। ज्योतिष, पुरोहित, पुजारी, संस्कृति और खगोल के क्षेत्र में काम कर रहे विद्वानों का मानना है कि राष्ट्रीय दिनदर्शिका बनाने का आशय स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय अस्मिता को फिर से लौटाना था। 1952 में इसके लिए नेशनल कैलेंडर रिफॉर्म कमेटी का गठन किया गया तथा 1957 में पहली राष्ट्रीय दिनदर्शिका को संसद से पारित कराकर देश में लागू किया गया। उस समय से यानी 65 साल से इस दिनदर्शिका का आधार शक संवत् ही चल रहा है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में विज्ञान भारती का आग्रह था कि इसे देश के लोग अपनाएं क्योंकि यह विज्ञान पर आधारित है, जबकि अंग्रेजी कैलेंडर का विज्ञान से कोई संबंध नहीं है। विज्ञान भारती के इस आग्रह को संगोष्ठी में आए विद्वानों ने सहमति दी लेकिन उनका आग्रह था कि राष्ट्रीय दिनदर्शिका का आधार शक संवत् की जगह विक्रम संवत् होना चाहिए। सम्राट विक्रमादित्य भारत का गौरव हैं जबकि शक संवत् परातंत्रता का बोधक। भारत के अधिकांश भागों में विक्रम संवत् पर आधारित पंचांग, कैलेंडर प्रकाशित होते हैं। ऐसे में राष्ट्रीय दिनदर्शिका का आधार शक संवत् होने से उसे कहीं भी मान्य नहीं किया गया है। 65 साल बाद भी लोगों को नहीं पता कि देश का राष्ट्रीय कैलेंडर भी है।

यह संगोष्ठी उज्जैन में इसलिए आयोजित की गई थी कि उज्जैन कर्क रेखा पर स्थित है तथा प्राचीन कालगणना का केंद्र रहा है। ग्रीनविच के पहले उज्जैन की ही कालगणना विश्व में मान्य थी, जिसके प्रमाण अब भी मौजूद हैं। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शौर्य का लोहा सुदूर देशों तक मनवाया। वे आज भी भारतीय जनमानस के नायक हैं। उज्जैन से कई पंचांगों का प्रकाशन भी किया जा रहा है। ऐसे में विक्रम संवत् की राष्ट्रीय स्तर पर अनदेखी स्वीकार नहीं है। पंचांगकर्ताओं द्वारा शक संवत् को सिरे से नकार देने से विज्ञान भारती के सामने यह कहने के अलावा कोई रास्ता नहीं था कि सभी अपने मत आयोजन समिति को दे दें, उन पर विचार किया जाएगा। आयोजकों को संभवतः यह अंदेशा नहीं था कि सभा इस तरह खिलाफ हो जाएगी। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि जब देश से गुलामी के चिह्न हटाए जा रहे हैं, शहरों के नाम बदले जा रहे हैं, ऐसे में राष्ट्रीय दिनदर्शिका का आधार शक संवत् हटा कर विक्रम संवत् करने में हिचक क्यों है? जबकि देश के बहुक्षेत्रों में विक्रम संवत् पर आधारित पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं। भारत का राष्ट्रीय गौरव विक्रम संवत् है, उसे अपनाने के लिए इतना आग्रह क्यों? अब ज्योतिष विद्वानों को प्रतीक्षा है कि विज्ञान भारती राष्ट्रीय दिनदर्शिका को कब राष्ट्रीय गौरव दिला पाती है?

इस अंक की कुछ खास बातें आपसे शेयर कर रहा हूं। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने कुछ अलग हट कर पूरे देश में "आरोग्यम्" स्वास्थ्य सप्ताह का आयोजन कर पाँचवी बार विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। कोरोना की तीन लहरों में स्वास्थ्य को लेकर देश जागरुक हो रहा है। इसकी चौथी लहर भी दस्तक दे रही है। देश के कई हिस्सों में कोरोना की चौथी लहर पांव पसारने को बेताब है। ऐसे में महिला संगठन का यह आयोजन सार्थक पहल है। इस आयोजन को गांव-देहात तक ले जाना भी संगठन की सक्रियता को परिलक्षित करता है। यह शिविर सतही आयोजन नहीं था बल्कि इसमें स्वास्थ की हर संभव पड़ताल और संबंधित को उपचार दिलाने तक का इंतजाम किया गया। मप्र पूर्व प्रादेशिक महिला संगठन ने प्रादेशिक सम्मेलन को समाजसेवा का नया आयाम जोड़ा। परिवार के प्रति समर्पित ग्रहणियों की प्रतिभा को मंच देकर संगठन ने उन्हें सम्मानित किया। आरआर ग्लोबल के नए कार्पोरेट दफ्तर के शुभारंभ पर हमारी शुभकामनाएं और अंत में शीर्ष चाय उद्यमी कृष्णकुमार कल्याणी को श्रद्धांजलि। वे हमारी स्मृतियों में सदैव रहेंगे। अंक में इसके अलावा स्थायी स्तंभों व अन्य आलेख आदि का समावेश है, जो आपको जरुर रुचिकर लगेंगे। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

ख्यात चिकित्सक के रूप में पहचान रखने वाले डॉ. वासुदेव काबरा का जन्म 4 मार्च 1952 को मालवा निमाड़ के सुप्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य स्व. श्री मोतीलाल काबरा एवं स्व. श्रीमती कमलाबाई काबरा के यहां हुआ था। आपके पिताजी ने प्लेग जैसी महामारी के दौरान अपनी विशिष्ट सेवाएं दी जिसे तत्कालीन ग्वालियर स्टेट के गजट पत्र द्वारा भी सराहना प्राप्त हुई। डॉ. काबरा ने भी अपने परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चिकित्सा क्षेत्र में न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर्स के जटिल एवं असाध्य रोगों को ठीक करने में महारत हासिल करते हुए पूरे देश में अपनी सेवाएं दी। साथ ही गौसेवा, पर्यावरण, नदी गहरीकरण एवं स्वच्छता जैसे अभियानों का नेतृत्व किया एवं प्रदेश ही नहीं अखिल भारतीय स्तर पर भी ख्याति अर्जित की। मंदिर जीर्णोद्धार जिसमें कई प्राचीन 2000 साल पुराने मंदिर एवं कई समाजों की धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार एवं नई धर्मशाला के निर्माण में भी योगदान दिया। पर्यावरण के क्षेत्र में काफी कार्य किया। तीन सार्वजनिक बगीचे एवं 5000 जेट्रोफा के पौधे एवं 5000 अन्य पौधे लगवाए। उज्जैन में निर्माणाधीन माहेश्वरी समाज के भवन श्री महेश धाम के आप भवन निर्माण समिति के संयोजक हैं। आप प्रदेश अध्यक्ष -अखिल भारतीय, आयुर्वेद महासम्मेलन शाखा म.प्र., संयोजक-नवम एवं एकादश प्रांतीय महाधिवेशन आयुर्वेद महासम्मेलन म.प्र., प्रभारी- मध्य प्रदेश आयुर्वेद प्रकोष्ठ, कृषि गौ सेवा संघ वर्धा (महाराष्ट्र), अध्यक्ष- गोत्रास निवारिणी गोपाल गौशाला बड़नगर व संयुक्त श्रावण मास सवारी समिति बड़नगर एवं श्री भगवती माता जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण समिति बड़नगर, समिति सदस्य- मंदिर प्रबंधक समिति मध्य प्रदेश शासन (उज्जैन) व काप्टेड मेंबर- एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (भारत सरकार) के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। आयुर्वेद गौरव-मानद उपाधि मध्य प्रदेश आयुर्वेद सम्मेलन आचार्य विद्यासागर सम्मान-द्वारा मध्यप्रदेश शासन भोपाल 2018 व पोलियो उन्मूलन अभियान, डब्ल्यूएचओ एवं भारत सरकार तथा विश्व बैंक से भी सम्मानित हो चुके हैं।

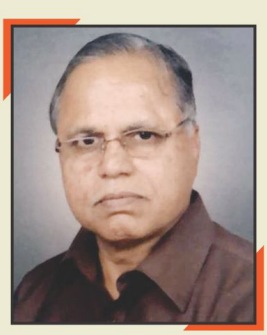

तीर्थ नगरी का दान ''महादान''

इतिहास साक्षी है माहेश्वरी समाज न सिर्फ शीर्ष उद्यमी या व्यवसायी समाज रहा है, बल्कि मानवता की सेवा में भी सदैव अग्रणी ही रहा है। वर्तमान में भी समाज अपनी सेवा गतिविधियों में पीछे नहीं है। देश के कई भागों में स्थित माहेश्वरी भवन, अस्पताल, शिक्षण संस्था आदि सेवा प्रकल्प समाज की इन्हीं सेवा भावनाओं को व्यक्त करते हैं। मानवता की सेवा में समाज किस तरह अग्रणी है, इसका प्रमाण गत दिनों फिर से माहेश्वरी महिला संगठनों ने प्रस्तुत किया है। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने अपने स्वास्थ्य प्रकल्प ''आरोग्यम'' के माध्यम से पाँचवी बार विश्व कीर्तिमान बनाकर सिद्ध कर दिया कि हम किसी से कम नहीं। इसी प्रकार म.प्र. पूर्वी क्षेत्र महिला संगठन ने भी अपने प्रकल्प ''श्रीमती अलंकृता'' द्वारा नारी प्रतिभा को प्रोत्साहन देने का अभिनव प्रयास किया है। ऐसे प्रयासों के लिये समाज की नारी शक्ति अभिनंदनीय है।

समाज का गौरवशाली अतीत ही नही बल्कि वर्तमान भी वैसा ही गौरवशाली है। इसके बावजूद विडंबना है कि समाज की युवा पीढ़ी समाज संगठनों ही नहीं बल्कि समाज की मुख्य धारा से भी दूर जा रही है। वास्तव में यह अत्यंत गंभीर समस्या है क्योंकि ऐसा ही रहा तो हम अपनी गरिमामय सामाजिक पहचान खो देंगे। इसके लिये इसके कारणों पर चिंतन कर भविष्य की योजना बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इसमें माता-पिता भी अवश्य जिम्मेदार हैं, जो अपने बच्चों को समाज की संस्कृति पर गर्व करना नहीं सीखा पाते। इसके लिये हमें अपनी नई पीढ़ी को समाज से जोड़ने के लिये उनके अनुरूप ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना होगा, जो उन्हें अपनी संस्कृति से परिचित करवाऐं साथ ही जिनसे वे प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो सकें।

यह प्रयास न सिर्फ संगठन अपितु हर परिवार के स्तर पर भी करना होगा। अब बात करते हैं, भगवान महाकालेश्वर की नगरी तथा भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन में ''श्री महेश धाम'' निर्माण की। गत दिनों भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी के पावन अवसर पर अंकपात क्षेत्र में इसके निर्माण का भव्य भूमिपूजन सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही इसके निर्माण का शुभारम्भ हो गया। इसके निर्माण में बाधक बन रही कानूनी अड़चनें भी दूर हो चुकी हैं और अब इसके निर्माण में बढ़चढ़कर समाजजनों का जो सहयोग मिल रहा है, वह वंदनीय है। वास्तव में अंकपात क्षेत्र में ''श्री महेश धाम'' का निर्माण एक ऐसा कार्य है, जो समाज को गौरव प्रदान कर इस तीर्थ नगरी में आने वाले तीर्थ यात्रियों के लिये सर्वसुविधायुक्त तथा अपनी संस्कृति अनुरूप आवास भवन सिद्ध होगा। शास्त्रों में भी कहा गया है कि तीर्थ नगरी में किया गया दान अक्षय पुण्य प्रदान करता है अर्थात् यह वास्तव में महादान है। अतः मैं सभी समाजजनों से अपील करता हूँ कि पूरे देश विदेश में निवासरत माहेश्वरी बंधुओं द्वारा निर्मित हो रहे इस भवन के निर्माण में अपनी आहूति देने में आप भी न चुकें। आपका यह योगदान समाज की सेवा में भी अविस्मरणीय व गरिमामय योगदान रहेगा।

डॉ. वासुदेव काबरा, बड़नगर
अतिथि सम्पादक

टीम SMT

श्री सेवल्या माताजी

श्री सेवल्या माताजी माहेश्वरी जाति की कोठारी, सोनी आदि खाँपों की कुलदेवी हैं।

उदयपुर (राजस्थान) का राजकीय परिवार (महाराजा) भी इन्हें कुलदेवी मानते हैं। श्री सेवल्या माताजी का स्थान राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की मांडल तहसील के ग्राम बागौर में स्थित है। क्षेत्र में यह अतिप्राचीन मंदिर माना जाता है एवं यहाँ ब्रम्हाणीमाता के नाम से भी विख्यात है। क्षेत्र के लोगों की भी अटूट श्रद्धा माताजी के प्रति है। लोगों की मान्यताओं के अनुसार यहाँ माँगी गई मिन्नतें पूरी होती हैं। आदिकाल से यहाँ अखंड ज्योत जल रही है।

माताजी स्वयं भूमि से प्रकट हुए हैं। माताजी का मुखारविन्द ही बाहर दिखाई देता है, शेष भाग धरती में ही है माताजी का मुखारविन्द लाल स्वरुप में है जो चित्ताकर्षक एवं तेजस्वी रूप में दर्शन होते है। मन्दिर में माताजी के समीप ही दूर्गा माता (माँ तुलजा भवानी) विराजमान है तथा मंदिर परिसर में ही शिवजी व भेरुजी विराजमान है। मंदिर परिसर में बावड़ी भी है। मंदिर में माली परिवार (भोपाजी परिवार) के चार भाई पूजा करते है जिनका हर माह ओसरा बदलता है। बागौर मेवाड़ नरेश के जमाने के चार प्रसिद्ध गाँवों में से एक है।

कहाँ ठहरे- बागौर में सोनी परिवार निवास करते है जो समाज बंधुओं की पूर्व सूचना होने पर भोजन व ठहरने की व्यवस्था करवा देते हैं।

कैसे पहुँचे- भीलवाड़ा से मांडल होते हुए बागौर पहुँचा जा सकता है। इस मार्ग की कुल लम्बाई 42 कि.मी. है। भीलवाड़ा से कोटड़ी घोड़ास होते हुए भी बागौर पहुँचा जा सकता है इस मार्ग से दूरी 30 कि.मी. है। गंगापुर से बागौर 22 कि.मी. दूर है।

सम्पर्क स्थल-

रामप्रसाद सोनी बागौर 01486- 265027, 265289
प्रहलाद सोनी बागौर 01486- 265076, 9414313976
जगदीश सोनी बागौर 01486- 265896

कुलदेवी के फोटो हेतु संपर्क कर सकते है जितेन्द्र एस. कोठारी (बड़ोदा) मो. 09426049974

'श्रीमती अलंकृता' के साथ आयोजित हुआ समागम 2022

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक महिला संगठन ने आयोजित किया प्रादेशिक सम्मेलन

इस बार म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक महिला संगठन ने कोरोना काल के पश्चात् लगभग 2 वर्ष बाद अपने प्रादेशिक सम्मेलन के आयोजन से फिर से समाजसेवा का नया इतिहास लिखा। इसमें संगठन का लक्ष्य परिवार के प्रति समर्पित गृहणियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना था और संगठन ने इस सम्मेलन में अपने आयोजन श्रीमती अलंकृता द्वारा न सिर्फ इन्हें मंच प्रदान किया बल्कि सम्मानित कर प्रोत्साहित भी किया।

म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा गत 23 व 24 अप्रैल को ईटारसी में जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन में द्विदिवसीय प्रादेशिक सम्मेलन समागम 2022 का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष अनिता जावंदिया तथा प्रदेश सचिव रंजना बाहेती के नेतृत्व में किया गया। इस आयोजन में सम्पूर्ण प्रदेश से सदस्याऐं शामिल हुई। कोरोना काल के बाद आयोजित इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य समाज की उन महिलाओं की प्रतिभा को सामने लाना था, जिन्होंने अपनी प्रतिभा को परिवार की भेंट चढ़ा दिया। इसके लिये इसके अंतर्गत विशिष्ट कार्यक्रम ''श्रीमती अलंकृता'' का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से समाज की महिलाओं की छुपी हुई प्रतिभा को सम्मानित कर महिलाओं को प्रोत्साहित किया गया।

उद्घाटन सत्र से शुभारम्भ

इस सम्मेलन का शुभारम्भ प्रथम दिवस 23 अप्रैल को उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजू बांगड़ तथा विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी उपस्थित थीं। अति सम्मानीय अतिथि के रूप में महिला संगठन की मध्यांचल उपाध्यक्षा मंगल मर्दा, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महिला संगठन उषा करवा तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के मध्यांचल संयुक्त मंत्री विजय राठी उपस्थित थे। सम्मानीय अतिथि के रूप में अ.भा. कार्य समिति सदस्या रेणु सारडा, प्रदेश मंत्री दीपक चाण्डक, स्थानीय अध्यक्ष महेश राठी, पूर्वी म.प्र. माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष स्वरूप मोहता तथा होशंगाबाद हरदा जिला सभा अध्यक्ष राजेश जावंधिया आदि उपस्थित थे। दीप प्रज्जवलन कर अतिथियों ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुति आरती सोमानी, मीनल बजाज, शोभना मोहता, दीप्ति बियाणी, विभा बांगड़, मोनिका बांगड़ आदि ने दी। अतिथि स्वागत स्वागत मंत्री ऐश्वर्या गोदानी तथा सचिव रेखा मोहता के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम का संचालन रंजना बाहेती ने किया ।

आयोजन को सभी ने सराहा

उपस्थित सभी अतिथियों ने इस आयोजन तथा प्रदेश अध्यक्ष अनिता जावंदिया तथा प्रदेश सचिव ग्रुमिना एक्सपर्ट रंजना बाहेती के कुशल नेतृत्व की सराहना की। स्वागत गीत ग्वालियर संभाग उपाध्यक्ष सुनीता नागौरी ने प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति उर्मिला सादानी, मंगला मुंदडा, सुनिता नागौरी, संध्या गांधी एवं राजश्री राठी के मार्गदर्शन में की गई। स्वागत उद्‌बोधन प्रदेश अध्यक्ष अनिता जावंदिया द्वारा किया गया। जिला अध्यक्ष राजेश जावंदिया, प्रदेश सचिव दीपक चांडक, स्वरूप मोहता, श्याम राठी, राजेश जावंदिया, मेघराज राठी आदि ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से मंजरी छापरवाल-निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष, प्रतिभा झंवर- निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष, मंगला काबरा-निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष तथा निर्मला जेठा व पूर्व अ.भा.महिला संगठन शोभा भट्टड़ को सम्मानित किया गया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा को उनकी अस्वस्थता के कारण ऑनलाईन ही अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

किन्होंने क्या कहा

⏭ मप्र पूर्वी प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन को सम्मेलन ''समागम'' के आयोजन की बहुत बधाई। जो अच्छी तरह से गठित हो वही संगठन होता है और जब संगठन होता है, सुंदर गठन होता है तो अपने आप सुंदर ''समागम'' होता है। वैसे इस आयोजन में अनिताजी का जोश और रंजना जी का उत्साह भी समाहित है।

■ **कल्पना गगडानी**
पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ स्वागत की घड़ी में समागम का शुभारम्भ करने मैं इस हॉल में आयी तो पुष्पों की ऐसी वर्षा हुई कि अभी भी तन और मन दोनों पुलकित हैं। भावो की अभिव्यंजना करती सभी ने रंग बिरंगे वस्त्रों में अपनी प्रस्तुति दी। महिला ममता की मूर्ति तो होती ही है उसमें नेतृत्व की अनूठी क्षमता भी है, यह इस आयोजन ने बताया।

■ **मंजू बांगड़**
महामंत्री अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ सभी बहनें, समस्त पदाधिकारीगण के चेहरों पर विगत दो वर्षों बाद मिलने की खुशी मुस्कुराहट सभागार में दिख रही थी। वह देखकर आज बहुत अच्छा लग रहा है। वास्तव में इस आयोजन की सफलता यह दर्शाती है कि ऊर्जावान के लिये कुछ भी असंभव नहीं।

■ **ज्योति राठी**
कोषाध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ हम सब महिलाएं हैं लेकिन क्या हम ''महिला'' नाम को चरितार्थ करती हैं? ''महिला'' शब्द की व्याख्या किसी ने कितनी सुंदर की है कि ''म'' से ममत्व ''हि'' से हिम्मतवान व ''ला'' से लाजवंती। महिला शब्द उसी से बना है और इस शब्द को साकार आप सबको हमेशा करना है।

■ **मंगल मर्दा**, संगठन मंत्री अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ प्रदेश अध्यक्ष अनिताजी की वाणी में जो विश्वास है वह उनसे सीखने लायक है। जब भी कोई राष्ट्रीय कार्यक्रम आता है तो तत्परता के साथ वे वहीं पर डिक्लेयर कर देती हैं। उन्हें अपनी टीम पर विश्वास है कि हम कोई भी काम कर सकते हैं और वे करके दिखाती हैं।

■ **उषा करवा**
संयुक्त मंत्री अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ महिला संगठन ने वर्ष 2022 के कार्यकाल में पाँच गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज कराये। मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि वक्त के साथ जो चलते हैं वो हर मंजिल को हांसिल करते हैं। वक्त तभी तक परेशान करता है, जब तक आप उसके साथ नहीं चलते। कोविड के दौरान जिस तरीके से डिजिटलाईजेशन हुआ उसे आत्मसात महिला शक्ति ने किया। उसके कारण कई कीर्तिमान स्थापित हुए। घर बैठकर हमने कितने ही रचनात्मक प्रोजेक्ट कर डाले।

■ **विजय राठी**
संयुक्त मंत्री मध्यांचल,अ.भा.माहेश्वरी महासभा

⏭ कर्म करना मेरा अधिकार है। कर्म करोगे तो फल मिलेगा आज नहीं तो कल। कुआं जितना गहरा होगा, पानी उतना मीठा होगा। इन शब्दों को महिला संगठन ने साकार किया है। कोरोना के समय में महिला संगठन ने टेक्नॉलोजी का भरपूर उपयोग किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिला संगठन ने इसके द्वारा अपनी पहचान स्थापित की है।

■ **दीपक चांडक**
प्रदेश मंत्री

⏭ जो संकल्प हमारी बहनों के साथ लिया था कि हमको कुछ कर दिखाना है और आज हमने वो कर दिखाया कि हमारी बहनें भी किसी से कम नहीं और एकजुटता का उदाहरण दिया है हमने। आज हमारी टीम कैसी होना चाहिए, संगठन कैसा होना चाहिए, हमारा काम करने का जुनून कैसा होना चाहिए? ये हमारी सभी बहनों और सारी टीम ने कर दिखाया है।

■ **अनिता जावंधिया**
प्रदेश अध्यक्ष पूर्वी मप्र, अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

⏭ आज हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं। दो साल से कोरोना काल के चलते भी डिजीटल रूप में ऐसे कार्यक्रम को रूप दे रहे थे किंतु व्यक्तिगत रूप से मिलने का जो आनंद आता है वह अलग ही है। फिर भी कोरोनाकाल में हमने बहुत कुछ सीखा है। टेक्नोलॉजी से भी हम इतना रूबरू नहीं थे जितने कोरोनाकाल में रूबरू हुए। इसका भी हमें लाभ लेना है।

■ **डॉ.ऐश्वर्या गोदानी**
स्वागत अध्यक्ष, अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

रंगारंग कार्यक्रम से समाज चिंतन

प्रथम दिवस को द्वितीय सत्र में विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। ऐसे ही मनोरंजक कार्यक्रम ''आपकी अदालत'' में प्रदेश अध्यक्ष अनिता जावंदिया मुलजिम बनीं। जज के रूप में ऊषा करवा, ज्योति राठी, मंगल मर्दा व मंजू बांगड़ तथा वकील के रूप में रंजना उपस्थित थीं। इल्जाम उर्मिला सादानी, शिखा जावंदिया पिपरिया, रेनू झंवर आदि ने लगाये, जो श्रृंखलाबद्ध संगठन में समितियों, कोष के कार्य, सम्भागीय उपाध्यक्ष के कार्य, अंचलों के कार्य आदि को लेकर थे। इनके माध्यम से ये कार्य कैसे किये जाते हैं उस पर रोशनी डाली गई। आपकी अदालत का मुख्य उद्देश्य था कार्यों का सुचारू रूप से क्रियान्वयन कैसे किया जाता है? प्रेरणा गीत-भोपाल संभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया। शुभ विवाह समिति की नाटिका ने वैवाहिक समस्याएं मंच पर प्रस्तुत की। इस प्रदेश के तहत बनाई गई समिति द्वारा अभी तक 2500 संबंध तय हो चुके हैं। इसमें कार्यों की सुविधा के लिए अलग-अलग ग्रुप बनाये गये हैं, जैसे तलाकशुदा, वरिष्ठजन, विशिष्टजन तथा ऑल इंडिया ग्रुप। सरिता माहेश्वरी, हंसा केला, सुनिता माहेश्वरी, ऊर्मिला सादानी आदि इसमें समिति की सक्रिय सदस्या के रूप में सेवा दे रही हैं।

श्रीमती अलंकृता ने संवारी प्रतिभा

लगभग 20 दिनों से चली आ रही तैयारी के बाद प्रतियोगिता ''श्रीमती अलंकृता'' ने महिलाओं की प्रतिभा को सभी के सामने अलंकृत करवाया। वास्तव में इसके पीछे सपना था कि छोटे गांव की प्रतिभाएं भी सामने आऐं। यह एक तरह की टेलेंट हट प्रतियोगिता थी, जिसमें ब्यूटी, ब्रेन, कुकिंग, मार्केटिंग सभी का समावेश था। इसमें चार राउण्ड ऑनलाईन हुए। इसमें प्रतियोगियों की सुविधा के लिये विशेषज्ञों की सेवा भी ली गई। इस कार्यक्रम की प्रधान सयोजिका प्राची मूंदड़ा, सह संयोजिका विशाखा माहेश्वरी, ऋतु गोदानी, अंतिमा गोदानी, शुचिता माहेश्वरी, गरिमा माहेश्वरी, शिवानी काबरा, हर्षा माहेश्वरी, अर्चना माहेश्वरी थीं। इसमें विभिन्न श्रेणी अंतर्गत मुस्कराती अलंकृता नेहा पेठा, हाजिर जवाब अलंकृता डॉ. अदिति सादानी, ऊर्जावान अलंकृता-कालिंन्दी बिहानी, चुलबुली अलंकृता-सौम्या कासट, प्यारी/सुंदर अलंकृता-रूचिका साबू चुनी गईं। पाक अलंकृता में तृतीय अंतिमा मालानी, द्वितीय आशा बांगड व प्रथम श्वेता मांधन्या, होशियार अलंकृता में तृतीय श्रुति राठी, द्वितीय कालिन्दी बियानी व प्रथम शुभा चांडक, धर्मा अलंकृता में तृतीय शोभना कासट, द्वितीय वंदना तापड़िया व प्रथम रूचिका साबू, उद्यमी अलंकृता में तृतीय प्रियंका जेठा, द्वितीय मेघा जेठा व प्रथम शुभांगी मालपानी चुनी गईं। अंतिम रूप से इस सम्पूर्ण प्रतियोगिता में शुभा चांडक पंचम, डॉ. आशा बांगड़ चतुर्थ, रूपल झंवर तृतीय, अनामिका जेठा द्वितीय व शुभांगी मालपानी प्रथम स्थान पर रहीं। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र के अंतर्गत सांस्कृतिक संध्या ''कान्हा तेरे रूप अनेक'' का आयोजन हुआ। इसमें भोपाल संभाग ने कृष्ण जन्म लीला, जबलपुर संभाग ने मनिहारी, नर्मदा संभाग ने कृष्ण महारास तथा ग्वालियर संभाग ने द्रौपदी चीरहरण की प्रस्तुति दी।

द्वितीय दिवस नाटिकाओं के नाम

द्वितीय दिवस 24 अप्रैल को कार्यक्रम की शुरूआत महिलाओं की रंगारंग ''रेन डांस'' की प्रस्तुति से हुई। मुख्य अतिथि कल्पना गगडानी, विशिष्ट अतिथि मंगल मर्दा, ज्योति राठी, ऊषा करवा तथा रेणू सारडा थीं। इस सत्र में विभिन्न संभागों ने नाटिकाओं की प्रस्तुति दी। इसमें अर्चना लाहोटी, शशि काबरा, पदमा कासट व मनीषा लढ्ढा निर्णायक के रूप में उपस्थित थीं। इसमें जबलपुर संभाग ने प्रस्तुति अंतर्गत ''शादी डॉट कॅरियर हैं, अब सबकी जरूरत'' तथा ''कॅरियर बना परिवार बना में बेरियर'' जैसी नाटिका प्रस्तुत की। ग्वालियर संभाग ने 'कोरोना काल सिखाया कम खर्चे में शादी करना'', नर्मदा संभाग ने ''मोबाईल के खेल, नहीं रखते दुनिया से मेल'' तथा भोपाल संभाग ने नाटिका ''गेजेट फ्रेण्डली बने जीवन हमारा'' व ''ऑनलाइन शॉपिंग से स्वयं को बचाये'' एवं छोटे व्यापारियों को आगे बढ़ायें।'' की प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में तृतीय स्थान भोपाल संभाग के विदिशा जिला के नाटक ''ऑनलाइन शॉपिंग का बहिष्कार'' को मिला। द्वितीय नर्मदा संभाग के रायसेन जिला का ''बढ़ते मोबाईल के खेल नहीं रखते, दुनिया से मेल'' तथा प्रथम पुरस्कार ग्वालियर संभाग के ''कोरोना काल ने सिखाया कम खर्चे में शादी करना'' को मिला। प्रोत्साहन पुरस्कार भोपाल संभाग ने प्राप्त किया।

अपनों से अपनी बात

अगले सत्र में नर्मदा संभाग ग्वालियर द्वारा रासलीला की प्रस्तुति दी गई। खुला मंच में ''अपनों से अपनों की बात'' का आयोजन भी हुआ। इसमें ज्योति राठी- अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष ने कहा कि पीढ़ियों का अनुभव लेना चाहिये। पूर्व को अभूतपूर्व मानिये। 160 सदस्याओं का सहयोग कोरोना काल में मिला। कल्पना गगरानी निर्वतमान अध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला ने समर्पित भाव से सेवा तथा ज्ञान अर्जन, कर्म से परिपूर्ण कर जीवन यापन आदि जैसे विषय पर प्रकाश डाला। अंत में चारों संभाग की विक्ट्री परेड भी आयोजित हुई।

ये समर्पित कार्यकर्ता हुईं सम्मानित

⏭ नर्मदा संभाग से उपाध्यक्ष उर्मिला सादानी, राजश्री राठी, आशा मालपानी-जिलाध्यक्ष हरदा, प्रेमा झंवर-रायसेन जिलाध्यक्ष, स्नेहा काबरा नरसिंहपुर जिलाध्यक्ष, अंतिमा मोकाती-संयोजक गठबंधन समिति, अनामिका मालपानी-संयोजिका साहित्य समिति, कविता चांडक प्रचार प्रसार समिति संयोजिका बरेली, सुनिता राठी- सांस्कृतिक सचिव प्रादेशिक महिला सशक्तिकरण समिति, सुनिता तोषनीवाल संयोजिका, सुचिता माहेश्वरी- ग्रामीण समिति, कल्पना बांगड़ संयोजिका, निश्चला राठी, गोपी तोषनीवाल।

⏭ जबलपुर संभाग से शशि काबरा सह सचिव, मंगला जेठा- सांस्कृतिक मंत्री, रेणू चांडक-कम्प्यूटर समिति प्रमुख, लता चांडक- विवाह प्रकोष्ठ सह संयोजिका, सीमा राठी- जिला अध्यक्ष जबलपुर, विमला जैथलिया-जिलाध्यक्ष सागर, साधना मंत्री-जिलाध्यक्ष शहडोल, पूनम माहेश्वरी- जिलाध्यक्ष सतना, संध्या बियानी जिला सचिव शहडोल, सुचिता राठी छिंदवाड़ा।

⏭ भोपाल संभाग से सत्यभामा मंत्री- सिहोर जिलाध्यक्ष, संगीता राठी- संभागीय संयुक्त सचिव, प्रीति राठी-विदिशा जिलाध्यक्ष, रीतु गोदानी जिला सचिव विदिशा, रेखा डांगरा संभागीय सांस्कृतिक मंत्री, जया बजाज-भोपाल जिला अध्यक्ष, संतोष गगरानी- जिला सचिव, सरिता मालपानी- शुभ विवाह समिति प्रमुख, करूणा माहेश्वरी- व्यक्तित्व विकास समिति, मालती मूंदड़ा-पर्व संस्कृति समिति संयोजिकाएं, हंसा केला-शुभ विवाह समिति, सुनिता जाखोटिया-शुभ विवाह समिति, प्राची मंदड़ा- पर्व समिति। सुनीता झंवर-पर्व समिति, अंजना माहेश्वरी- व्यक्तित्व समिति।

⏭ ग्वालियर संभाग से शिवानी काबरा- गुना जिला सचिव, हेमलता कासट- गुना जिलाध्यक्ष, पूनम लड्ढा- संयुक्त सचिव प्रादेशिक, मधु माहेश्वरी- जिला अध्यक्ष मुरैना, रेणू झंवर- प्रदेश कोषाध्यक्ष, रश्मि - सांस्कृतिक मंत्री प्रादेशिक, विशाखा माहेश्वरी - व्यक्तित्व विकास समिति संयोजिका।

टीम का समर्पण उपलब्धि का कारण

कार्यकर्ता सम्मान के बाद प्रदेश अध्यक्ष का कहना था कि आज पूर्वी मध्यप्रदेश जिस स्थान पर खड़ा है वह मेरी टीम का समर्पण ही है। मैं तो सिर्फ कार्य बताती हुँ, कार्य तो मेरी सशक्त टीम ही करती है।

'आरोग्य स्वास्थ्य सप्ताह' से फिर बना 'वर्ल्ड रिकार्ड'

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का राष्ट्र स्तर पर हुआ आयोजन-अत्यंत कम शुल्क में हुई जांचें

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति द्वारा ''आरोग्यम्''- स्वास्थ्य सप्ताह का सम्पूर्ण भारतवर्ष के 26 प्रदेशों में गत 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक आयोजन किया गया। इसका आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी व राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ के कुशल नेतृत्व में 26 प्रदेश के 155 शहरों में हुआ। राष्ट्रीय समिति प्रभारी कलावती जाजू ने बताया कि इसके अंतर्गत जांच व परामर्श शिविर सकल समाज के समस्त आयु वर्ग हेतु आयोजित किया गया। इसके लिए थायरोकेयर कम्पनी से राष्ट्रीय स्तर पर टाई अप किया गया। श्रंखलाबद्ध संगठन के तहत राष्ट्रीय समिति प्रभारी व प्रकल्प प्रमुख शिखा भदादा ने आरोग्यम् की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह स्वास्थ्य सप्ताह 'आरोग्यम्' तीन चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण में अपनी शारीरिक संरचना जाने' इस आयोजन में 62 जांचे मात्र 700 /- रू. में की गई। सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए यह शिविर भारत के 155 शहरों-गावों में आयोजित हुआ व लगभग 15000 व्यक्ति लाभान्वित भी हुए। 35 मिनट के विडियो प्रेजेन्टेशन में कैंप के आयोजन स्थल के फोटो और विडियो भी दिखाए गए।

विशेषज्ञों का भी मिला मार्गदर्शन

द्वितीय चरण में विशेषज्ञ (Orthopaedician, physician, gynaecologiest, dietician) द्वारा उक्त रिपोर्ट की जाँच व परामर्श के प्रयोजन हेतु उन शहरों में संबंधित अस्पतालों से टाई-अप किया गया। यह शिविर फिजिकल व जूम पर 14, 15, 16 अप्रेल को विभिन्न शहरों में आयोजित किये गये। इसी कड़ी में 17 अप्रेल को राष्ट्रीय स्वास्थ्य परामर्श पैनल द्वारा जूम शिविर पर देश के नामी डॉक्टर्स द्वारा परामर्श दिया गया। सभी का परिचय एवं प्रश्नोत्तरी डॉ. सीमा मूंदड़ा एवं डॉ. पूर्णिमा सारडा, डॉ. इंदिरा मूदड़ा द्वारा ली गई। इसमें डॉ. अशोक शारदा - आईएमए स्टेअ प्रेसिडेंट, डॉ. मीनाक्षी शारदा - विशेषज्ञ जेरिएटिक डॉ. अरूण परतानी एडिशनल डायरेक्टर ऑर्थोपेडिक एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट-फोर्टिस हॉस्पिटल (जयपुर), डॉ. पी.के. माहेश्वरी – फिजिशियन एंड कार्डियोलोजिस्ट मुंबई, डॉ. संगीता काबरा - सीनीयर कंसल्टेंट फीमेल डीसीस भीलवाड़ा, डॉ. नियति नायक - डायटीशियन कोकिलाबेन अम्बानी हॉस्पिटल मुंबई, द्वारा कई सवालों के जवाब दिये गये व शंकाओं का समाधान किया गया। सभी डाक्टर्स की यही सलाह रही कि प्रति छः माह में शरीर की जांचे होना अतिआवश्यक हैं। सप्ताह में नियमित रूप से सुबह की सैर, योगा, प्राणायाम व व्यायाम अत्यंत आवश्यक है।

जैनेरिक दवाओं का समझाया महत्व

तीसरे चरण में जेनेरिक दवाई विशेषज्ञ पुरूषोत्तम सोमानी द्वारा उपरोक्त विशेषज्ञों द्वारा सुझाई प्रचलित दवाईयों का जेनेरिक विकल्प बताया गया, जिसका कार्ड समिति द्वारा पहले ही बनाकर प्रसारित कर दिया गया था। ''जेनेरिक दवाई क्यों ली जाये'' विषय पर परिचर्चा भी आयोजित की गई। समिति द्वारा आह्वान व निवेदन किया गया था कि अपने साथ-साथ अपने सहयोग कर्मी, हेल्पर, ड्राईवर आदि की जाँचें भी करवायें। एक सक्षम एक जरूरतमंद की सहायता करें। जरूरतमंदों को भामाशाह के माध्यम से सप्लीमेंट दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला ने आरोग्यम् की प्रशंसा करते हुए इस प्रकल्प को जारी रखने की सलाह दी। सम्मानीय अतिथि के रूप में सुब्रत बिरला एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष श्याम सोनी, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, राजेश कृष्ण बिडला उपसभापति पश्चिमांचल आदि उपस्थित थे।

फिर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

समिति द्वारा 155 स्थानों पर शिविर लगाकर 15,000 से अधिक महिलाओं, पुरुषों के ब्लड टेस्ट करवाए गए। इसको गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया और गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड मनीष विश्नोई ने मीटिंग में उपस्थित होकर स्वयं इस अवार्ड की घोषणा की और डिजिटल सर्टिफिकेट प्रदान किया। इस तरह अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के नाम पांचवा स्वर्णिम विश्व कीर्तिमान दर्ज हुआ। कड़ी दर कड़ी जुडती गई व टॉप टू बॉटम काँरवा बन गया। अनिता जावंधिया अध्यक्ष पूर्वी मध्य प्रदेश द्वारा 25, नासिक जिला के येवला से सविता राठी द्वारा 40, शैला कलंत्री राज हॉस्पिटल द्वारा 10 सदस्याओं व अन्य ने 1, 2, 3, 4 सदस्याओं की अपने स्तर पर जांचे कराई। पुष्पा तोषनीवाल का भी विशेष सहयोग मिला व आभार समिति प्रमुख कलावती जाजू द्वारा व्यक्त किया गया। समस्त उपस्थित आमंत्रित अतिथि, डॉक्टर्स, रा.का. मंत्री मधु बाहेती, प. उपा. ममता मोदानी,समिति आं. सह–प्रभारी डॉ. पुर्णिमा सारड़ा, पुष्पा राठी, डॉ. सीमा मूदड़ा, संतोष बाहेती, शीतल सोनी, व डॉ. मोनिका मूंदड़ा, डॉ. इंदिरा मूदड़ा, डॉ. अल्पना लड्ढे, बीना पेडिवाल, रंजना बिनानी सहित सभी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश मंत्री, समिति प्रदेश संयोजिका, जिला सह संयोजिका व स्थानीय समिति सदस्य की टीम ने इसमें योगदान दिया।

7 पीढ़ियों ने एक साथ खेली होली

सीकर (राज.)। राजस्थान के सीकर ज़िले के गनेडी गाँव में धूत परिवार ने इस वर्ष अनोखी पहल करके संयुक्त परिवार का नया संदेश दिया। युवा पीढ़ी के सान्निध्य में एक संदेश के माध्यम से मात्र 20 दिनो में परिवार के कोलकाता, मुंबई, दिल्ली, भिवाडी इत्यादि जगह से 7 पीढ़ी के 180 सदस्यों ने एकत्रित हो गाँव में एतिहासिक होली का 2 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। इनके अलावा इससे भी दूर आठवीं पीढ़ी के कुछ लोग कन्नोज (मध्यप्रदेश) से भी पहुँचे। कार्यक्रम की शुरुआत परिवार सहित कुलदेवी के दर्शन से हुई एवं परिवारजनों ने विश्वविख्यात मनोकामना पूर्ण सालासर बालाजी के दर्शन भी किए। दो दिवसीय कार्यक्रम में गाँव के साथ होली शोभायात्रा में धूत परिवार ऊँट, घोड़ो, बाजों के साथ शाही साफ़ा लगाकर शामिल हुआ। परिवार के मिलन का आयोजन युवा संगठन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पश्चिमांचल राजकुमार धूत के सान्निध्य में हुआ। इसमें अंकित काबरा कोलकाता एवं दिल्ली से आए घनश्याम तापड़ीया एवं दीपक चितलाँगिया की अहम भूमिका रही। पंकज धूत, संजय धूत, सुनील धूत विजय धूत, अरुण धूत, अंकित धूत ने कार्यक्रम सम्भाला एवं महिला मंडल का भार कान्ता धूत ने सम्भाला।

महेश माहेश्वरी सोसायटी के चुनाव संपन्न

उदयपुर। महेश माहेश्वरी सोसाइटी उदयपुर के त्रैवार्षिक चुनाव शिखरेश्वर महादेव मंदिर, प्रांगण में आयोजित साधारण सभा की बैठक में गत 26 मार्च को मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रहलाद राय सोमानी एवं चुनाव अधिकारी गोविंद लावटी की देखरेख में संपन्न हुए। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि इसमें वर्ष 2022-2025 के लिए कैलाश कालानी अध्यक्ष, बृज गोपाल माहेश्वरी मंत्री एवं दिनेश मूथा कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इसी तरह महेश माहेश्वरी सोसाइटी उदयपुर के अंतर्गत महेश महिला माहेश्वरी सोसाइटी का चुनाव भी मुरलीधर गट्टानी द्वारा संपन्न करवाया गया। इसमें नीलम पेडीवाल अध्यक्ष, सुनीता राठी मंत्री एवं रेखा लावटी कोषाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित की गई।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सम्पन्न

इन्दौर। श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा इन्दौर शहर एवं इससे जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगो के हितार्थ शंकरा आई सेंटर के सहयोग से निःशुल्क मोतियाबिन्द जांच का कार्यक्रम अपने नवनिर्मित हो रहे 'आनन्दम' प्रकल्प तेजाजी नगर चौराहे के पास बायपास पर रखा गया। इसमें शंकरा आई सेंटर के नेत्र विशेषज्ञ व सहयोगियो की टीम द्वारा डेढ सौ से अधिक रोगियों की जांच की गई एवं इसमें से 14 रोगी जिनकी आंखो का मोतियाबिन्द ऑपरेशन होना है उन्हें चयनित किया गया। इनका ऑपरेशन शंकरा आई सेंटर के स्कीम नं. 74 सी इन्दौर स्थित अस्पताल मे ले जाकर किया जा रहा है। माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, सचिव भरत सारड़ा, ग्राम सरपंच गेंदालाल पटेल, यशवंत पटेल, गोलू पटेल, डा. गौरव, डा. कृष्णकांत यादव, ट्रस्ट के किशन गोपाल पुंगलिया, मांगीलाल कासट, सत्यनारायण मंत्री, राजेन्द्र मंत्री, केदार हेडा, ओमप्रकाश भूतडा, सुभाष राठी, दिनेश परवाल आदि ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव भरत सारड़ा ने सभी का आभार माना।

झारखंड बिहार प्रदेश की बैठक सम्पन्न

रांची। स्थानीय माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी समाज की तीनों इकाइयों झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति एवं युवा संगठन की बैठक सामाजिक चिंतन के साथ संपन्न हुई। गिरिजा शंकर पेड़ीवाल एवं रश्मि मालपानी ने बताया कि इन बैठकों में समाज को आगे बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर दिया गया। सभा की बैठक में मुख्य वक्ता प्रदेश सभा अध्यक्ष छीतरमल धूत, सचिव महेश लाखोटिया, उपाध्यक्ष राजकुमार मारू, प्रदेश महिला की बैठक में अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल, सचिव निर्मला लड्ढा, उपाध्यक्ष संगीता चितलांगिया, राँची अध्यक्ष विजयश्री साबू, प्रदेश युवा संगठन की बैठक मे अध्यक्ष सुमित लोहिया, सचिव मनीषा चितलांगिया आदि ने अपने अपने विचार वक्तव्य दिए।

धर्म से कर्म इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि धर्म करने से भगवान से माँगना पड़ता है, जबकि कर्म करने से भगवान को खुद देना पड़ता है।

शीघ्र ही भव्य आकार लेगा श्री महेश धाम

राम नवमी के पावन अवसर पर हुआ निर्माण का भूमि पूजन

उज्जैन। भगवान श्री कृष्ण की शिक्षा स्थली अंकपात क्षेत्र में निर्मित हो रहे भव्य माहेश्वरी भवन ''श्री गंगाधर बंशीधर राठी ट्रस्ट भवन (चैन्नई) श्री महेश धाम का भूमि पूजन गत 10 अप्रैल राम नवमी के अवसर पर हुआ। देश में माहेश्वरी समाज की शान समझे जाने वाले जयपुर के माहेश्वरी भवन उत्सव की तर्ज पर बनने वाला यह भवन भूमि पूजन के साथ ही अब साकार स्वरूप लेना प्रारंभ हो गया।

भूमि पूजन समारोह के मुख्य अतिथि इस निर्मित हो रहे भवन के मुख्य दानदाता अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी चैन्नई के सुपुत्र तथा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्य समिति सदस्य नवल राठी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में ख्यात समाजसेवी व फार्मास्युटिकल उद्यमी कमला ग्रुप ऑफ कम्पनीज पालघर (महा.) के चेयरपर्सन दिगम्बर झंवर थे। विशेष अतिथि के रूप में ख्यात उद्योगपति रोहित सोमानी (इंदौर) उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार व शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन कमलेश मंत्री ने किया। अतिथियों का सम्मान सभी ट्रस्ट पदाधिकारियों व गणमान्यजनों ने किया।

सभी ट्रस्टियों का भी किया सम्मान

इस भवन के निर्माण के लिये गठित ''श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट'' के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी ने स्वागत भाषण देते हुए ट्रस्ट की अभी तक की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। भवन निर्माण संयोजक डॉ. वासुदेव काबरा ने भवन निर्माण से संबंधित समस्त जानकारी विस्तार पूर्वक प्रस्तुत की। इस अवसर पर समस्त ट्रस्टियों का स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महेश लड्ढा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी म.प्र. प्रादेशिक सभा राजेन्द्र ईनानी, राजेन्द्र कचौलिया इंदौर, ओपी तोतला, रामरतन लड्ढा, रामेश्वर भूतड़ा, राजेन्द्र समदानी, अजय मूंदड़ा, शैलेन्द्र राठी, नवल माहेश्वरी, पुष्कर बाहेती, भूपेन्द्र भूतड़ा, दिनेश माहेश्वरी, लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, शांतादेवी मंडोवरा, शीतल मूंदड़ा आदि सहित श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट के समस्त ट्रस्टीजन उपस्थित थे। आभार सचिव कैलाश डागा ने व्यक्त किया।

सभी ने की भवन निर्माण की सराहना

भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली अंकपात क्षेत्र में भवन निर्माण की समस्त अतिथियों ने भी सराहना की एवं समाजजनों से इस पुनीत कार्य में सहयोगी बनने की अपील की। मुख्य अतिथि नवल राठी ने कहा कि तीर्थ स्थल उज्जैन में माहेश्वरी भवन बने यह पिता श्री बंशीलालजी राठी का सपना है, जिसे पूरा करने में सभी ट्रस्टी लगे हुए हैं। पिताजी के सपने को साकार करने में राठी परिवार अपना सभी प्रकार का सहयोग प्रदान करेगा। धन की भी कमी नहीं आने दी जाऐगी। विशिष्ट अतिथि डॉ. झंवर ने इस पुनीत कार्य के लिये आयोजकों तथा समस्त समाजजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सकारात्मकता व संकल्प ही वह शक्ति है जिससे कठिन कार्य भी सहज हो जाता है। उन्होंने अपनी जीवन यात्रा के प्रसंग भी सुनाये कि उन्होंने किस तरह अपनी 6 कंपनियों को पूर्णतः ऋण मुक्त किया। स्वयं डॉ. झंवर ने भी इस भवन के निर्माण में सहयोगी बनने की इच्छा व्यक्त की। विशेष अतिथि श्री सोमानी ने कहा कि इस भूमि की ऊर्जा से ही लगता है यह तपोभूमि है। अतः शीघ्र ही निर्माण कार्य पूर्ण होगा, ऐसी आशा करते हैं। उन्होंने दान का महत्व बताते हुए कहा कि ऐसे पुनीत कार्य के लिये दिये गये दान से अक्षय पुण्य लाभ प्राप्त होता है। श्री सोमानी ने इस भवन के निर्माण में तन-मन-धन से सहयोग की सभी समाजजनों से अपील की।

कैंसर रोग जाँच शिविर सम्पन्न

जयपुर। गत 31 मार्च को क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा सोडाला एवं महिला संगठन जोन 3 जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एचसीजी सेंटर शिप्रापथ मानसरोवर जयपुर के कांफ्रेंस हाल में ''कैंसर रोग'' के कारण, निदान व बचाव'' के बारे में एक सेमीनार आयोजित किया गया। इसमें डॉ. मनीष चोमाल ने विस्तृत रूप से केंसर के कारणों, बचाव व उपचार के बारे में बताया। डॉ. चोमाल ने सभी के प्रश्नों का उत्तर दिया जिससे सभी काफी संतुष्ट थे। मुख्य आयोजनकर्ता सत्यनारायण मोदानी के साथ अध्यक्ष महेश चाण्डक, सचिव रमेश भैया, कोषाध्यक्ष रमेशचंद्र भराड़िया सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का भी सहयोग रहा। क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष इंदिरा अजमेरा, सचिव निर्मला राठी आदि पदाधिकारी भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर फ्री जांच की सुविधा में 23 महिलाओं ने मोमोग्राफी व 19 पुरूषों ने पीएसए टेस्ट करवा कर लाभ उठाया। महिला वर्ग में महिला परिषद की अध्यक्ष रजनी, जयपुर जिला महिला सभा की अध्यक्ष उमा सोमानी, सचिव सविता राठी ने शिविर की प्रशंसा की। एचसीजी सेंटर पर सारी व्यवस्था मैनेजर कृष्णाकांत गौड़ ने की। इस कार्यक्रम में सम्मानस्वरूप डॉ. चौमाल डायरेक्टर, डॉ. भरतराज पुरोहित सीईओ जीतेश रावत व अन्य शिविरों से जुड़े लेब टेक्निशियन को प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये। मंच का संचालन रमेश भराडिया ने किया। अंत में जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष नवल किशोर झंवर ने आगंतुकों व शिविर में सेवा देने वाले स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

स्मारिका में निःशुल्क होगा बायोडाटा का प्रकाशन

जोधपुर। माहेश्वरी युवा संस्थान जोधपुर एवं सुरेश राठी के संयुक्त तत्वावधान में आगामी महेश नवमी महोत्सव 9 जून को माहेश्वरी युवक-युवती परिचय स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष जयंत लोहिया ने बताया कि परिचय स्मारिका का यह नवम संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। सुरेश राठी ने बताया कि स्मारिका में सभी बायोडाटा निःशुल्क प्रकाशित किये जा रहे हैं, अभी तक परिचय स्मारिका में प्रकाशन हेतु युवकों की 502 एवं युवतियों की 254 प्रविष्टियां आ चुकी है। कुल 1500 प्रविष्टियों का लक्ष्य रखा गया है। संगठन मंत्री अशोक लोहिया ''चार्ली'' ने बताया कि सभी फॉर्म ऑनलाइन भरे जा रहे हैं। ऑनलाइन फार्म भरने के लिए वेबसाइट http://mysjodhpur.in/reistration-form/ पर जाकर पूरा फॉर्म भरा जा सकता है तथा फोटो भी अपलोड की जा सकती है। परिचय स्मारिका के प्रकाशन में मूलचंद मूंदड़ा, अशोक लोहिया 'चार्ली', सुशीला राठी, पुष्पा बिहानी, रामेश्वरी भूतड़ा, शांति लोहिया, मधु मूंदड़ा, पुष्पा सारड़ा, महेंद्र राठी, सुनीता हेड़ा, ओम भूतड़ा, दीपक राठी, तेजराज मंत्री, रवि शाह, पुखराज मनिहार, अशोक तापड़िया, संदीप हेड़ा, गोरधन लाखोटिया, सुधीर राठी आदि कार्यकर्ता पूर्ण सहयोग कर रहे हैं।

जिंदगी में आने की खबर तो नौ महीने पहले ही मिल जाती है लेकिन जाने की खबर नौ सेकेंड पहले भी पता नहीं चलती है। इसलिये मस्त रहो, व्यस्त हो, आनंदित रहो।

कविता

मेरी आज की कविता पुरुषों को समर्पित है, जिन्हें शायद बचपन से सिखाया जाता है कि उन्हें रोना मना है अपने जज्बातों को अंदर दबाना जरुरी है। बाहर आने पर उन्हें कमजोर मान लिया जायेगा या उसकी हसीं उड़ाई जायेगी, जिन्हें बचपन से ही फौलादी बनने की शिक्षा दी जाती है। पर हम ये क्यों नहीं समझते कि उनके भी आंसू, जज्बात और एक प्यारा सा दिल होता है।

आखिर कैसे

पुरुष कैसे तुम इतना सह लेते हो
उफ़ तक ना करते
सारे परिवार की जवाबदारी तुम अकेले
कैसे अपने कंधो पर डाल लेते
इतना बोझ होने पर भी उफ़ तक ना करते
ऐ पुरुष अपने
अश्कों से भीगे अहसासों को
मन के भीतर कैसे रख लेते हो
ये कमाल तुम कैसे कर जाते हो
क्या अश्रुओं के वजन से
तुम्हारी आँखे भारी नहीं होती कभी
क्या कोई टीस ना उठती कभी
आखिर कैसे अपने दर्द को
अंदर ही दफ़न कर लेते
कैसे अंदर से टूटकर भी
अपनों की ताकत बन जाते हो तुम
कैसे होठों पर मुस्कान
और भीतर दर्द का सैलाब रख लेते हो
आखिर कैसे तमाम धोखे,
ठोकरें खाकर भी
मजबूत दीवार की तरह खड़े रहते हो
शायद यही दर्द, धोखे
तुम्हारी सहनशीलता तुम्हारी मजबूती की
दस्तां बयां कर जाते है
शायद इसीलिए कहते हैं कि
मर्द को दर्द नहीं होता है
आखिर कैसे इतने सहज रह लेते हो तुम
आखिर कैसे?

अनीता विजय राठी
साहित्य चिंतन मनन संयोजका
माहेश्वरी जिला सभा, सूरत (गुजरात)

गणगौर से की अखंड सौभाग्य की कामना

माहेश्वरी समाज ने राजस्थानी संस्कृति से ओतप्रोत अपना ''गणगौर पर्व'' पूरे उत्साह के साथ मनाया। इसमें विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ माता गणगौर से अखंड सौभाग्य की कामना की गई।

उदयपुर। महेश माहेश्वरी महिला सोसाइटी उदयपुर द्वारा सामूहिक गणगौर उद्यापन कार्यक्रम का आयोजन आदिनाथ भवन सेक्टर-11 पर सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेडीवाल के सान्निध्य में किया गया। प्रचार प्रसार मंत्री आराधना सोमानी ने बताया कि सामूहिक गणगौर उद्यापन में समाज की 11 महिलाओं मनाली लावटी, गामिनी हेड़ा, अदिति मालीवाल, कानन सोमानी, कनिका माहेश्वरी, वीना लड्ढा, मंजू लड्ढा, श्वेता तोषनीवाल, टीना लावटी, अंकिता डागा एवं आशा माहेश्वरी ने ईशरजी और गोराजी की पूजन करके गणगौर उद्यापन किया। महिलाओं का सोसायटी अध्यक्ष नीलम पेडीवाल, सचिव सुनीता राठी व कोषाध्यक्ष रेखा लावटी ने ऊपरना पहना कर व मोमेंटो देकर स्वागत अभिनंदन किया। गणगौर उद्यापन कार्यक्रम में समाज की 200 से भी अधिक महिलाएं शामिल हुई। कार्यक्रम में विशेष सहयोग महेश माहेश्वरी सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव बृजगोपाल चांडक, कोषाध्यक्ष दिनेश मूथा, संगठन मंत्री मुकेश मुंदडा, आयोजन मंत्री दिनेश चंद्र तोषनीवाल आदि का रहा।

फारबिसगंज। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगोर उत्सव मेला रोड रामोतार लखोटिया के निवास स्थान पर धूमधाम से मनाया। सबसे पहले सभी महिलायों ने मिलकर गणगोर की पूजा अर्चना के साथ डांस, गीत एव सोलह श्रृंगार का आयोजन किया गया। उस समय अध्यक्ष मंजू मुन्धड़ा, सचिव लक्ष्मी राठी, सन्तोष राठी सुशीला राठी, पुनम राठी, निर्मला सारडा, पुष्पा सारड़ा, कौशल सोमानी, गीता सोमानी, बिमला सोमानी, सम्पत बाहेती आदि कई सदस्याऐं मौजूद थीं। लाजो बाहती, मीना बाहेती, कृष्णा बाहेती आदि कई सदस्याऐं मौजूद थीं।

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र की ओर से गणगौर धूम का आयोजन किया गया। महिलाओं ने राजपूती पोशाकें पहनकर गणगौर का स्वरूप धरकर इसमें भाग लिया। कार्यक्रम में भजन कीर्तन एवं प्रसादी वितरण भी हुआ। अध्यक्ष सुशीला बजाज ने बताया कि कार्यक्रम में गणगौर थीम पर आधारित अनेक नाटक, डांस एवं गाने प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि डॉ सूरज माहेश्वरी थीं। मंच संचालन प्रज्ञा बजाज ने किया। कार्यक्रम संयोजक रामेश्वरी राठी, ज्योति राठी एवं सह संयोजक आशा माहेश्वरी, कंचन माहेश्वरी थीं। सचिव गीता सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में अनेक गेम्स भी खिलाएं और अंत में अनेक गिफ्ट भी दिए गए, जिसमें बेस्ट ड्रेस, बेस्ट गणगौर आदि शामिल थे।

अमरावती। बीकानेरी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा परम्परागत गणगौर बिंदौरे का आयोजन किया गया। इस वर्ष प्रेमलता श्याम सुंदर दम्माणी के निवास स्थान से गणगौर शोभायात्रा निकली। श्रीमती दम्माणी ने ईसरजी गवरजी को उपरना ओढ़नी और मोतीमाल पहनाकर उनका स्वागत किया गया। राधिका दम्माणी परिवार के सौजन्य से ठंडाई वितरण हुआ। अर्चना गिरिराज कोठारी के निवास पर आईस्क्रीम वितरण किया गया। सभी महिलाओं के लिये आनंद भोज तथा कुल्फी की व्यवस्था आयोजक की ओर से की गई। सभी को मेहंदी का कोण व पान बीड़ा देकर बिदा किया गया। श्री बीकानेरी महिला मंडल की अध्यक्षा सविता डागा तथा आयोजक प्रेमलता दम्माणी ने सभी का आभार माना।

अहमदाबाद। पर्व एवं सांस्कृतिक समिति के अंतर्गत 31 मार्च को माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद द्वारा 'आओ मनावा गणगौर' का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 78 सखियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में 4 प्रतियोगिताएं-गणगौर दोहा, गणगौर नृत्य आदि आयोजित की गई। सभी सखियों के लिए इन सारी प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य था। उक्त जानकारी अध्यक्ष नीलिमा मालू तथा सचिव दीपा धूत ने दी।

नांदुरा (बुलडाणा)। स्थानीय माहेश्वरी मंडल द्वारा जिले में पहली बार गणगौर के उपलक्ष्य में माता गवरजा एवं श्री इसरजी भगवान का अनोखा विवाह उत्सव संपन्न हुआ। चार दिनों तक चले इस विवाह उत्सव में विविध सांस्कृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला संगठन उपाध्यक्ष विट्ठलदास डागा, राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य गणेश नथ्थाणी, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष गिरीराज राठी, तहसील अध्यक्ष घनश्याम मूंधड़ा, सचिव डॉ. देवेश नवगजे, युवा संगठन के अध्यक्ष अनुज मूंधड़ा, तहसील अध्यक्ष शुभम राठी आदि का महिला संगठन द्वारा सत्कार किया गया। महिला मंडल अध्यक्षा प्रतिमा डागा, सचिव सपना राठी, उपाध्यक्ष लता खंडेलवाल, सहसचिव सुनीता चितलांगे, राखी लड्ढा, कोषाध्यक्ष पदमा तापड़िया एवं समस्त कार्यकारिणी मंडल सदस्याओं का सहयोग रहा।

रतनगढ़। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर उत्सव का आयोजन महिला मंडल की मंत्री चन्दा सोनी के घर पर किया। इस मौके पर समाज की महिलाओं व बेटियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, गणगौर के गीत, भजन, डांस आदि की प्रस्तुति दी। इस मौके पर समाज की मंजू लढ़ा, जयश्री जाजू, ज्योति लढ़ा, कृष्णा जाजू, सुनीता झंवर, कृष्णा लढ़ा, शीतल सोनी आदि कई महिलाएं उपस्थित थीं।

सोनकच्छ। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की सोनकच्छ शाखा द्वारा गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर इंदु सोमानी पूर्व राष्ट्रीय जन जागरण प्रकल्प प्रमुख एवम् पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष ने मारवाड़ी महिला समिति शाखा सोनकच्छ की अध्यक्ष मनीषा लाठी, उपाध्यक्ष मीना राठी, सचिव एकता दरक, कोषाध्यक्ष उषा अकोतिया, सह सचिव रमा जाजू, प्रचार मंत्री कृष्णा काबरा का मोती की माला, दुपट्टा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत-सम्मान किया। नए सत्र के लिए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। शाखा की पूर्व अध्यक्ष रुपाली दरक का ''महक'' प्रांतीय पत्रिका का सह संपादक नियुक्त होने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर पूर्व शाखा अध्यक्ष सरोज सिकरवार, पूर्व अध्यक्ष अनीता मूंदड़ा, पूर्व अध्यक्ष अरुणा भूतड़ा, पूर्व अध्यक्ष किरण छापरवाल, पूर्व अध्यक्ष निर्मला सोखिया आदि उपस्थित थीं।

भीलवाड़ा। सखी क्लब द्वारा पारम्परिक रूप से गणगौर का बिंदौरा रखा गया। सभी महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर सोलह-श्रृंगार कर ईसरजी-गौर माता की आराधना की गई। उनको हल्दी लगाई तथा ढोल के साथ धूमधाम से उनकी सवारी निकाली। सवारी में सभी महिलाएं शामिल हुईं।

बैंगलुरू। गत 30 मार्च को राजराजेश्वरी नगर की माहेश्वरी महिलाओं ने गणगौर का सिंजारा धूमधाम से आयोजित किया। इस आयोजन में राजराजेश्वरी नगर की 75 महिलाओं ने भाग लिया। आयोजक शोभा लखोटिया ने सभी महिलाओं का स्वागत किया। पुष्पा राठी एवं संजु राठी ने अपने मधुर स्वरों में गणगौर के गीतों की प्रस्तुति दी।

अमरावती। श्री बीकानेरी महिला मंडल का संयुक्त द्वि दिवसीय गणगौर महोत्सव बीकानेरी भवन भाजी बाजार में संपन्न हुआ। माँ गवरजा व ईसरजी के बिदाई अवसर पर सामूहिक गोठ (महाप्रसाद) का समाज के सभी परिवारों ने लाभ लिया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं व मनोरंजनात्मक कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। महिला मंडल अध्यक्ष प्रेमलता दम्माणी व सचिव माधुरी सादानी ने आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद। गौर उत्सव समिति एवं संस्कार धारा द्वारा गणगौर उत्सव मेला 2022 सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि गोपाल बल्दवा द्वारा किया गया। गौर उत्सव समिति की प्रधान संयोजिका संस्कार धारा की संस्थापिका मुख्य अतिथि कलावती जाजू का सम्मान किया। लगभग 700 लोगों ने इसमें भाग लिया तथा ठंडी-ठंडी ठंडाई व भोजन का आनंद उठाया। कार्यक्रम का संचालन श्यामा नावंदर एवं अंजना अटल ने किया। भारतीय त्यौंहारों पर आधारित प्रतियोगिता सहित विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

नांदुरा (बुलडाणा)। माहेश्वरी महिला मंडल नांदुरा की ओर से गत 4 अप्रैल को गणगौर के ग्यारह सामुहिक उद्यापनो का श्री बालाजी मंदिर में आयोजन किया गया। नांदुरा शहर की सासुमाताओं ने अपनी प्यारी-प्यारी बहुओं का उद्यापन करवाया। इस सामुहिक उद्यापन को सफल बनाने में मंडल की अध्यक्षा प्रतिमा डागा, सचिव सपना राठी, उपाध्यक्ष लता खंडेलवाल, सह सचिव राखी लड्ढा एवं कोषाध्यक्ष पदमा तापड़िया का योगदान रहा।

उज्जैन। श्री माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी स्थित श्री चारभुजानाथजी मंदिर में गणगोर की पूजा अर्चना कर महिला मंडल द्वारा सामुहिक 17 उद्यापन करवाये गयें। समाज की सभी सदस्याओं को भोजन प्रसादी ग्रहण करवा कर उपहार भेंट किये गये। इस दौरान संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी, सचिव मनोरमा मंडोवरा, पुष्पा मंत्री, शांता मंडोवरा, रुचि बाहेती, रश्मि लखोटिया, सोम्या सोडानी, सरिता बाहेती, कृतिका सुरजन, ध्वनि माहेश्वरी, किंजल सोडानी, इशू मूंदड़ा, सुरभि हुरकट आदि उपस्थित थीं।

सूरत। जैसल माहेश्वरीमैत्री महिला मंडल की ओर से गणगोर का सामूहिक उद्यापन तरुणा राठी की अध्यक्षता में रखा गया। इसमें 22 लोगो का उद्यापन सफलता पूर्वक सम्पन हुआ जिसमें 600 लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम हेतु सभी माहेश्वरी कार्यकारिणी सदस्याओं का पूर्ण सहयोग रहा।

नागपुर। ज्योति महिला मंडल द्वारा गणगौर सिंजारे में ईसर गौर के विवाह का आयोजन किया गया जो की बड़ा ही अनूठा और मनोरंजक रहा। ब्यावाले में विवाह की सभी रस्में अच्छे तरीके से नियोजित की गई। कार्यक्रम की संयोजिका कीर्ति भैया, रचना सावल एवं प्रीति भैया द्वारा गणेश पुजन, मूंग बिखेरना, मेंहदी, झाला वारना, हल्दी, मायरा, संगीत संध्या, बारात, फेरे, और विदाई आदि की सभी रस्मों की बड़ी ही बारीकी से तैयारी की गई। मजेदार गेम्स के साथ ही एक मनोरंजक हाऊजी भी खेली गई। कार्यक्रम में अध्यक्ष अर्चना बिंझानी ने सदस्यों का स्वागत किया, सचिव स्वाति सावल ने कार्यक्रम का संचालन किया और सभी का आभार व्यक्त किया। मंडल के वरिष्ठ सदस्य पुष्पलता टावरी, कांता सावल, कंचन सावल, राजश्री चांडक, कीर्ति चांडक, ललिता सुदा सहित सभी सदस्याऐं उपस्थित थीं। इस अवसर पर प्रीति भोज का आयोजन भी हुआ।

दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय अधिवेशन 'संगम 2022' सम्पन्न

रांची। स्थानीय श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर सभागार में झारखंड बिहार प्रदेश की तीनों इकाइयों का दो दिवसीय अधिवेशन 26 मार्च को शुरू हुआ। श्री माहेश्वरी सभा रांची के अध्यक्ष शिव शंकर साबू ने अतिथियों का स्वागत किया। मंच संचालन पूर्व प्रदेश सचिव अशोक साबू ने किया। विगत 1 साल में दिवंगत हुए समाज बंधुओं के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया और उसके बाद प्रमुख वक्ता के तौर पर गौहाटी से आये राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश काबरा ने सम्बोधित किया। झारखंड बिहार प्रदेश अध्यक्ष छीतरमल धुत ने कहा कि सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना है। झारखंड बिहार माहेश्वरी संगठन युवा पीढ़ी को समाज से जोड़े रखने के लिए सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करेगा। समाज को आगे बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करेगा और नई पीढ़ी को आगे लाने के साथ अगले सत्र के चुनाव के लिए भी तैयार करेगा।

कोलकाता से आई पूर्व महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, कोलकाता से आए राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (पूर्वांचल) श्यामसुंदर राठी, गौहाटी से आये पूर्वोत्तर के सचिव रमेश चांडक, मुजफ्फरपुर के महावीर लड्ढा, निर्मला लड्ढा, देवघर से निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विनय माहेश्वरी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। शाम 7:00 बजे से विभिन्न सामाजिक विषयों पर परिचर्चा हुई। मुख्य विषय था 'परिवार के संस्कारों की रक्षा हेतु युवा पीढ़ी से सामंजस्य कैसे स्थापित हो?' रात्रि 9:00 बजे अधिवेशन के प्रथम दिन का समापन सह सचिव बसंत लाखोटिया के आभार ज्ञापन से हुआ। समारोह के दूसरे दिन प्रातः 7 बजे से माहेश्वरी महिला समिति द्वारा रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे अनुदानित दर पर लगभग 70 लोगों की जांच की गई। समापन समारोह का आयोजन 27 मार्च को रांची से लगभग 40 किलोमीटर दूर बुंडू स्थित सूर्यमंदिर में किया गया। समापन समारोह में रोचक एवं मनोरंजक कार्यक्रम प्रदेश महिला अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल एवं प्रदेश युवा अध्यक्ष सुमित लोहिया द्वारा करवाए गए। पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू ने विगत कोरोना काल मे सेवा के दौरान आई समस्याओं के बारे में जानकारी देते हुए माहेश्वरी सभा को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

पश्चिम उ.प्र. सभा की बैठक सम्पन्न हुई

वृंदावन। प. उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों की एक बैठक गत 29 मार्च को वृन्दावन में राकेश मोहता कार्यवाहक अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। महासभा के संयुक्त मंत्री विनीत केला ने बनारस में अभी सम्पन्न हुई महासभा की बैठक की विस्तृत चर्चा करते हुए महासभा द्वारा पारित सभी ट्रस्टों की जानकारी दी तथा दो अन्य नवीन ट्रस्टों के गठन की भी चर्चा की। सुभाष चन्द्र बाहेती ने सभी पदाधिकारियों से सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की प्रोग्रेस रिपोर्ट प्राप्त की। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मेलन पर चर्चा करते हुए नवनीत माहेश्वरी ने इस विषय पर एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया।

डॉ. टावरी बनी मेडिक्वीन

पुणे। गत दिनों 6 से 8 अप्रैल तक आयोजित 3 दिवसीय मेडिक्वीन मिसेज महाराष्ट्र के सीज़न 3 में नागपुर की डॉ. ऋषिका टावरी अटल उपविजेता रही। इन्हें मिसेस ग्लैमरस और बेस्ट टैलेंट ऑफ़ दी ईअर के टाइटल से भी सम्मानित किया गया। सोशल वर्क कैटेगरी में भी टॉप 12 में इनका चयन हुआ। टॉप 12 की इस सूची में डॉ. ऋषिका सबसे कम उम्र की रही। डॉ. ऋषिका, एक ऑर्थोडांटिस्ट हैं, भरत नाट्यम ग्रेजूएट हैं और नृत्य में भी इनकी विशेष रुचि है। सोशल मीडिया पर इनके क़रीब 23 हज़ार फ़ॉलोअर है। मात्र 31 की छोटीसी उम्र में इन्होंने कई उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

होली मिलन का आयोजन

बैंगलुरू। संध्या सौरभ संस्थान का होली स्नेह मिलन एक होटल में आयोजित किया गया। सौरभ के वर्तमान अध्यक्ष जगदीश गिलडा के अनुपस्थिति में सचिव चंद्र प्रकाश मालपानी ने उपस्थित सौरभ परिवार के सदस्यों का अपने उद्बोधन से स्वागत एवं अभिनंदन किया। सौरभ परिवार के सभी सदस्यों ने सपत्नीक इस स्नेह मिलन में उपस्थित होकर हर्षोल्लास के साथ तीन साल के अंतराल के बाद भाग लिया। विशेष अतिथि के रुप में प्रशान्त सिंघी और उनकी धर्मपत्नी प्रीति सिंघी उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सतीश काबरा को अध्यक्ष तथा चंद्रप्रकाश मालपानी को सचिव सर्वसम्मति से चुना गया।

युवा संगठन ने मनाई सार्थक होली

इंदौर। कार्यक्रम मार्गदर्शक राष्ट्रीय संगठन मंत्री भरत तोतला व प्रा युवा संगठन के अध्यक्ष राहुल मानधन्या ने इंदौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष संजय लोहिया व सचिव मयंक मुंदड़ा के साथ मिलकर सार्थक होली का आयोजन किया गया। इसमें मोनिका मुंदड़ा द्वारा 45 गरीब निचली बस्ती के बच्चों को निशुल्क शिक्षा दी जा रही रही है। इन्हें अनुशासन के साथ ही सम्पूर्ण विषय पढ़ाये जाते है। खुद ही के खर्च पर बच्चों के लिए रिक्शा की व्यवस्था की है व 2 एयर टीचर्स को भी रखा हुआ है। साथ ही सरकारी स्कूल से कोलोब्रशन किया है कि पढ़ाएंगे हम, आप एग्जाम लीजिएगा और पास होने पर मार्कशीट दीजिएगा। युवा संगठन द्वारा बच्चों को होली मनाने के लिए रंग, गुलाल, पिचकारी, टोपियां, गुब्बारे, शरबत का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अंकित अजमेरा कोषाध्यक्ष प मप्र प्रा युवा संगठन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लखन लड्ढा, विष्णु तापड़िया, नीरज जाखेटिया व अन्य युवा साथी उपस्थित थे। उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक - रवि राठी व अर्पित दम्मानी ने दी।

होली मिलन समारोह आयोजित

चंद्रपुर। गत 20 मार्च को चंद्रपुर समाज द्वारा महर्षि विद्या मंदिर में होली एवं धूलिवंदन के पवित्र त्वोहार पर 'ब्रज की होली' उपक्रम माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण श्याम बाबा की झांकी, फूलों की होली, लड्डू गोपाल की आरती, निशान यात्रा रहे। कार्यक्रम में इंदौर की सुप्रसिद्ध गायिका सोनम पगारे एवं टीम ने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडल अध्यक्षा सुचिता राठी ने की। आभार प्रदर्शन माहेश्वरी युवक मंडल के अध्यक्ष मनीष बजाज ने किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ दामोदर मंत्री, कमलकिशोर राठी, मुकुंद गांधी, राधेश्याम भट्टड, लक्ष्मीनारायण डालिया, चंद्रपुर जिला माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष डॉ. सुशील मुंधडा, सचिव शिवनारायण सारडा, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष सी ए दामोदर सारडा आदि उपस्थित थे।

परिचय-पत्रक अवलोकन कार्यक्रम संपन्न

भीलवाड़ा। मेवाड़ माहेश्वरी मंडल मुम्बई के सहयोग से नागोरी गार्डन माहेश्वरी समाज संपत्ति ट्रस्ट के भवन में गत 3 अप्रेल को युवक व युवतियों के बायोडाटा के अवलोकन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नारायण जागेटिया, रमेश राठी, सम्पत माहेश्वरी, श्रवण समदानी, श्याम सुंदर देवपुरा, अशोक चांडक, ओमप्रकाश बाहेती (पार्षद, निम्बाहेडा) आदि द्वारा किया गया। श्रवण समदानी ने बताया कि पिछले छः महीनों से बॉयोडाटा अवलोकन की निशुल्क नियमित सेवा प्रदान की जा रही है। इस आयोजन में भीलवाडा जिले सहित उदयपुर, चित्तोड़, निम्बाहेडा व कोटा से प्रत्याशी व उनके अभिभावक परिचयपत्र का अवलोकन कर लाभान्वित हुए।

संपन्नता मन की ही अच्छी होती है, धन की नहीं। क्योंकि धन की संपन्नता अहंकार देती है और मन की संपन्नता संस्कार देती है।

युवा सम्मेलन सम्पन्न

देवास। म.प्र. वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व गृहमंत्री उमाशंकर गुप्ता के आह्वान पर पूरे प्रदेश में युवा जोड़ो अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत उज्जैन संभाग मे सर्वप्रथम युवा जिला सम्मेलन अमर मोहिनी गार्डन देवास पर आयोजित हुआ। संगठन के धार संभाग के अध्यक्ष विनोद बापना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। विशेष अतिथि युवा प्रदेश महामंत्री विकास डागा व देवास के सीए मनीष राठी थे। प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण लाठी ने भी संगठन की मजबूती पर जोर दिया। अतिथियों का वैश्य दुपट्टा एवं श्रीफल तिलक से अभिनंदन किया गया।

महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

मथुरा। स्थानीय सदन में होली मिलन समारोह में ही महिला संगठन मथुरा के नवीन पदाधिकारियों ने शपथ लेकर नए सत्र का शुभारम्भ किया। नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्व सम्मति से किया गया। इसमें अध्यक्ष-रेखा माहेश्वरी (शारदा) सचिव-तृप्ति राठी कोषाध्यक्ष-रुचिता माहेश्वरी, सह सचिव-रीनू राठी, लता माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री-ज्योति माहेश्वरी, लेखा डागा आदि चुनी गई। कार्यकारिणी सदस्याओं का भी चयन हुआ।

गायिका करवा का किया स्वागत

फारबिसगंज। मुम्बई की माहेश्वरी महिला मंडल सदस्य एवं प्रसिद्ध गायिका नम्रता करवा का फारबिसगंज आने पर एक होटल परिसर में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा सुनीता लड्ढा एवं बिहार झारखंड के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राज कुमार लड्ढा ने शाल और दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। इस मौके पर सुश्री करवा ने बताया कि स्कूल के समय से उन्हें गाने का शोक था। अभी वे 10/12 साल से भजन गा रही हैं। उनके कई एलबम भी निकल चुके हैं। मौके पर उनके पिता हरीश करवा, आनन्द अग्रवाल आदि मौजूद थे।

माहेश्वरी मंडल ने मनाया कान्हा उत्सव

फारबिसगंज। माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष सुनीता लड्ढा के आवास पर कान्हा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें कान्हा के दरबार को फूलों से सजाया संवारा गया था। उत्सव में राधा-कृष्ण झांकी की प्रस्तुति दी गयी जो आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस दौरान राधा कृष्ण ने केक भी काटा और सभी महिलाओं ने उनके साथ फूल की होली खेली। इस मौके पर नंदीनी लखोटिया, मिनी देवी, मीना लाखोटिया, किरण लखोटिया, सुमन लाखोटिया, रेखा लाखोटिया, अनिता अग्रवाल, सोनी सिंघी, लीला सिंघी आदि कई सदस्याऐं मौजूद थे।

नवसंवत पर चेतना यात्रा का स्वागत

उदयपुर। गत 1 अप्रैल को एकलिंग जी से गणगौर घाट तक विक्रम संवत 2078 की विदाई एवं विक्रम संवत 2079 के स्वागत हेतु अवधेशानंद जी महाराज सूरजकुंड के मुख्य आतिथ्य में निकलने वाली विक्रमादित्य संस्कृति चेतना यात्रा का स्वागत महेश माहेश्वरी सोसायटी उदयपुर द्वारा लोक कला मंडल के पास किया गया। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि सोसायटी द्वारा स्वागत द्वार लगाकर पुष्प वर्षा द्वारा एवं शीतल पेय पिलाकर यात्रा में आने वाले समस्त श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष कैलाश कालानी, सचिव बृजगोपाल चांडक, कोषाध्यक्ष दिनेश मूथा, चेतना मूथा, अनिल सोमानी, दिनेश दरगड, गौतम सोमानी, माहेश्वरी पंचायत धानमंडी सदस्य चतर लाल सोमानी आदि उपस्थित थे। सभी समाज जन पुरुष सफेद कुर्ता-पजामा एवं महिलाएं केसरिया साड़ी में उपस्थित थी।

आयुष आसावा हुए सम्मानित

बिल्सी (बदायूँ)। आयुष असावा सुपुत्र विष्णु असावा, सुपुत्र दिनेश चंद्र असावा को बदायूँ काव्य कुम्भ के आयोजन मे विशेष सहयोग के लिए उप जिला अधिकारी एवं जिला जेल अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया।

स्वतंत्रता सेनानी परिवार का स्वागत

प्रयागराज। पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन के सहयोग से स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सवी वर्ष में स्वतंत्रता-सेनानियों के परिवार के सम्मान का पहला कार्यक्रम आयोजित हुआ। देश के स्वतंत्रता-संग्राम में माहेश्वरी समाज के बन्धुओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। समाज के 400 से अधिक स्वतंत्रता-सेनानियों की सूची तो उपलब्ध है। अतः उनका वन्दन करने के लिए स्वतंत्रता के इस (सन् 2022) अमृत-महोत्सवी वर्ष में पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा ने प्रदेश में अपने के सभी स्वतंत्रता-सेनानियों के परिवारों का अभिनन्दन करने का योजना बनाई है। इसी कड़ी में गत 30 मार्च को प्रयागराज में स्वतंत्रता-सेनानी भगवान दास केला के परिवार का अभिनन्दन पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला सगंठन के रजत जयंती समारोह में हुआ। शशि नेवर की पहल पर प्रदेश सभा की इस योजना को मूर्त्तरुप देने का श्रेय प्रदेश महिला संगठन के वर्तमान पदाधिकारियों को जाता है। तिरंगी आभा से सजे मंच पर भगवान दास केला के पौत्र अशोक केला व उनकी पत्नी प्रेरणा केला, नीरज केला व उनकी पत्नी रेनु केला तथा प्रपौत्र शुभम केला और प्रपौत्री खुश्बू केला (सुपुत्री अरुण केला) उपस्थित थे। न्यायमूर्त्ति विवेक कुमार बिड़ला की गरिमामय उपस्थिति में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की महामंत्री मंजू बांगड़, उत्तरांचल से उपाध्यक्ष किरन लढ़ा व संयुक्तमंत्री शशि नेवर, पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष ऊषा झंवर, मंत्री रंजना मूंदड़ा, संगठन मंत्री सीमा लढ़ा प्रदेश सभा के संगठन मंत्री रवीन्द्र गांधी व अध्यक्ष श्रीराम माहेश्वरी ने केला परिवार के सभी सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उत्तरीय पहनाकर पुष्प-गुच्छ के साथ उनका अभिनन्दन किया। केला-परिवार को श्रद्धा के साथ स्मृति-चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यकर्ताओं को समर्पित आभार-अभिनन्दन-गोष्ठी

वाराणसी। पूर्वी उ.प्र. माहेश्वरी सभा और माहेश्वरी परिषद वाराणसी के पदाधिकारियों ने 'काशी-संगम-2022' की सफलता का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए आभार-अभिनंदन गोष्ठी का आयोजन किया। महासभा संगठन मंत्री अजय काबरा व प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण कुमार सोमानी ने कायकर्ताओं के पास जाकर उनका माल्यार्पण किया और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन सरोज भरानी और गोविंद भरानी ने किया।

नियाज़ खान प्रकरण पर मालू की केंद्रीय मंत्री से भेंट

इंदौर। मध्यप्रदेश के आई ए एस नियाज़ खान द्वारा सिविल सर्विसेज कोड ऑफ कंडक्ट के उल्लंघन और ट्विटर पर डाली गई पोस्ट को लेकर खनिज निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविन्द मालू ने यूपीएससी, केंद्रीय मंत्री व प्रधानमंत्री कार्यालय को प्रमाण सहित शिकायत की थी। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय कार्मिक मंत्री डॉ. जितेंद्रसिंह से दिल्ली में भेंट कर उनसे कार्रवाई का आग्रह किया। मंत्रीजी ने आगे विधिवत और नियमानुसार कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

केला बने डायरेक्टर

सुरेंद्रनगर (गुज.)। नरेश केला की भारत सरकार द्वारा स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के डायरेक्टर पद पर नियुक्ति की गई है। वे वर्तमान में गुजरात प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष पद का दायित्व वहन कर रहे हैं और गुजरात प्रदेश भाजपा चार्टर्ड अकाउंटेंट सेल के प्रदेश कन्वीनर का भी दायित्व संभाल रहे हैं।

ऊष्मागम कैम्प का आयोजन

नागपुर। माहेश्वरी युवा संगठन सीताबर्डी नागपुर द्वारा ऊष्मागम शिविर का आयोजन गत 20 अप्रैल से 05मई सुबह 07:30 से 10:30 बजे तक कुन्दनलाल चांडक भवन, सीताबर्डी, नागपुर में किया गया है। इस ऊष्मागम गतिविधि में बोतल आर्ट, वर्लीपेंटिंग, पेपर क्विल्लिंग, डांस एव फिटनेस, श्लोक और आर्ट एवं क्राफ्ट आदि शामिल हैं। 5 से 15 साल आयुवर्ग के बच्चों की प्रतियोगिता भी रखी गई है। अधिक जानकारी हेतु आदित्य गाँधी, रोशनी गोदानी, नेहा गोयदानी एवं अंथरा गाँधी से संपर्क कर सकते हैं।

नन्हीं बालिकाओं ने दी शानदार प्रस्तुति

देवास। पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान व देवास जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में सोनकच्छ के पुष्पगिरी तीर्थ पर आयोजित प्रादेशिक सांस्कृतिक अधिवेशन अरुणिमा 2022 में देवास की होनहार बिटिया वेदिका लाठी 6 वर्ष ने तबला वादन की अभूतपूर्व प्रस्तुति दी। वंशिका परवाल ने केसियो पर महेश वंदना की प्रस्तुति दी एवं दिवा लाठी ने मुखाग्र शिव तांडव स्त्रोत की प्रस्तुति दी। समाज संगठन द्वारा तीनों बालिकाओं का सम्मान किया गया। इन तीनों बालिकाओं का पुणे में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है।

नव वर्ष का किया अभिनंदन

राजनांदगांव। माहेश्वरी भवन में संचालित संस्कार पाठशाला मे हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष्य में वसुधा लड्ढा एवं टीम द्वारा सभी बच्चों को हिंदू नववर्ष, गायत्री मंत्र का व नवरात्रि का महत्व बताया गया। महेश वंदना, गीता श्लोक पाठ एवं केसरिया ध्वजारोहण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में महिला मंडल सचिव सुषमा राठी एवं कोषाध्यक्ष अनीता चितलांगिया की विशेष उपस्थिति रही। दूसरा आकर्षण का केंद्र 21 सौ दीपों से नए वर्ष का स्वागत सनसिटी सोसाइटी के सभी माहेश्वरी परिवार एवं रहवासियों द्वारा किया गया, जिसे देखने संस्कारधानी वासियों की भीड़ जुटी एवं पूरे जिले में इसकी प्रशंसा की गई। उक्त जानकारी महिला मंडल पीआरओ पिंकी धूत ने दी।

अच्छे और सच्चे रिश्ते न तो खरीदे जा सकते हैं, ना ही उधार लिये जा सकते हैं। इसलिये उन लोगों को जरुर महत्व दो, जो आपको महत्व देते हैं।

शीतल जल शाला का शुभारम्भ

निजामाबाद। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा स्थानीय राजस्थान भवन के सामने शीतल जल शाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि निजामाबाद के प्रमुख समाजसेवी गोपीकिशन बजाज द्वारा किया गया। तत्पश्चात युवा संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत झंवर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश कुमार डालिया ने युवा संगठन द्वारा किए हुए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के संयोजक अंकित सारडा एवं नवीन सोनी ने मुख्य अतिथि का मोतियों की माला एवं शाल से सम्मान किया। इस अवसर पर महिला मंडल से शकुंतला मालू, शकुंतला झंवर एवं युवा संगठन के प्रादेशिक कोषाध्यक्ष मधुसूदन मालू, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पवन मूंदड़ा, अनूप मालू, आनंद मोदानी, गोविंद झंवर, गोविंदा मालू, आदि समाज के कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सभागार का हुआ लोकार्पण

जयपुर। दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) द्वारा संचालित कालवाड़ रोड स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में गत 27 माच को 'कौटिल्य' सभागार का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री, राजस्थान सरकार डॉ. बी.डी. कल्ला, लोकार्पण कर्ता आर.डी बाहेती तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में चेयरमैन महेश बैंक रमेश कुमार बंग उपस्थित थे। विद्यालय के भवन मंत्री मनीष सोमानी ने वातानुकूलित 'कौटिल्य' सभागार के बारे में जानकारी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ गणेश वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष रमेश कुमार सोमानी, महासचिव शिक्षा नटवर लाल अजमेरा, महामंत्री (समाज) गोपाल लाल मालपानी, कोषाध्यक्ष सीए नटवर कुमार सारड़ा, विद्यालय के मानद् सचिव मनोज कुमार बिड़ला, भवन मंत्री मनीष सोमानी, प्रधानाचार्य ओ. पी. गुप्ता तथा मैनेजिंग कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

समाजसेवी श्री बियाणी की हत्या पर समाज में रोष

चंद्रपुर। नांदेड़ जिले के जाने-माने व्यापारी एवं समाजसेवी संजय बियाणी की निर्मम हत्या का सार्वजनिक रूप से चंद्रपुर माहेश्वरी समाज, चंद्रपुर सिंधी समाज, व्यापारी मंडल चंद्रपुर ने विरोध किया था। 07 अप्रैल को चंद्रपुर माहेश्वरी समाज ने चंद्रपुर जिला कलेक्टर के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और महाराष्ट्र पुलिस निदेशक को एक ज्ञापन सौंपा। चंद्रपुर माहेश्वरी समुदाय ने आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। चंद्रपुर जिला माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष डॉ. सुशील मुंधड़ा, सचिव शिवनारायण सारदा, चंद्रपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष दुर्गा सारदा, सचिव राधिका मुंधड़ा, माहेश्वरी सेवा समिति के सचिव सुरेश राठी, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मनीष बजाज, पंकज सारडा, चैंबर ऑफ कॉमर्स चंद्रपुर के अध्यक्ष रामजीवन परमार, सचिव

प्रभाकर मंत्री, राजू पंजाबी, सुमेध कोटपल्लीवार, सिंधी समाज के अध्यक्ष तहलियानी सचिव अशोक हसनी, गिरीश चांडक, गोपाल मुंधड़ा, चंद्रकांत बजाज आदि उपस्थित थे।

नांदुरा (जिला बुलडाणा)। नांदेड में माहेश्वरी समाज के विख्यात व्यवसायी संजय बियाणी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस घटना के चलते नांदुरा नगर के सैकड़ों माहेश्वरी समाजजनों ने विरोध व्यक्त करते हुए तहसील कार्यालय तक मोर्चा निकाला। संगठन की और से तहसीलदार को ज्ञापन देकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर जिला संगठन उपाध्यक्ष विट्ठलदास डागा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गणेश नथ्थाणी, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष गिरिराज राठी, तहसील अध्यक्ष घनश्याम मुंधड़ा, सचिव देवेश नवगजे, युवा संगठन के अध्यक्ष अनुज मुंधड़ा, तहसील अध्यक्ष शुभम राठी, संदीप माहेश्वरी, प्रयाग दम्माणी, रणछोड़ कोठारी, कमल बापेचा आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

बून्दी। महाराष्ट्र के नांदेड में प्रसिद्ध बिल्डर एवं समाजसेवी संजय बियानी की हत्या पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्र व्यापी आह्वान पर स्थानीय संगठन के कार्यकर्ताओ ने राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। इसके द्वारा घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाने एवं अविलंब अपराधियों को गिरफ्तार कर उन्हें कठोर सजा दिलाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालो में युवा संगठन के जिलाध्यक्ष नरेश लाठी, महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष संजय लाठी, सचिव नारायण मंडोवरा व निदेशक मनीष मंत्री, नवरत्न बील्या, परेश मूंदड़ा, गोविंद बिरला, प्रवीण मूंदड़ा आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स ऐरिना का लोकार्पण

जयपुर। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड बगरु में अंतरराष्ट्रीय स्तर के अत्याधुनिक खेल प्रांगण एवं खेल सामग्री से सुसज्जित 'एकलव्य स्पोर्ट्स ऐरेना' का लोकार्पण कार्यक्रम गत 20 मार्च को आयोजन किया गया। लोकार्पणकर्ता समाजसेवी एवं ख्यात व्यवसायी ओमप्रकाश तोषनीवाल, मुख्य अतिथि राष्ट्रवादी सामाजिक कार्यकर्ता मनइंद्रजीत सिंह बिट्टा, 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज' के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा नटवर लाल अजमेरा, उपाध्यक्ष रमेश सोमानी, कोषाध्यक्ष नटवर कुमार सारडा, मानद् सचिव श्याम सुंदर तोतला, भवन सचिव सुरेंद्र काबरा आदि सभी पदाधिकारीगण, एम.पी.एस अजमेर रोड प्राचार्या दलजीत कौर एवं श्री माहेश्वरी समाज के सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य व उपाचार्य उपस्थित थे। इस लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ लोकार्पणकर्ता श्री तोषनीवाल, मुख्य अतिथि श्री बिट्टा व ई.सी.एम.एस के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

बठिंडा। माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से 11 वां फ्री मेडिकल चेक अप कैंप गत 10 अप्रैल को माहेश्वरी चिल्ड्रन हॉस्पिटल वीर कॉलोनी में लगाया गया। जिसमें डॉ. मानसी बंसल (मेडिसिन), डॉ. रबीना माहेश्वरी (गायनी), शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राम नारायण माहेश्वरी व डॉ. सुमित बंसल ने मरीजों का चेक अप किया। सविता होलानी अध्यक्ष, सचिव अंजू मालपानी व पूनम राठी ने बताया कि लगभग 40 दिन में यहाँ पर 487 मरीजों का चेक अप हुआ और 70 लोगो की शुगर टेस्ट व 37 लोगो की ई सी जी फ्री की गयी। कैंप के सफल आयोजन के लिये सविता होलानी की ओर से सभी डॉक्टर्स को सन्मानित किया गया। महिला मंडल के सदस्यों को सहयोग के लिए भी रिटर्न गिफ्ट भी दिए गये।

महावीर जयंती शोभायात्रा का स्वागत

चंद्रपुर। गत 14 अप्रैल को भगवान् महावीर जयंती के शुभ अवसर पर माहेश्वरी युवक मंडल-चंद्रपुर ने श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के निकट स्वागत स्टाल लगाकर जैन समाज की शोभायात्रा का स्वागत किया तथा शोभायात्रा में उपस्थित सभी जैन भाविकों को शीतल पेय का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष मनीष बजाज, सचिव पंकज सारडा, आशिष मुंधडा, दीपक सोमाणी, अनुप गांधी, अनुप काबरा, अश्विन सारडा, भरत बजाज, बिपीन भट्टड, दीपक सारडा, धीरज राठी आदि उपस्थित थे।

माहेश्वरी मंडल की नयी कार्यकारिणी गठित

ओमप्रकाश राठी	कैलाश राठी	दीपक चांडक	उज्वल चांडक
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष

नागपुर। माहेश्वरी मंडल वाड़ी हिंगना रोड की नयी कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से गत 17 अप्रैल को हुआ। सलाहकार समिति के सदस्य मनोज मुंधड़ा, मनोज चांडक, गोपाल राठी, घनश्यामदास राठी, श्याम काबरा, दीपक कलंत्री चुने गये। सर्वसम्मति से ओमप्रकाश राठी अध्यक्ष, कैलाश राठी उपाध्यक्ष, दीपक चांडक सचिव, उज्वल चांडक कोषाध्यक्ष, प्रशांत मुंधड़ा सहसचिव, रविंद्र चांडक प्रचार-प्रसार मंत्री, खुशबू चांडक खेलकूद मंत्री, राधिका राठी सांस्कृतिक मंत्री चुनी गई।

खरी-खरी

उल्फ़त भले ही न करें'
नफ़रत नहीं करते

सहकर के ज़िल्लतें भी
अदावत नहीं करते

लिखते हैं मुहब्बत की इबारत
ही कलम से

हम शब्द के साधक हैं
सियासत नहीं करते

© राजेन्द्र गट्टानी, भोपाल
94250-16939, 87702-21707

नवरात्र में भजन संध्या आयोजित

अहमदाबाद। माहेश्वरी युवा संगठन की नव निर्वाचित कार्यकारिणी द्वारा चैत्र नवरात्रि के अवसर पर शाहीबाग स्थित माहेश्वरी भवन मे माता की चौकी एवम भव्य भजन संध्या से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसमें अध्यक्ष मनोज बाहेती, मंत्री विजय जेथलिया, सांस्कृतिक मंत्री अविनाश आगाल आदि ने प्रमुख योगदान दिया। माहेश्वरी सेवा समिति से उपाध्यक्ष गोकुल सोडाणी मंत्री, कैलाश ईनाणी, युवा संगठन पूर्व अध्यक्ष दिलीप पोरवाल, पूर्व मंत्री कन्हैया मूंदड़ा आदि उपस्थिति थे।

विकास अधिकारी बनने पर काबरा का सम्मान

भीलवाड़ा। पंचायतीराज विभाग ने प्रदेश में 131 अतिरिक्त विकास अधिकारियों का विकास अधिकारी (आरआरडीएस) के पद पर प्रमोशन किया है। इनमें भीलवाड़ा जिला परिषद के अतिरिक्त विकास अधिकारी ओम प्रकाश काबरा भी शामिल हैं। भीलवाड़ा जिले में अकेले श्री काबरा का ही प्रमोशन हुआ है। उनके कार्यग्रहण करने पर जिला परिषद कार्यालय के कर्मचारियों ने माला पहनाकर सम्मानित किया।

तापड़िया को सेवा रत्न पुरस्कार

अमरावती। विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर एकता रैली आयोजन समिति ने प्रतिवर्षानुसार 24वें वर्ष इरविन चौक पर 'विश्वरत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर चिकित्सा सेवारत्न पुरस्कार 2022' का आयोजन किया। रामगोपाल तापड़िया को प्रदान किया गया। इसमें शॉल, गुलदस्ते, पुस्तक 'भगवान बुद्ध और उनका धम्म' और भीमपर्व 2022 का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष अनंतराव गुडे, उद्घाटनकर्ता डॉ. दिलीप मलखेड़े (कुलपति), सुदर्शन गैंग, मुख्य संयोजक राजू नन्नावरे आदि उपस्थित थे।

तुलसी के पौधे से आगंतुक अभिनंदन

बून्दी। शहर के शीतला गली निवासी मीनाक्षी- सूर्यप्रकाश काबरा ने गत 8 अप्रैल को अपने सुपौत्र धैर्य काबरा के जन्मोत्सव एवं अपने स्वर्ण सीढ़ी आरोहण में शामिल हुए सभी आगुन्तको का तुलसी का गमला भेंट कर सम्मान किया। श्री माहेश्वरी महिला मण्डल, बून्दी की पूर्व अध्यक्ष व महेश क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लि. की निदेशक मीनाक्षी काबरा ने समारोह में शामिल होने वाले आगंतुकों को सामाजिक प्रचलन के अनुसार सामान्य उपहार दिए जाने के बजाय उन्हें तुलसी का पौधा प्रदान कर उसे पोषित व पल्लवित होने का संकल्प दिलाया। जैत सागर रोड़ स्थित श्री माहेश्वरी भवन में आयोजित समारोह में लगभग 130 तुलसी के गमले आगंतुकों को भेंट किए।

कार्यकर्ता शिविर का हुआ आयोजन

सूरत। गत 05 अप्रैल को जैसल माहेश्वरी मैत्री मंडल के कार्यकर्ता शिविर का आयोजन अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल की भूतपूर्व अध्यक्षा विमलादेवी साबू के सान्निध्य में किया गया। संस्थापक अध्यक्षा सुनीता धीरण, भूतपूर्व अध्यक्षा रीता चांडक, निर्वतमान अध्यक्षा मीना बिसानी और नवनिर्वाचित अध्यक्षा तरुणा राठी व सभी कार्यकारिणी सदस्याओं के साथ विमलादेवी साबू द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मंडल का सुचारु रूप से कार्य करने का मार्गदर्शन किया एवं बताया कि एकता और सामंजस्य से अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

जिंदगी ऐसी जिये कि कोई हँसे तो आपकी वजह से हँसे पर आप पर नहीं और कोई रोए, तो आपके लिए रोये आपकी वजह से नहीं रोए।

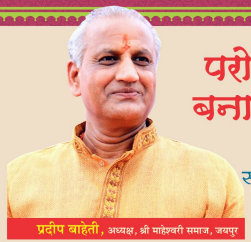

प्रदीप बाहेती, अध्यक्ष, श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

परोपकार के दम पर बनाई अलग पहचान

गत् 97 वर्षों से सेवा में समर्पित

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर सामाजिक परोपकार के लिए हमेशा अग्रणी रहा और देश में एक अलग पहचान बनाई। समाज में आज भी भगवान महेश के बताये आदर्शों, संस्कारों से ही सभी कार्यों का निर्वहन किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में 10 स्कूल और एक कॉलेज में लगभग 25 हजार विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे है। चिकित्सा के क्षेत्र में डायलिसिस एवं डायग्नोस्टिक सेन्टर, ब्लड कलैक्शन सेन्टर, सामाजिक क्षेत्र में वृद्धाश्रम, जनोपयोगी भवन 'उत्सव' व 'अभिनन्दन' के अलावा सेवा प्रकल्प के अनेकों कार्य किये जा रहे है।

3 वर्ष
विकास यात्रा को समर्पित
(सत्र 2019-2022)

भारत के आधुनिकतम शमशान में होगा शामिल

नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण के साथ सर्वधर्म मोक्षधाम, चांदपोल का कायाकल्प (लोकार्पण 1 मई,2022)

एक और नये स्कूल

mps निर्माण नगर की आधारशिला

13 मई, 2022 प्रातः 9:00 बजे

जयपुर शहर के मध्य बनीपार्क में

7 मंजिला बहुउद्देशीय

शिक्षण संस्थान

का शुभारम्भ

22 मई, 2022 को प्रातः 10.15 बजे

जगतपुरा में प्री-प्राइमरी स्कूल का शुभारम्भ

28 मई, 2022 को प्रातः 8.15 बजे

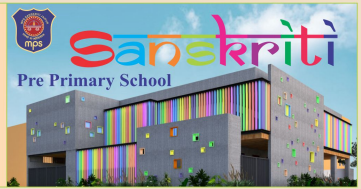

निर्माण नगर में डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर का निर्माण एवं संचालन
लोकार्पण : 7 अगस्त, 2021

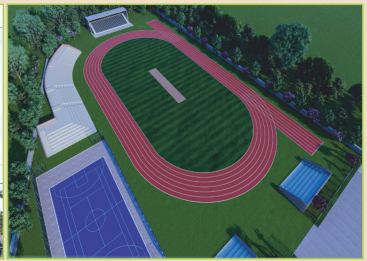

'एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना' एमपीएस, अजमेर रोड़ में स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण
लोकार्पण : 20 मार्च, 2022

समाज बंधुओं हेतु निःशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध

पर्यावरण जागरूकता अभियान के तहत समाज के सभी विद्यालयों में पाँच हजार पौधे लगाये गये।

समाज द्वारा माहेश्वरी बन्धुओं के लिए जोनवार ब्लड कलेक्शन सेंटर का शुभारंभ

समाज बंधुओं हेतु निःशुल्क ई-मित्र की सुविधा उपलब्ध

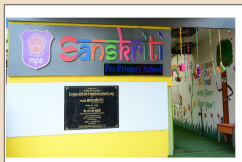

mps संस्कृति तिलक नगर का शुभारम्भ

14 जुलाई, 2021

महेश नवमी पर घोषणाएं

- विधवा बहनों एवं वृद्धजनों हेतु मासिक सहायता में बढ़ोत्तरी।
- जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा, किताबें एवं यूनिफॉर्म।
- कोरोना पीड़ित परिवारों के छात्र-छात्राओं को माहेश्वरी स्कूलों में प्रवेश हेतु प्राथमिकता।

मूंदड़ा, गट्टाणी एवं भदादा दम्पत्ति सम्मानित

उदयपुर। अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब की उदयपुर शाखा द्वारा काव्यांजलि के कॉन्फ्रेंस हॉल में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 3 वरिष्ठ कपल का सम्मान किया गया। माहेश्वरी समाज के गौतम सोमानी ने बताया कि प्रारंभ में जिला शाखा के अध्यक्ष राजेंद्र मूंदड़ा ने संस्था के उद्देश्य कार्यों और गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित समाज के प्रबुद्धजन उदयपुर के जानकीलाल मूंदड़ा, मुरलीधर गट्टानी एवं शंकर लाल भदादा सपत्निक मौजूद थे जिन्हें समाज सेवा के लिये माहेश्वरी समाज रत्न सम्मान एवं अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डेंटल विशेषज्ञ डॉक्टर राजकुमार मंत्री ने भी अपने सुझाव रखे। कार्यक्रम का संचालन पूनम भदादा ने किया। आभार सुनीता राठी ने व्यक्त किया।

राम नाम कार्यशाला का हुआ आयोजन

उज्जैन। राम नाम लिखकर कॉपियाँ भरने वाले भक्त बहुत हैं। कोलकाता की कविता डागा भी ऐसी ही श्रीराम भक्त हैं। फर्क यह है कि उन्होंने श्रीराम के नाम से कॉपियाँ भरने की जगह धार्मिक चित्र बनाने की शुरुआत की। अब वे देशभर में जाकर बच्चों से लेकर वृद्धों तक को यह कला सिखा रही हैं। गत दिनों गोलामंडी स्थित माहेश्वरी भवन में उनकी कार्यशाला आयोजित हुई। समाजसेवी पुष्कर बाहेती के अनुसार माहेश्वरी महिला संगठन व श्री माहेश्वरी टाईम्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में सौ से ज्यादा बच्चे, युवक-युवती, महिला-पुरुष, वृद्ध आदि मौजूद थे। कविता डागा ने सहज तरीके से सभी को श्रीराम लेखन से चित्र बनाना सिखाया। इस मौके पर शांता मंडोवरा, रेखा लड्ढा, हेमलता गांधी, उषा भट्टर, शीतल मुंदड़ा, माधूरी राठी आदि मौजूद थीं।

कविता

क्या है गणगौर?

सुरों का तराना- गणगौर
व्यंजनों का खजाना -गणगौर
सखियों से मिलने का बहाना- गणगौर
नृत्यों का नजराना- गणगौर
परंपराओं का निभाना- गणगौर
सास बहू के प्रेम का पैमाना- गणगौर
गॉसिप का ठिकाना- गणगौर
प्रियतम को रिझाना- गणगौर
अनेकों स्वांग रचाना- गणगौर
संस्कृति को बचाना- गणगौर
पुण्यों को कमाना- गणगौर
धमाल से ना रहे कोई अनजाना- गणगौर
नाते रिश्तेदारों को बुलाना- गणगौर
हर महिला का अपने में रम जाना- गणगौर
महिलाओं का स्वयं के लिए
समय चुराना- गणगौर
हर जगह खुशियों का लहराना- गणगौर।

सुनीता हेड़ा, *जोधपुर*

श्रद्धांजलि

श्रीमती कमलादेवी झंवर

मकराना। समाज की वरिष्ठ श्रीमती कमला देवी झंवर धर्मपत्नी स्व. श्री पुरुषोत्तम झंवर, मकराना का स्वर्गवास गत 24 मार्च को हो गया। आप अपने पीछे कन्हैया लाल, रामगोपाल, मुकेश तथा पुत्री बबीता आदि का पौत्र-पौत्री तथा नाती-नातीन आदि का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती अजोध्यादेवी झंवर

मकराना। समाज की वरिष्ठ श्रीमती अजोध्या देवी धर्मपत्नी स्व. श्री ताराचंद झंवर का गत 31 मार्च को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्री आदि का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती अयोध्यादेवी माहेश्वरी

हरसूद। समाज की वरिष्ठ सदस्या तथा स्व. श्री आर.सी. माहेश्वरी की धर्मपत्नी श्रीमती अयोध्या देवी माहेश्वरी का देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र-पुत्री तथा पौत्र-पौत्री आदि का भरा पूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

मूंदड़ा का किया स्वागत

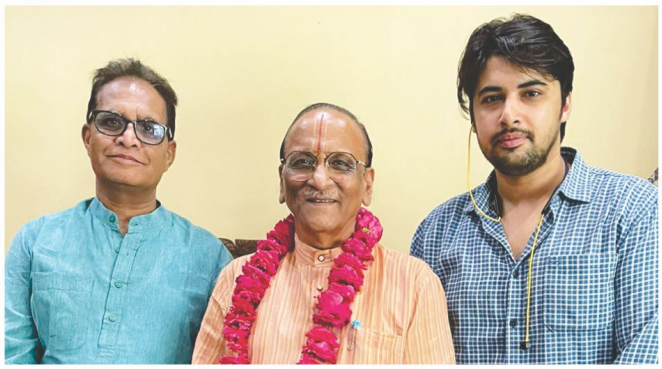

उज्जैन। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति रामगोपाल मूंदड़ा अपनी निजी यात्रा के अंतर्गत श्री माहेश्वरी टाईम्स कार्यालय पधारे। इस अवसर पर सम्पादक पुष्कर बाहेती, ऋषिमुनि पत्र के प्रबंध संपादक मुनि बाहेती सहित श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार द्वारा श्री मूंदड़ा का स्वागत किया गया। श्री मूंदड़ा ने इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा समाज को दी जा रही सेवाओं की प्रशंसा की। इस अवसर पर श्री मूंदड़ा को श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादकीय सलाहकार (मानद) पद से सम्मानित भी किया गया।

बिंगो नाइट कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। राम नवमी के पावन पर्व पर अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा बिंगो नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अद्भुत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें समाज के 500 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। संस्था के प्रमुख कौशल थीरानी ने बताया कि इस प्रसंग पर संस्था के महामंत्री नीरज सोमानी, गुजरात प्रांतीय युवा संगठन अध्यक्ष के पूर्व प्रमुख विकास मुंदड़ा, प्रभारी गोपाल माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

राखी डेफलिम्पिक्स में चयनित

जोधपुर। समाज की प्रतिभा राखी अट्टल पुत्री मुरलीधर अट्टल (माहेश्वरी) का चयन 1 मई से 15 मई तक ब्राजील में होने वाले 24वें समर डेफलिम्पिक्स 2022 खेल में हो गया है। राखी राजस्थान की एकमात्र टेबल टेनिस की पहली खिलाड़ी हैं जो डेफलिम्पिक्स में जा रही हैं। 25 वर्ष की इस बालिका ने जन्म से मूक बधिर होते हुए भी अभी तक अपनी काबिलियत से कई बार सफलता को प्राप्त किया और विभिन्न प्रतियोगिता में पदक हासिल किए।

अस्पताल में दी सेवा

जोधपुर। शहर माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा स्वास्थ्य समरसता समिति के अंतर्गत इंदु देवी हस्तीमल जिला अस्पताल पावटा जोधपुर में जरूरतमंद मरीजों के लिए 20 कंबल एवं 4 बीपी की मशीनें भेंट की गई। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष सुशीला बजाज, रामेश्वरी राठी, शोभा डागा, पुष्पा सोनी, कमला मूंदड़ा, निर्मला लोहिया, सरोज मूंदड़ा सहित मंडल की सभी सदस्याओं का सहयोग रहा।

''आरोग्यम'' का किया आयोजन

नागदा। पहला सुख निरोगी काया की सूक्ति का महत्व प्रतिपादित करते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति के आरोग्यम् - स्वास्थ्य सप्ताह के अभियान में पश्चिम मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत थायरोकेयर की टीम के साथ मिलकर माहेश्वरी महिला मण्डल नागदा ने अध्यक्ष प्रीति मालपानी व सचिव सीमा लड्ढा के नेतृत्व मे शिविर आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ समाज अध्यक्ष रमेश मोहता, जगदीश भुतड़ा, घनश्याम राठी ने किया। इस एक दिवसीय शिविर मे राजा जन्मेजय हॉस्पिटल में 50 लोगों की जाँच की गई। इस शिविर में पूर्व अध्यक्ष उमा डांगरा का विशेष सहयोग रहा। चंद्रिका मोहता, अंजु आगीवाल, सुषमा बिसानी, पायल सर्राफ, चंदा बांगड़, सुनीता राठी, उषा राठी, वंदना मोहता एवं ज्योति मोहता उपस्थित थीं। शिविर की समाप्ति पर चिकित्सक एवं टीम का सम्मान कर हॉस्पिटल संचालक का आभार व्यक्त किया गया।

यदि किसी का स्वभाव अच्छा हो तो उसे और गुण की जरुरत है। यदि आदमी का व्यवहार अच्छा है तो भला उसे किसी शृंगार की क्या आवश्यकता है।

बिड़ला का सूरत भ्रमण

सूरत। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला अपनी व्यक्तिगत यात्रा पर सूरत आये। श्री बिड़ला ने यहाँ वरिष्ठ समाजसेवी व उद्यमी अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति (मध्यांचल) रामगोपाल मूंदड़ा से सौजन्य भेंट की। आप दोनों में समाज को लेकर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर श्री बिड़ला का स्वागत श्री मूंदड़ा तथा जिलाध्यक्ष अविनाश चांडक ने किया।

मैत्री महिला मंडल की आम बैठक संपन्न

सूरत। गत 26 मार्च को श्री जैसल माहेश्वरी मैत्री महिला मंडल की वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। सचिव तरुणा राठी ने मंडल की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। अध्यक्षा मीना बिसानी ने स्वागत भाषण दिया व मंडल के कार्यक्रमों की रूप–रेखा प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष सविता बिसानी ने साल भर हुए कार्यक्रमों के आय–व्यय का ब्यौरा दिया। मीटिंग समापन पश्चात् गणगौर सिंजारा का उत्सव मनाया गया जिसमें लगभग 90 सदस्याओं ने गणगौर के गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी। सुरभि राठी एक विजुअल आर्टिस्ट है व वेस्ट में से बेस्ट हैण्ड मेड पेपर बनाती हैं। उन्हें इस अनुकरणीय कृत्य हेतु मंडल द्वारा सम्मानित किया गया। सहसचिव अनीता राठी ने आभार प्रकट किया।

सिलाई केंद्र को बनाया गृह उद्योग

बनखेड़ी। ग्रामीण माहिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बनखेड़ी की शिखा माहेश्वरी की एक अनोखी पहल उषा सिलाई सेंटर द्वारा महिलाओं को सिलाई कला सिखाई जाती है। इसका प्रशिक्षण पूर्ण होने पर डिप्लोमा भी प्रदान किया जाता है। ऊषा सिलाई सेंटर ने अब लघु उद्योग का रूप भी ले लिया हैं। पहला ऑर्डर 70 पेटीकोट सिलने का मिला है। इस प्रशंसनीय कदम में समाज सेविका मंजू माहेश्वरी ने अपना सहयोग एक सिलाई मशीन दे कर दिया है। महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इस अवसर पर सुचिता माहेश्वरी, संयोजिका ग्रामीण विकास एवम वर्षा माहेश्वरी-सचिव, माहेश्वरी मंडल, बनखेड़ी भी प्रस्तुत थीं।

रक्तदानी मूंदड़ा का सम्मान

भीलवाड़ा। अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत की भीलवाड़ा जिला शाखा के जिला पर्यावरण सचिव रामचंद्र मूंदड़ा ने आयोजित रक्तदान शिविर में 56 वर्ष की उम्र में 61 वीं बार रक्तदान कर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसे लेकर स्वर्गीय श्री रामजस सोडाणी स्मृति संस्थान भीलवाड़ा की मुख्य निदेशिका श्रीमती गीता देवी सोडाणी ने श्री मूंदड़ा को रक्त दान करने पर सम्मानित किया। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब की राष्ट्रीय महासचिव अनिता डॉ. अशोक सोडाणी भी उपस्थित थीं।

सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

इन्दौर। श्री माहेश्वरी मेड़ता थोक का वार्षिक स्नेह सम्मेलन, गणगौर उत्सव एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम रविंद्र राठी एवं भरत सारड़ा के विशेष आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर थोक के वरिष्ठ सदस्य सुशीला जगदीशचन्द माहेश्वरी (मूंदड़ा), मनोहरलाल-मीरा लड्ढा, लक्ष्मीनारायणी-शीला राठी का शाल श्रीफल एवं अभिनन्दन पत्र द्वारा सम्मान किया गया। शैक्षणिक उपलब्धि के लिए श्रेयस काबरा को रजत पदक से और श्रेया काबरा (आई आई टी बाम्बे, मीनल राठी (सी.ए), मिहीका बियानी, सुरेशचंद्र बजाज (योग) को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मीठे बोल बोलिए इनके अल्फाजों में जान होती है इन्हीं से 'आरती' 'अरदास' और 'अजान' होती है ये समुद्र के वो कीमती मोती हैं जिनसे इंसान की पहचान होती है।

श्री अवंतिका पंचांग का हुआ विमोचन

सूक्ष्म दृश्य गणितीय पद्धति से होता है यह पंचांग तैयार

उज्जैन। ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा सूक्ष्म दृश्य गणितीय पद्धति से तैयार चैत्रादि ''श्री अवंतिका पंचांग'' का विमोचन कोरोना काल में रामबाण सिद्ध हुए रेमडिसिविर इंजेक्शन के निर्माता, माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान से सम्मानित, कमला ग्रुप ऑफ कम्पनीज के चेयर पर्सन डॉ. दिगम्बर झंवर एवं उनकी माता श्रीमती राधादेवी झंवर के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर डॉ. झंवर, अक्षर विश्व के सम्पादक सुनील जैन, रेडियो दस्तक के निदेशक संदीप कुलश्रेष्ठ, महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, सचिव कैलाश डागा, नवल किशोर माहेश्वरी, ऋषिमुनि पत्र के प्रबंध सम्पादक मुनि बाहेती, श्री माहेश्वरी टाईम्स निदेशक सरिता बाहेती तथा प्रकाशक पुष्कर बाहेती सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। अतिथि स्वागत प्रकाशक श्री बाहेती ने किया। प्रकाशक श्री बाहेती ने इस अवसर पर पंचांग की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पंचांग सूक्ष्म दृश्यगणितीय पद्धति से अत्यंत सूक्ष्म गणनाओं द्वारा तैयार किया जाता है। इसमें सभी ग्रह स्थितियों आदि की गणना इसी पद्धति से की गई है।

रक्त जाँच शिविर का हुआ आयोजन

हापुड़। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी महिला मंडल हापुड़ द्वारा आरोग्य स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत गत 11 अप्रैल को रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मात्र 700/- रुपये में विभिन्न जांच उपलब्ध कराई गई थी। थायरोकेयर लैब की टीम के सहयोग से 70 लोगों की सफलतापूर्वक जांच की गई। इसका माहेश्वरी समाज व अन्य लोगों ने लाभ उठाया। इस कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य समिति की जिला संयोजिका आशा सोमानी व नगर सचिव अलका खटोड़ के नेतृत्व में कंप्यूटर समिति की संयोजिका श्वेता माहेश्वरी व संगठन की अन्य सदस्याओं की भी सहभागिता रही। कार्यकारिणी सदस्य विनीता महेश द्वारा शिविर के दौरान सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई थी। उक्त जानकारी अध्यक्षा मधु खटोड़ व सचिव अलका खटोड़ ने दी।

इंडिया बुक में सीए उमेश का नाम दर्ज

उदयपुर। इंण्डिया बुक ऑफ रेकार्डस में देश में सबसे कम आयु के सीए के रूप में उमेश झंवर का नाम दर्ज हुआ है। उल्लेखनीय है कि उमेश झँवर आत्मज मुकेश कुमार-गायत्री देवी (उदयपुर-राजस्थान) ने प्रथम प्रयास में 18 वर्ष, 7 माह, 7 दिन की आयु में सीए की परीक्षा गत 13 अगस्त 2019 को उत्तीर्ण की।

बाहेती का किया सम्मान

अहमदाबाद। वस्त्रापुर में आयोजित राजस्थान स्थापना दिवस पर गुजरात राजस्थान मैत्री संघ गुजरात फाउंडेशन द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित कर संस्था के अध्यक्ष नरेंद्रसिंग राजपुरोहित द्वारा मोमेंटो एवं प्रतीक चिन्ह द्वारा एस.एन. बाहेती का सम्मान किया गया। उनका सम्मान मंच संचालन व सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिये किया गया।

देने के लिये दान, लेने के लिये ज्ञान और त्यागने के लिये अभिमान।

महिला संगठन ने आयोजित किया 'पूर्वी संगम'

प्रयागराज। 30 मार्च को संगम तट प्रयागराज में पूर्वी उ. प्र. ने अपने अधिवेशन के साथ रजत वर्ष को धूमधाम से प्रयागराज के स्थानीय संगठन एवं अन्य संगठनों के सहयोग से अध्यक्ष ऊषा झंवर एवं सचिव रंजना मुन्दड़ा के नेतृत्व में मनाया गया। महामंत्री मंजू बांगड़ ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, उत्तरांचल उपाध्यक्ष किरण लड्ढा, उत्तरांचल संयुक्त मंत्री शशी नेवर, दक्षिणांचल सहप्रभारी अनुराधा जाजू, ग्राम विकास समिति की राष्ट्रीय प्रभारी प्रेमा झंवर, व पूर्वी उत्तर प्रदेश सभा के अध्यक्ष श्रीराम चितलांगिया का सान्निध्य प्राप्त हुआ। स्मारिका 'निर्झरी' का विमोचन मंजु बांगड़ एवं शोभा सादानी के कर कमलो से हुआ। सभी अतिथियों ने अपने शुभकामना संदेश दिये। पुष्पा धूत एवं ज्योति चांडक ने मंच संचालन किया। पारिवारिक समरसता व विवाह समिति के अर्न्तगत समाज की अहम समस्या विवाह न करना और माता पिता की

बढ़ती उम्र में अकेलापन पर एक सुन्दर भावपूर्ण लघु नाटिका 'साथ' का मंचन वाराणसी की युवतियों ने किया। दूसरे सत्र में रजत जयन्ती 'पूर्वी संगम' का आयोजन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष ऊषाजी के उद्बोधन से सभा में उपस्थित सभी का स्वागत किया गया। सभी पूर्वाध्यक्षो का स्वागत और सम्मान करते हुये स्मृति चिन्ह प्रत्येक सत्र के अध्यक्ष व मंत्री को प्रदान किये गये। अमृत महोत्सव पर स्वतंत्रता सेनानी श्रद्धेय श्री भगवानदास केला के परिवार का अभिनन्दन शॉल एवं दुपट्टा ओढ़ाकर किया गया।

अमृत महोत्सव पर 75 योजनाओं की शुरुआत

बैंगलुरू। आजादी के 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव के अंतर्गत 75 लोकोपकारी सामाजिक परियोजनाओं का गत 13 मार्च 22 को माहेश्वरी भवन में शुभारम्भ किया गया। समाज की सभी इकाईयों के पदाधिकारियों ने भगवान महेश की पूजा अर्चना की और दीप प्रज्जवलन किया। निर्मला तापड़िया ने सबका स्वागत किया। इसके उपरांत भगवानदास लाहोटी ने मुख्य अतिथि अमरचंद रांदड़ का परिचय दिया। मंचासीन पदाधिकारियों व वरिष्ठ समाज सदस्यों ने उनका पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया। बैंगलुरू मैसूर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष देवकीनंदन डागा ने भी सभा को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में समाज के बच्चों द्वारा देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये गए। कार्यक्रम का संचालन अजय राठी ने किया व ललित मालानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर दीपक साबू ने मानव चैरिटीज एंड स्पेशल स्कूल को उपकरण भेंट किये गये। लक्ष्मीनारायण डागा ने गुरुकुल विद्यापीठ को राशन सामग्री उपलब्ध कराई। चंद्रमोहन सारडा ने पुरोहित परिवार को हॉस्पिटल बेड प्रदान किया। माहेश्वरी सभा मैसूर द्वारा 26 मार्च को मैसूर के तिलक नगर, सैय्यजी राव रोड पर स्थित अंधे बच्चों के सरकारी स्कूल में क्रिकेट खेलने के विशेष बेट, बॉल व अन्य उपकरणों का योगदान दिया। साथ ही वहां निवास करने वाले करीब 100 बच्चों के लिए नाश्ते का प्रायोजन भी किया। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर नाश्ता का आयोजन भी किया गया।

भूतड़ा अध्यक्ष निर्वाचित

अकोला। गत 27 मार्च को अकोला नेत्रदान एवं नेत्रकमलांजली की वार्षिक सभा संस्थापक अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत पनपालिया के अध्यक्षता में संपन्न हुई। इसमें वर्धा निवासी प्रकाश लीलाधर भूतड़ा सर्वसम्मति से अध्यक्ष, सचिव श्याम पनपालिया व कोषाध्यक्ष डॉ. आशीष पनपालिया सर्वसम्मति चुने गये।

डॉ. पनपालिया बने कोषाध्यक्ष

अकोला। हाल ही में अकोला माहेश्वरी समाज के चुनाव संपन्न हुए। इसमें पनपालिया पैनल के सभी सदस्य भारी मतों से विजयी हुए। इनमें अकोला के डॉ. आशीष डॉ. चंद्रकांत पनपालिया कोषाध्यक्ष पद के लिए भारी मतों से विजयी घोषित हुए। उल्लेखनीय है कि डॉ. आशीष कमलांजली नेत्र संस्था के चुनाव में भी कोषाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चुने गये।

सुंदर कांड पाठ का किया आयोजन

मेरठ। माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद ने गत 16 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव पर प्रमोद केला के प्रतिष्ठान पर सुबह 9 बजे से सुंदरकांड का पाठ तथा तत्पश्चात भंडारे का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में आनंद दक, योगेश दक, गिरिराज किशोर मूना, भीकमचंद्र चांडक नरेंद्र राठी, अनिल राठी, आदि कई गणमान्य समाजजन उपस्थित थे। उक्त जानकारी माहेश्वरी सभा मंत्री अनिल कुमार राठी ने दी।

जीवन का सच्चा साथी हमारी शरीर और आत्मा है, अगर यह साथ नहीं तो कोई पास नहीं।

निःशुल्क वैद्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

वरंगल। स्थानीय माहेश्वरी समाज के तत्वावधान में निःशुल्क वैद्यकीय परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। तत्पश्चात डॉ. रामचंदर दरक, डॉ. जितेंदर कुमार काला, डॉ. कोमल बोहरा, डॉ. गिरीश लाया एवं डॉ. अरुण राठी का तुलसी का गमला, शाल व मोमेंटों देकर सम्मान किया गया। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रमेशचंद बंग ने भी सभी डॉक्टर्स एवं समाज के सदस्यों का स्वागत किया।

महेश धाम में योगदान

उज्जैन। महेश धाम के ट्रस्टी अमरावती निवासी नंदकिशोर सुधा का परिवार सहित महेश धाम प्रांगण पर आगमन हुआ। उनके साथ सुषमा सांवल चेन्नई भी उपस्थित थीं। सभी आगंतुकों का महेश धाम परिवार ने स्वागत किया। उन्होने निर्माण कार्य का अवलोकन करने के पश्चात निर्माण में अपनी सहभागिता की इच्छा व्यक्त की एवं भवन के शीघ्र पूर्ण होने की भावना व्यक्त की। श्रीमती सुषमा सावल ने भी भवन निर्माण में अपना सहयोग देने का भाव व्यक्त किया।

प्रिंस ने की मोदी से भेंट

कोलकाता। गांधीनगर में हुई ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट 2022 में समाजसेवी घनश्याम करनानी के सुपुत्र प्रिंस करनानी को मैरिको लिमिटेड को रिप्रेजेंट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य मिला। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ डब्ल्यूसओ के डायरेक्टर-डॉक्टर टेड्रोस अधानोम, गुजरात के चीफ़ मिनिस्टर भूपेंद्र भाई पटेल एवं आयुष के यूनियन मिनिस्टर भी शामिल थे।

आर्किटेक्स प्रसन्ना का हुआ सम्मान

नईदिल्ली। लातूर महाराष्ट्र निवासी अरूण व कल्पना भांगड़िया के सुपुत्र प्रसन्ना आर्किटेक्ट व अर्बन प्लानर हैं। प्रसन्ना इसके साथ ही मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एण्ड अर्बन अफेयर्स के अंतर्गत स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा फेलोशिप कर रहे हैं। इस दौरान वे श्री जयचंद करवा माहेश्वरी होस्टल में निवास कर रहे हैं। श्री प्रसन्ना को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अंतर्गत उल्लेखनीय कार्य के लिये भारत सरकार द्वारा अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

हेड़ा बनी मारवाड़ी महिला सम्मेलन अध्यक्षा

अजमेर। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन अजमेर शाखा की नवीन कार्यकारिणी सत्र 2022-2024 का गठन किया गया। इसमें अम्बिका हेड़ा अजमेर को अध्यक्षा चुना गया। इसके साथ अम्बिका को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन का राजस्थान काव्यांजली प्रमुख, प्रादेशिक संपादिका राजस्थान, प्रादेशिक साहित्य विस्तार मंत्री भी नियुक्त किया जा चुका है।

उपलब्धि

यू.के. से किया एमबीए

मालेगांव। नाशिक निवासी क्षितिज हेडा ने कार्डिफ यूनिवर्सिटी यू.के. से मास्टर ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट (MBA) की शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण की। क्षितिज श्री माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष कल्पेश हेडा के सुपुत्र हैं।

महिमा बनीं एयरहोस्टेस

पटना। माहेश्वरी सभा सदस्य गगन राठी एवं अनु राठी की सुपुत्री महिमा इंडिगो एयरलाइन्स में एयरहोस्टेस के पद पर नियुक्त हुई हैं। प्रारम्भ से ही पढ़ाई में अव्वल रही महिमा पूर्वांचल अधिवेशन के दौरान आयोजित नृत्य प्रतियोगिता में भी तृतीय श्रेणी से पुरस्कृत हुई थीं।

रक्तदान से दी श्रद्धांजलि

रतलाम। रक्तदाताओं में दिलीप भंसाली का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। इनके द्वारा 98 बार रक्तदान कर जरुरतमंद मरीजों की जान बचाने के लिए प्रयास किए गये। बड़ी विडम्बना रही कि रक्तमित्र दिलीप भंसाली के एकमात्र सुपुत्र रवि भंसाली का सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया। उनकी स्मृति में जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तमित्र राजेश पुरोहित ने बताया कि इस शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। जो 10-12 नेगेटिव ग्रुप के साथी रक्तदान करने आए थे उन्हें जरूरत के समय रक्तदान करने का बोल कर उनसे रक्तदान नही करवाया गया। साथ ही सिविल हॉस्पिटल में अभी पूरा स्टॉक होने से वहां की स्थिति को देखते हुए ज्यादा रक्त संग्रह भी नही करवाया और रक्तदूतों को मना किया गया। रवि की स्मृति में रक्तदूतों ने रक्ताहुति प्रदान कर श्रद्धांजलि अर्पित की। रवि के बड़े भाई अभिषेक महेश भंसाली (बिट्टू) व छोटी बहन सुरभि मयंक भूतड़ा ने भी रक्तदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं फाग धमाल

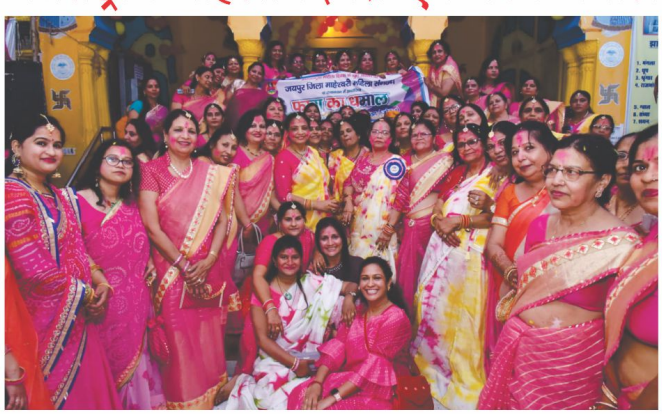

जयपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-1 द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं फाग धमाल कार्यक्रम 8 मार्च को आयोजित किया गया। इसमें जयपुर जिले के करीब 150 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संतोष लड्ढा एवं विशिष्ट अतिथि प्रिया तेला थी। जयपुर शहर से बाहर ग्रामीण क्षेत्र से भी काफी महिलाएँ उपस्थित हुई। जोन अध्यक्ष उर्मिला लोहिया व मंत्री सरोज परवाल ने बताया कि जिला संगठन की अध्यक्ष उमा सोमानी एवं संरक्षक उमा परवाल के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम हेतु पूनम करवा, माया जाखोटिया, सुलभा सारडा, रेखा धूत (श्याम नगर), सुनिता सोमानी, इंदु पंसारी, रेखा धूत (बनीपार्क) एवं ज्ञान लाहोटी ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक प्रसादी का भी आयोजन रखा गया।

दो दिवसीय रंगपंचमी उत्सव संपन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज द्वारा कोरोना काल के दो वर्ष पश्चात दो दिवसीय ''रंगपंचमी उत्सव 2022'' का फाग उत्सव के साथ आयोजन हुआ। फाग उत्सव के मुख्य आकर्षण राधा कृष्ण थे जिनके साथ समाजजनों ने पांच क्विंटल सुगंधित पुष्पों की होली खेली। कार्यक्रम संयोजक दिनेश मण्डोवरा एवं गगन झंवर ने बताया कि प्रसिद्ध भजन गायक द्वारका मंत्री के फाग गीतों के साथ हर्षोउल्लास व उत्साह के साथ बड़ी संख्या में उपस्थित हुए संमाजजनों ने कार्यक्रम का आगाज किया। संयोजकद्वय दीपक माहेश्वरी व अंकित बल्दवा ने बताया कि फाग उत्सव के मुख्य अतिथि प्रसिध्द जनरल सर्जन डॉ. सुरेश राठी व समाजसेवी एवं भोपाल माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेश मूंदड़ा थे। रंगपंचमी उत्सव के अंतर्गत संगीत निशा म्यूजिकल अंताक्षरी प्रतियोगिता ''होली के रंग गीतों के संग'' का आयोजन रखा गया है। अंताक्षरी के साथ ही लगभग 2000 समाजजनो का सहभोज भी रखा गया है।

सदस्यता शुल्क वृद्धि की सूचना

वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रही महंगाई के फलस्वरूप **''श्री माहेश्वरी टाईम्स''** का प्रकाशन खर्च भी अत्यंत अधिक हो गया है। इनमें कागज, प्रिटिंग एवं अन्य आदि समस्त खर्च में बेहताशा वृद्धि हुई है। अतः ऐसे दौर में **श्री माहेश्वरी टाईम्स** को आप तक सतत पहुँचाने के लिये इसके सदस्यता शुल्क में वृद्धि करना विवशता हो गई है। आशा ही नहीं विश्वास है कि समस्त सम्मानीय पाठकगण हमारी इस विवशता को स्वीकार करते हुए अपना यथोचित सहयोग जारी रखेंगे। सदस्यता शुल्क का नया टैरिफ दिनांक 01 मई 2022 से प्रभावी रहेगा। नवीन सदस्यता शुल्क इस प्रकार हैः

- **3 वर्ष की सदस्यता रू. 900/-**
- **आजीवन सदस्यता रू. 3500/-**

संपादक

अपने उत्कृष्ट उत्पादों व से विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले काबरा परिवार के उद्योग समूह आर.आर. ग्लोबल के नये कॉर्पोरेट ऑफिस का शुभारम्भ बड़ोदरा में पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ स्वामी श्री गोविंद गिरीजी महाराज के कर कमलों से हुआ। इसके साथ ही स्वामी श्री गोविंदगिरी महाराज के सान्निध्य में सत्संग व संत समागम का आयोजन भी हुआ।

आर.आर. ग्लोबल के नये कार्पोरेट ऑफिस का भव्य शुभारम्भ

वड़ोदरा निवासी त्रिभुवन काबरा (भाईजी) एवं समस्त काबरा परिवार के आग्रह पर परम श्रद्धेय स्वामी श्री गोविन्ददेव गिरी जी महाराज (कोषाध्यक्ष श्री राम मंदिर ट्रस्ट अयोध्या) वड़ोदरा पधारे। स्वामी जी के पदार्पण से काबरा परिवार, राम रत्ना समूह व काबरा परिवार द्वारा संचालित वेद संस्कृत महाविद्यालय के वैदिक छात्रों एवं आचार्यो में मानो नव ऊर्जा समा गई। चैत्र शुक्ल त्रयोदशी 14 अप्रैल को सुबह आर.आर. ग्लोबल के नए कॉर्पोरेट ऑफिस का शुभारम्भ स्वामी जी की पावन निश्रा में अभिजित मुहूर्त में वैदिक पूजा पद्धति से महेश काबरा एवं विधि काबरा के हाथों से पूजा के साथ हुआ। स्वामी जी ने द्वार स्थित गणपतिजीका आवाहन, स्वस्ति मंगलाचरण कर पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा (बापूजी), श्रीमती रत्नीदेवी काबरा (माँजी), समस्त काबरा परिवार और रामरत्ना समूह के सदस्यों के साथ मंत्रोच्चार पूर्वक प्रवेश किया। शुभ मुहूर्त में स्वामी जी ने महेश काबरा एवं विधि काबरा का उनके कक्ष (ऑफिस केबिन) में वेद मंत्रो द्वारा पुण्यावाचन कलश के जल से अभिषेक किया और कीर्ति, लक्ष्मी, आयुष्य के आशीर्वचन प्रदान किए। स्वामी जी ने प्रेस वार्ता के माध्यम से समाजजनो को सम्बोधित किया और राम रत्ना समूह की प्रगति, धर्म और अर्थ के कार्यो की सराहना की। इसी दिन शाम को काबरा परिवार के निवास पर सत्संग का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्वामी जी ने गाय से मिलने वाले अकल्पनीय लाभों से सभी को परिचित करवाया। साथ ही अपने स्वयं के अनुभवों की स्मृति को सहज भाव से प्रस्तुत किया कि किस तरह गाय के घी से उनकी आँखें ठीक हुई थी।

गौ विषयक संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अगले दिन 15 अप्रैल चैत्र शुक्ल चतुर्दशी को पूज्य स्वामी जी की पावन निश्रा में प्रातः कालीन सत्र के माध्यम से गौ विषयक संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इसमे मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संतोष सहाने (पुणे-महाराष्ट्र), भीमराज शर्मा (जयपुर-राजस्थान) तथा राजु भाई आपटे (मुंबई-महाराष्ट्र) उपस्थित थे। श्री काबरा ने स्वामीजी से विनम्र आग्रह किया कि वे ''उमा गौ विज्ञान अनुसंधान संस्थान'' के संरक्षक के रूप में सदैव अपना मार्गदर्शन प्रदान करते रहें। स्वर्गीय उमाजी की गायो के प्रति सेवा के इस सेवारथ को आगे बढ़ाते हुए स्वयं भाईजी ने अपना शेष जीवन गौमाता की सेवा में लगाने का शुभ संकल्प लिया। भाईजी ने इस अवसर पर स्वर्गीय उमाजी की शेष स्मृतियों को याद किया। उन्होंने संकल्प किया कि विजिबल मीडिया के माध्यम से समाज के अधिकतम जनमानस तक इस विषय को पहुचाएंगे। इस हेतु से उन्होंने उमा गौ विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अंतर्गत एक कमेटी का गठन किया। इसमें त्रिभुवनप्रसाद काबरा-अध्यक्ष,वीरेंद्र पांचाल- कार्याध्यक्ष तथा दुष्यंत भाई पटेल–महामंत्री के रूप में शामिल हैं।

सायंकाल भोजन के साथ फिर सत्संग

सायंकाल में दुष्यंत भाई पटेल के निवास स्थल पर उनके परिवारजन व गुजराती समाज के वरिष्ठ लोगों के साथ-साथ कई और महानुभाव उपस्थित हुए। उन सभी को भोजन प्रसादी के पश्चात पूज्य स्वामीजी ने पारिवारिक विषय पर अपने अमृततुल्य आशीर्वचन प्रदान किये। आपने कहा कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' हमारे सनातन धर्म का मूल संस्कार एवं विचारधारा रही है। गृहस्थाश्रम श्रेष्ठ है। हमारे धर्म शास्त्रों में भी कहा गया है 'धन्यो गृहस्थाश्रमः'। इस विषय को आपने बड़े सहज और सरल शब्दों में बताया कि बच्चों और बड़ों का परिवार में क्या दायित्व होता है? उसे कैसे निभाना चाहिए? स्वामीजी के अमृत वचनों से लाभान्वित होने के लिए सभी पाठशालाओ के गुरुजन सम्मलेन के द्वितीय सत्र में भी एकत्रित हुए। गुजरात राज्य संस्कृत पाठशाला मंडल की ओर से स्वामीजी को संस्कृत मंगलाष्टक प्रदान किया गया।

उमा गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र का भूमिपूजन

स्वामी जी के कर कमलो द्वारा काबरा परिवार और राम रत्ना समूह के महानुभावों की उपस्थिति में प्रातः उमा गौ विज्ञान अनुसंधान संस्थान का भूमिपूजन हुआ। इस वैदिक पूजन का लाभ समूह के कर्मठ कर्मचारी सदाशिव पाटिल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ प्राप्त किया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा पूज्य स्वामी जी ने प्रारंभ में श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया और तत्पश्चात भूमि के देवो को वंदन कर उमा गौ विज्ञान अनुसंधान संस्थान के निर्माण कार्य का मंगल शुभारम्भ किया। विजय श्री हनुमान संस्कार केंद्र में बिराजमान विजयश्री हनुमान जी महाराज के साथ पंचायतन देवों के दर्शन कर पूजा विधि की। केंद्र परिसर में आयोजित वैदिक सम्मेलन में समस्त गुजरात की संस्कृत और वेद पाठशाला के आचार्य एवं अध्यापको के साथ पूज्य स्वामी जी ने वेदों के संवर्धन हेतु एक आदर्श महाविद्यालय के निर्माण हेतु सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया। इस वैदिक सम्मेलन में कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रूपकिशोर शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य गुजरात की कई संस्कृत एवं वेद संस्थाओ से भी विद्वानों की उपस्थिति रही।

स्विच फैक्ट्री का शुभारम्भ

स्वामीजी के करकमलों से आर.आर. कॉबेल की एक नई इकाई स्विच फैक्ट्री का प्रारंभ भी हुआ। इस फैक्ट्री को शुरू करने में भाईजी, महेश काबरा और आशीष लोया का योगदान रहा। GIDC से आये अनेक कार्यक्षेत्र के गणमान्य बंधुओ को आपने अपने मंगल वचनों से कृतार्थ किया। गौमाता की सेवा में सदैव तत्पर रहने का संकल्प करने वाले श्री भाईजी का स्वामीजी ने माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर एवं प्रसाद देकर सत्कार किया। भाईजी ने इस अवसर पर पधारे सभी सन्मानितजनों और महानुभाओं का आभार व्यक्त किया।

वर्तमान में प्रशासनिक सेवा की शिक्षा स्थली के रूप में प्रसिद्ध हो रही देश की राजधानी नई दिल्ली में रहकर अब माहेश्वरी बालिकाओं के लिये अध्ययन करना आसान हो गया है। ए.बी. माहेश्वरी एज्युकेशनल ट्रस्ट नईदिल्ली ने सफलतापूर्वक बायज होस्टल के संचालन के बाद अब गर्ल्स होस्टल के लिये भी तैयारी पूर्ण कर ली है।

अब सेवा को तैयार
करवा गर्ल्स होस्टल

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की प्रेरणा से नई दिल्ली माहेश्वरी विद्यार्थियों के रहने व उनकी शिक्षा के लिये गठित संस्था ए.बी. माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट नईदिल्ली अपने इस उद्देश्य में पूर्णतः खरी उतर रही है। जयचंदलाल करवा माहेश्वरी होस्टल (JCKM) के छात्रों के लिये संचालन के बाद अब इससे मात्र 2 मिनिट की पैदल दूरी पर ही बालिका छात्रावास की भी शुरूआत ट्रस्ट ने कर दी है। इसके लिये ट्रस्ट द्वारा इस नवीन गर्ल्स होस्टल की प्रॉपर्टी की खरीदी कर रजिस्ट्री करवा कर कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। 80 से अधिक ट्रस्टियों के सहयोग से संचालित होने वाले इस गर्ल्स होस्टल का नाम ''अयोध्या बाई जयचंदलाल करवा माहेश्वरी (AJKM) होस्टल'' रहेगा। इस होस्टल की प्रॉपर्टी हस्तांतरण में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति तथा संस्था संरक्षक श्री रामपाल सोनी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

छात्राओं के लिये सर्वसुविधायुक्त

बलराज खन्ना मार्ग, वेस्ट पटेलनगर स्थित श्रीमती अयोध्याबाई जयचंदलाल करवा माहेश्वरी होस्टल को छात्राओं की सुविधा के अनुरूप तैयार किया है। यह शहर के हृदय स्थल में स्थित होने से मेट्रो स्टेशन से मात्र 5 मिनिट तथा बॉयज होस्टल से मात्र 2 मिनिट की पैदल दूरी पर स्थित है। यहां 17 छात्राओं के ठहरने के लिये 6 फर्नीचराइज्ड एसी कमरों की व्यवस्था है। इन कमरों में अटैच्ड लेटबाथरूम, बेड, केबिनेट व स्टडी टेबल उपलब्ध रहेंगी। घर जैसा विशुद्ध शाकाहारी भोजन होस्टल में उपलब्ध रहेगा। आधुनिकतम सुविधाऐं वाईफाई, लायब्रेरी, लिफ्ट तथा पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध है। सुरक्षित व आरामदायक निवास के लिये सीसीटीवी, बॉयोमेट्रिक एक्सेस, वॉशिंग मशीन, लॉंड्री, टिफिन पैक आदि व्यवस्थाऐं भी रहेंगी।

होस्टल में कैरियर मार्गदर्शन की श्रेष्ठ व्यवस्था

कई विशेषज्ञों से सेमीनार के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करवाया जाता है। यह सुविधा इस गर्ल्स होस्टल में भी प्राप्त होगी। छात्रों के लिये संचालित श्री जयचंदलाल करवा माहेश्वरी (JCKM) होस्टल में प्रशासनिक सेवाओं में साक्षात्कार के लिये चयनित विद्यार्थियों हेतु अभी तक कई प्रशासनिक अधिकारी मार्गदर्शन प्रदान कर चुके हैं। गत 3 अप्रैल को आईएएस डॉ. श्रीकांत बाल्दी, आईपीएस हरिओम गांधी, आईपीएस रोहित मालपानी, आईआरएएस अंकित सोमाानी, आईआरएस चंदन पुंगलिया, आईएएस राधिका गुप्ता आदि ने मेंटरिंग सेमिनार के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान किया। सेमिनार की शुरूआत ट्रस्ट सचिव राजीव मरदा ने मार्गदर्शकों का स्वागत करके की। तत्पश्चात ट्रस्ट के अध्यक्ष नंदकिशोर करवा ने मार्गदर्शकों का स्वागत कर छात्रों के मार्गदर्शन के लिये अपना बहुमूल्य समय देने के लिये धन्यवाद दिया। श्री बाल्दी ने साक्षात्कार के लिये चुने छात्रों को बधाई दी व साक्षात्कार के विषय में अपने अनुभव के बारे में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। अन्य सभी अधिकारियों ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया व अपना अनुभव बताये। 30 मिनट तक सभी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया व उनके साथ एक प्रश्नोत्तर सेशन किया। कुल 9 छात्र साक्षात्कार के लिए चुने गये हैं जिसमें से 4 होस्टल से हैं व अन्य 5 साक्षात्कार की तैयार के लिये होस्टल आये हैं। इनमें 2 माहेश्वरी छात्र हैं। श्री बाल्दी ने 2-2 अधिकारियों का मार्गदर्शन ग्रुप बनाया जो एक छात्र का मार्गदर्शन करेंगे।

सेमीनार लेते हुऐ डॉ. श्रीकांत बाल्दी

बांगड़ ने भी व्यवस्थाओं को सराहा

गत 27 मार्च को श्री सीमेंट लि. के चेयरमेन श्री बेनुगोपाल बांगड़ ने भी श्री जयचंदलाल करवा माहेश्वरी होस्टल का भ्रमण कर उसकी सेवाओं की सराहना की। श्री बांगड़ ने करीब 45 मिनट का समय होस्टल में व्यतीत किया व प्रशासनिक सेवाओं के उम्मीदवार छात्रों से विचार विमर्श किया। श्री बांगड़ ने इस बात पर जोर दिया कि अगर मारवाड़ी समाज के उद्यमी व प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का सहयोग व सहभागिता भारत को मिले तो यह नये शिखर पर ले जाने में बहुत उपयोगी होगा। भावी प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की इस प्रकार की दूरदृष्टिता देश को विश्व में नये आयाम प्राप्त करने में बहुत मददगार साबित होगी। श्री बांगड़ दिल्ली में संत परमानंद अस्पताल की नयी बिल्डिंग के उद्घाटन के लिये आये थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष नंदकिशोर करवा के आग्रह पर होस्टल आने के लिए उन्होंने तुरंत अपनी स्वीकृति दी थी। श्री बांगड़ के साथ गौरव जैन, रमेश बांगड़ व भारत भूषण भी इस भ्रमण में उपस्थित थे।

राह जिंदगी की...

प्रो. कल्पना गगडानी, मुंबई

छुट्टियों की भी करें 'प्लानिंग'

मई का महीना आ गया। पढ़ने वाले बच्चों को इस महीने का बड़ा इंतजार रहता है और आने की खुशी भी बहुत होती है। स्कूल की छुट्टियां जो होती हैं। निश्चित यह आनंद का समय है पर साथ ही ये कुछ बनने और कुछ कर गुजरने के दिन भी होते हैं।

छुट्टियों का इंतजार कितना भी रहे पर चार छह दिन बाद गाना शुरू हो जाता है कि हम बोर हो गये। निश्चित दिनचर्या के अभाव में ये बड़ा स्वाभाविक भी है, इसलिये घर के बड़ों को चाहिये कि छुट्टियां लगने से पूर्व ही छुट्टियों के समय का सुंदर प्रबंधन करें।

पहले छुट्टियों के नियोजन हेतु विशेष परिश्रम की आवश्यकता नहीं होती थी क्योंकि छुट्टियां लगते ही बच्चे नाना-दादा के घर चले जाते थे और फिर हम उम्र चचेरे ममेरे भाइयों के साथ खाते-खेलते, लड़ते-झगड़ते, सामाजिक सद्भाव के बीच लड़ियाते हुए महीना कहां गुजर जाता पता ही नहीं चलता, परंतु अब पारिवारिक सामाजिक ढांचा रफ्तार से बदलता जा रहा है। अतः परिश्रम पूर्वक नियोजन आवश्यक है।

वर्ष भर से बच्चो की रूचियों पर ध्यान रखते रहिये और उनकी क्षमता के अनुरूप रूचियां लगाते रहिये। आजकल छुट्टियों में बहुत सी हॉबी क्लासेस चलती हैं। उनके बारे में छुट्टियाँ शुरू होने से पहले ही पता लगाते रहिये। बच्चों को इनमें अवश्य भेजिये। अभी बच्चों के पास बहुत समय होता है इसलिये कई क्लासों में भेजिये बाद में जिसमें बच्चे की अधिक रूचि एवं दक्षता नजर आये उसमें फिर पूरे साल भेजते रहें।

पढ़े बिना व्यक्तित्व का विकास कभी संभव नहीं होता। साल भर बच्चे जो पढ़ते हैं वह उनके विशिष्ट विषयों का अध्ययन होता है और मात्र परीक्षा केंद्रित होता है। छुट्टियों में बच्चों को अच्छी स्टोरी, बुक्स, ज्ञानप्रद प्रेरणादायक किताबें और जीवनियाँ नियमित रूप से पढ़ायें। इससे उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास होगा। सामाजिक संस्थाओं को इस तरह की ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं भी आयोजित करनी चाहिये। आप भी अपने गली, मोहल्ले, कालोनी, वृहद परिवार, सोसायटी में ऐसी प्रतियोगिता करवाते रहें।

महिलायें भी साल भर रूटिन स्कूल और बच्चों की पढ़ाई में व्यस्त रहती हैं। एकरस जीवन थोड़ा ऊबाऊ भी लगने लगता है, जीवन में कुछ हट कर करने और पुनः तरोताजा होने के लिये उन्हें भी इन छुट्टियों में शोकिया तौर पर कुछ नया सीखना चाहिये या पुरानी कलाओं को फिर से शुरु करना चाहिये।

बाद में परेशान होकर ये शिकायत न करना पड़े कि दिन रात बच्चे बस टीवी, मोबाईल पर लगे रहते हैं इसलिये पहले ही छुट्टियों की परफेक्ट प्लानिंग करने में लग जाइये।

योग-मुद्रा

चमत्कारिक लाभ देने वाली

मृत संजीवनी मुद्रा

शिवनारायण मूंधड़ा
'वास्तु मित्र'
94252-02721

इस अंक में हम एक ऐसी मुद्रा की बात कर रहे हैं, जो हृदय आघात से बचाती है।यह अत्यन्त लाभकारी होने कारण इसे मृत संजीवनी मुद्रा कहा गया है। इसे अपान वायु मुद्रा भी कहते है।

कैसे करें : तर्जनी उंगुली को मोड़कर अगूंठे की गद्दी में लगाएं (वायु मुद्रा) और मध्यमा और अनामिका के अग्रभाग को अंगूठे के अग्रभाग से मिलाएं (अपान मुद्रा)। सबसे छोटी अंगुली सीधी रखें।

लाभ

1. इस मुद्रा का हृदय पर विशेष प्रभाव पड़ता है। हृदयाघात (HEART ATTACK) रोकने में एवं हृदयाघात हो जाने पर भी यह मुद्रा तत्काल लाभ पहुंचाती है। यह मुद्रा SORBITATE की गोली का कार्य करती है।
2. हृदय के रोग दूर होते हैं।
3. उच्च रक्तचाप और निम्न रक्तचाप दोनों ही में लाभदायक है।
4. घबराहट, बेचैनी व स्नायु तन्त्र के सभी रोगों में लाभकारी।
5. फेफड़ों को स्वस्थ बनाती है- अस्थमा में लाभकारी है।
6. पेट की वायु, गैस, पेट दर्द, गुदा रोग, एसिडिटी, गैस से हृदय की जलन सभी ठीक होते हैं।
7. सिर दर्द, आधे सिर का दर्द (MIGRAINE), में इस मुद्रा का चमत्कारी लाभ होता है। अनिद्रा अथवा अधिक परिश्रम से होने वाले रोग भी ठीक होते हैं।
8. आंखों का अकारण झपकना भी रुकता है।
9. यह रक्तसंचार प्रणाली व पाचन प्रणाली सभी को ठीक करती है।
10. शरीर एवं मन के सभी नकारात्मक दबाव दूर करती है।
11. भोजन करते समय यदि भोजन का कोई कण सांस को नली में चला जाता है तो सांस उखड़ने लगती है। ऐसी आपात स्थिति में यह मुद्रा अत्यंत कारगर है। ऐसा अनुभव है।

अनाथाश्रम और वृद्धाश्रम का अस्तित्व हमारे लिए बेहद शर्मनाक है। फिर भी दिनोंदिन इनकी संख्या में वृद्धि हो रही है। हम चाहकर भी इनको बंद करने का कोई उपाय नहीं ढूंढ पाए हैं। हमारे संस्कारों में चूक का परिणाम वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम के रुप में हमारे समक्ष है। दोनों प्रकार के आश्रमों के अस्तित्व को स्वीकार करना हमारी विवशता है। पर एक सोच चल रही है कि अगर दोनों का एकाकार कर दिया जाए तो इसका परिणाम निश्चय ही बहुत सुंदर होगा। एक ही छत के नीचे वृद्ध और बच्चे दोनों एक-दूसरे का सहारा बनेंगे। बच्चों को अच्छी परवरिश और वृद्धों को उनका बचपन मिल जाएगा। बुजुर्गों के अनुभव का उपयोग भावी भविष्य के निर्माण में होगा। ऐसे में इस गम्भीर विषय पर चिंतन अनिवार्य हो गया है कि वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम को एक करने के लिए आवश्यक कदम उठाना उचित है अथवा अनुचित? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम एक छत के नीचे होना उचित अथवा अनुचित?

बचपन और पचपन का समागम हितकारी

वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम का एकाकार होना बचपन और पचपन दोनों के लिए हितकारी साबित होगा। अनाथ बच्चों की बुजुर्गों की छत्रछाया में परवरिश होगी। बच्चों और बुजुर्गों दोनों को ही एक पारिवारिक माहौल प्राप्त होगा। बच्चों की उम्र का पहला पड़ाव और बुजुर्गों की उम्र का अंतिम पड़ाव हँसते-खेलते व्यतीत होगा। बच्चों का समुचित सांस्कारिक और मानसिक विकास होगा। बुजुर्गों के निःस्वार्थ पालन-पोषण करने से उनमें भी परोपकार और मानवता की भावना विकसित होगी। बुजुर्गों के जीवनभर का अनुभव और ज्ञान कभी भी अनाथ कदमों को गलत मार्ग पर नहीं ले जायेगा। इतना ही नहीं अनाथ होकर भी वो बच्चे अपने भाग्य और नियति पर निर्भर नहीं रहकर आत्मनिर्भर बन जाऐंगे। बुजुर्गों को भी वृद्धाश्रम दुखदायी नहीं लगेगा, उन्हें जीवनयापन करने का मकसद मिल जाएगा। निसंतान बुजुर्ग भी संतान का सुख भोग पाएंगे और अनाथ बच्चों को माता-पिता का प्यार मिलेगा। हम वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम की बढ़ती संख्या पर रोक लगाने में असमर्थ हैं पर दोनों को एक छत के नीचे लाकर अनाथ बच्चों के जीवन में प्रगति और बुजुर्गों के जीवन की ढ़लती शाम में एक नया सवेरा जरूर ला सकते हैं। साथ ही इससे समाज-बंधुओं की कुछ बड़ी चिंताओं का निवारण भी होगा कि अनाथ बच्चों का भविष्य सुरक्षित और वृद्धाश्रम के बुजुर्गों का जीवन सुखद हो गया है।

❐ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव, नाशिक

परिवार सा माहौल होगा

आधुनिक परिवेश में अनेक कारणों के चलते अनाथालयों में बच्चों की संख्या बढ़ रही है। वहीं बड़े बुजुर्ग वृध्दाश्रमों में आश्रय पा रहे हैं। परिवार में प्रतिपल अवहेलना का शिकार हो उपेक्षित, कुंठा भरा जीवन जी रहे वरिष्ठ समुदाय को बच्चों का सानिध्य मिल जाए तो उन्हें कुछ हद तक परिवार द्वारा मिले कटु अनुभवों को भूलने में सहायता प्राप्त होगी। इससे निश्चित उनका मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बालमन जिज्ञासु होता है, उनके मन में अनेक सवाल उत्पन्न होते हैं। बच्चे अपने साथ रहने वालों को पूरे समय व्यस्त रखते है जिसके चलते तनाव से राहत मिलती है। बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में पल रहे बच्चों को जीवनावश्यक नैतिक मूल्यों का ज्ञान भी मिल जायेगा और ममत्व के अभाव का जो गहरा घाव वह सहते है उसमें बुजुर्गों का प्रेम मरहम का काम करेगा। बचपन में सही-गलत का निर्णय स्वयं कर पाना मुश्किल होता है, बहुत से बच्चों को आगे सुधार गृह में रखने की नौबत आती है। ऐसी विकट परिस्थितियों से बचाव हेतु भी बड़े बुजुर्गो का साथ हितकर होगा। उनका अनुभव कच्ची उम्र के बच्चों को सही राह दिखायेगा। अनाथालयों और वृध्दाश्रमों का एक छत में होना हर दृष्टि से हितकर है। इसमें लिंग भेद के अनुसार विभाजन भी कर सकते है, जिससे लैंगिक शोषण जैसी समस्या का भय भी नहीं रहेगा।

❐ **राजश्री राठी,** अकोला

हर प्रकार से यह उचित

अनाथ आश्रम और वृद्ध आश्रम दोनों ही जगह का हम विरोध करते हैं। किंतु, घोर कलयुग के प्रभाव और नास्तिकता को हम चाह कर भी नहीं हटा पा रहे हैं। आज इतनी नकारात्मकता बढ़ती जा रही है कि इंसान-इंसान को नहीं सुहा रहा है। इससे सकारात्मकता की रोशनी को दबाव सा मिल रहा है, हम इसमें कुछ ट्विस्ट यह कर सकते हैं कि, वृद्ध आश्रम और अनाथ आश्रम एक छत के नीचे कर देना चाहिए। जब छोटे बच्चे और जवान पट्ठे बड़े बूढ़ों के तजुर्बे से अपना जीवन अध्ययन करेंगे, तो अवश्य ही ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं और वह एक परिवार की तरह रहना सीख सकते हैं। बड़ों-बूढ़ों को भी उनके बुढ़ापे की लाठी मिल जाएगी और छोटे व बड़े बच्चों के साथ रहने, हंसने, गाने का मौका मिल जाएगा। उन सभी के जीवन में आस्तिकता और सकारात्मकता के प्रभाव के कारण एक उजाला उत्पन्न होगा और उल्लासिता पैदा होगी। बड़े-बूढ़ों के साथ कम उम्र के बच्चे भी अच्छे से अच्छे संस्कार सीख पाएंगे और दोनों की एकता और हिम्मत बढ़ेगी। एक वृद्ध आश्रम के गेट पर लिखा हुआ था, एक अप्रतिम सुविचारः- *'नीचे गिरे सूखे पत्तों पर अदब से चलना जरा, कभी कड़ी धूप में तुमने इनमें ही पनाह मांगी थी।'* भावार्थ - उस चीज को कभी नहीं भूलना चाहिए, जो हमारे बुरे वक्त पर हमारे सहज अच्छे काम आयी थी। हमारे पास वही लौटकर आता है, जो हम करते हैं। क्योंकि दुनिया गोल है और हम सभी उसका एक हिस्सा हैं।

❐ **पूजा काकाणी,** इंदौर (मप्र)

यह समय की आवश्यकता

आजकल फॅमिली में सदस्य भी एडजस्ट नहीं कर पा रहे है उनमे भी मन मुटाव होता है। आज तिरस्कार, घृणा, बेर, लालच का बोलबाला है। जिसके चलते जिन्होंने ऊँगली पकड़ कर चलना सिखाया उनका ही तिरस्कार होता है और यही कारण होता है, वृद्धाश्रम पनपने का। दूसरी ओर अनाथ होने के भी कई कारण हैं। आज के समय में अनाथ होना भी एक अभिशाप जैसा ही है। लेकिन अगर अनाथाश्रम में वृद्धाश्रम भी मिल जाये तो यह सुनिश्चित हो जायेगा कि अब आगे आने वाली उस (अनाथ) पीढ़ी में संकोच और संकीर्ण मानसिकता नहीं रहेगी। जो वृद्धजन हैं वो पूरा समर्पण करके चाहेंगे कि कोई अनाथ अभाव अनुभव नहीं करे। अगर आप चाहते हैं कि आगे आने वाली अनाथ जनरेशन कर्तव्यों का सही तरीके से पालन करे तो यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हे वह संस्कार मिलें जिससे उनमे एकल खोरी की भावना न पनपे। यह सब संभव है अगर वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम एक छत के नीचे हों।

❐ **शरद दरक,** नवी मुंबई

वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम एक ही साथ हों

आज वृद्धाश्रम बना सिर्फ और सिर्फ हमारी गलती, हमारी महत्वाकांक्षा, अपेक्षा के कारण से है। हमने इसमें संस्कार विहीन बच्चों को तैयार किया। अनाथ आश्रम की संकल्पना यह पुरातन काल से है। यह संकल्पना गाडगे महाराज ने दुनिया के सामने रखी थी। वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम में फर्क इतना ही है कि वृद्धाश्रम में माता पिता अपने बच्चों के प्यार से वंचित रहते है और अनाथ आश्रम में बच्चे अपने माता पिता के प्यार से वंचित रहते है। यह तो दोनों ही एक जैसे हैं कि घर परिवार के प्यार के लिए तड़पना। इस विरह वेदना का अनुभव एक जैसा ही है। तो इस में फर्क क्या हो सकता है? मुझे तो ऐसा लगता है कि माता पिता ने बच्चे को उच्च शिक्षा दी, उन्हें काबिल बनाया लेकिन उन्हें अच्छे संस्कार नही दिए इसलिए वृद्धाश्रम बने। अपने स्वयं के पैर पर स्वयं ने कुल्हाड़ी मारी है। आप जैसा बोओगे वैसा पाओगे। इसलिए आप सभी अपने बच्चों को संस्कार दें, उनको कर्तव्यों से अवगत कराया जाए। आप अपने सास-ससुर, माता-पिता की सेवा करें ताकि अगले पीढ़ी में ना रहें वृद्धाश्रम, ना ही रहें, अनाथ आश्रम। वृद्धाश्रम और अनाथालय को मिलाने से बहुत लाभ होगा इसमें संदेह नही है। बुजुर्गों को बच्चों का साथ, स्नेह मिलेगा। तो उन्हें अपने बचपन की याद आएगी और अपने अपने पोता-पोती, बच्चों को इन्हीं में देखकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे। फिर से अपना बचपन जिएंगे। इन्ही अनाथ बच्चों को उनका प्यार मिलेगा तो बच्चो को भी अच्छा लगेगा और परिवार के प्रति उनके मन मे जो घृणा होगी वह खत्म होगी। उन्हें भी संस्कार मिलेंगे। इन माता-पिता ने अपने बच्चों को जो संस्कार नही दिए इन्हें देंगे तो स्वयं का और अनाथ बच्चों का जीवन सुधर जाएगा और भविष्य में ना रहेंगे, अनाथालय और ना ही वृद्धाश्रम।

❐ **अनिता ईश्वरदयाल मंत्री,** अमरावती

यह संगम तैयार करेगा नयी विचारधारा

वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम हमारी संस्कृति की मूल्य हीनता का परिचायक हैं। हमारे यहाँ माता-पिता का स्थान देवताओं से भी ऊंचा माना गया है और हर बच्चा राधा कृष्ण के रूप में देखा जाता है। उस देश की यह दुर्दशा सचमुच विचारणीय है। यह सही कहा गया है कि युवा देश को बदलने की शक्ति रखते हैं, तभी अपने पूर्वजों के आदर्श व मूल्यों को बदलकर देश में अनाथ आश्रम-वृद्धाश्रम की परिपाटी ले आए। सभ्य कहलाने वाली, शिक्षा का दंभ भरने वाली आज की युवा पीढ़ी के आगे सब विवश हैं। वृद्ध आश्रम व अनाथ आश्रम का एकीकरण दोनों के लिए हितकारी है। बच्चों को परिवार का प्यार व संस्कार मिलेंगे जो उनके उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे और वृद्ध जनों को भी बच्चों का सहारा मिलने से परिवार से बिछड़ने का गम कुछ हद तक दूर हो जाएगा। दो अपूर्ण मिलकर संपूर्ण बन जाएंगे। यह मिलन देश व समाज सभी के लिए लाभदायक है। बुजुर्गों के सान्निध्य में पले बच्चे बुरी प्रवृत्तियों व दुराचार से कुछ हद तक बचे रहते हैं। बच्चों को भी परिवार का महत्व व प्रेम समझ आएगा जिससे वे खुद इतिहास दोहराने से बचेंगे। दो पीढ़ियों का यह संगम एक नई विचारधारा को जन्म देगा।

❐ **विनीता काबरा,** जयपुर

जरूरत है, नन्हीं कलियों को पुष्पों की

हमारे सामाजिक ताने बाने की बुनियाद में संस्कारों के स्तंभ का मजबूत होना बहुत जरुरी है। लेकिन वर्तमान समय में संस्कार विहीन आचरण के कारण कई घरों में कल्चर का कचूमर और मर्यादा की वॉट लग रही है। अपनों से अपमानित और प्रताड़ित अनेक बुजुर्ग दंपति आपस में ही एक दूसरे को 'आंसुओं के इंजेक्शन' और 'ममता का मल्हम' लगाते रहते हैं। ऐसे हालातों में फिर एक दिन वृद्धजनों का अगला ठिकाना वृद्धाश्रम में हो जाता है। हालांकि वृद्धाश्रम में उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं लेकिन अपने प्यारे नाती-पोतों की याद आती रहती है। दूसरी तरफ अनाथालय के बच्चे बुजुर्गों के स्नेह की आस लगाए बैठे रहते है। वृद्धाश्रम प्लस अनाथाश्रम की 'एक छत' की अवधारणा से बुजुर्गों को राहत मिलेगी और बच्चे आशीर्वाद की रिमझिम से तरबतर हो जाएंगे। वृद्धाश्रम में धरती के इन देवताओं और अनाथाश्रम के बालगोपालों का परस्पर मिलन आज की परम आवश्यकता है।

❐ **जय बजाज,** इन्दौर (म.प्र.)

दोनों का साथ रहेगा अनमोल

जैसा कि सर्वविदित है कि वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम का अस्तित्व हमारे संस्कारों और हमारी सभ्यता से जुड़ा नहीं है, अपितु वर्तमान में इन्हें स्वीकार करना ही हमारी विवशता हो गई है। वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम का एक छत के नीचे होना मेरे विचारों में मुख्यतः उचित है, क्योंकि इनसे मिलेगा दोनों को एक-दूजे का साथ। बच्चों को मिलेंगे बुजुर्गों के अनुभव और बुजुर्गों को मिलेगा अपने बुढ़ापे में नया बचपन। यह एक ऐसी मुहिम है जिसे मेरे हिसाब से आगे बढ़ाना चाहिए ताकि ये दोनों आश्रम जो सभ्य समाज के नाम पर धब्बा है, इनमें रह रहे बुजुर्ग और बच्चे तो कम से कम एक-दूसरे की छत्र-छाया में आगे बढ़ें। वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम का यदि हो जाए मेल तो दोनों एक-दूजे के लिये बन जाएं अनमोल। हमें इस अभियान में बनना होगा सहयोगी, हमें इस अभियान को जोर-शोर से शुरू करना होगा, तभी मिलेगी दोनों को एक-दूजे के साथ की खुशी।

❐ **ममता लखाणी,** नापासर (बीकानेर)

वर्तमान में दोनों का एक साथ होना जरूरी

वर्तमान स्थिति में दोनों आश्रम को एक साथ कर देना चाहिए। आप सब ने यह कहावत तो सुनी ही होगी बुढ़ापा बहुधा बचपन का पुनरागमन होता है। जब दोनों बच्चे व वृद्ध एक ही छत के नीचे रहेंगे तो यह कहावत सत्य हो जाएगी। दोनों को एक दूसरे का सहारा मिलेगा। जीवन की सायंकाल अवस्था में कोई बात करने वाला चाहिए। बच्चे साथ रहें तो बच्चों के साथ हंसी-ठिठोली, खेलना दोनों का साथ मिलेगा। बड़े अपने अनुभव से बच्चों को संस्कार, शिक्षा, अपनत्व की दीक्षा देंगे। बच्चों के सहारे बड़ों को प्रेम, साथ व जीवन की उस अवस्था में मस्ती के साथ जीने का कारण मिलेगा जो कि उनका हक है। बड़ों के आशीर्वाद से बिछड़े बच्चों में से कोई इंजीनियर, डॉक्टर, वकील बन कर खड़ा होगा। उनका भविष्य उज्जवल बनेगा। बच्चों को माँ बाप का प्यार, बड़ों को बच्चों का नटखट बचपन का एहसास फिर से मिलेगा। वृद्धाश्रम व अनाथाश्रम दोनों अलग-अलग रहें तो स्थिति गंभीर रहेगी। साथ रहे तो बड़ों का वर्तमान और बच्चों का भविष्य सुधरेगा। दोनों एक दूसरे को खुशियां देंगे। तो सोचिए आश्रम एक घर में परिवर्तित हो जाएगा। जहाँ घर बन जाता है वहाँ प्यार का गुलिस्तां बन जाता है।

❐ **नीला मल्ल,** पुरूलिया (प.बं.)

बहुत सकारात्मक होंगे परिणाम

वृद्धाश्रम और अनाथ आश्रम एक छत के नीचे हों तो इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम होंगे। अकेले वृद्ध और बिन माता-पिता के अनाथ बच्चे जब एक दूसरे के साथ रहेंगे, तब दोनों को ही परिवार का वातावरण मिल जाएगा। वृद्ध बच्चों से बात कर, उन्हें कहानियाँ सुनाकर शिक्षित करेंगे और उनमें संस्कारों के बीज बोएंगे, उनकी पढ़ाई में सहायता करेंगे तब उन्हें अपना जीवन सार्थक लगने लगेगा। बच्चों के संग हँस खेलकर सभी वृद्धजन अपना बुढ़ापा भूल जाएंगे। हम किसी के काम आ रहे हैं, इस भाव से जीने की ललक बढ़ जाएगी। इसी प्रकार अनाथ बच्चे भी माता-पिता और दादा -दादी जैसा प्यार पाकर आनंद की अनुभूति करेंगे। संस्कार, ममता और प्यार पाकर इनमें आत्मविश्वास जगेगा। वे देश के जागरूक नागरिक बनेंगे। एक सकारात्मक ऊर्जा एवं शक्ति का प्रसार होगा। इससे न केवल इनका भला होगा अपितु देश में भी खुशहाली आएगी। इस प्रकार वृद्धजनों को जीवन का उद्देश्य मिल जाएगा तथा उनकी छत्रछाया में बालक-बालिकाओं को सुरक्षा और संस्कार। ख़ास तौर पर अनाथ बालिकाएं बहुत से दुष्कर्मों का शिकार होने से बच सकेंगी।

❐ **सुनीता माहेश्वरी,** नाशिक

दोनों का जीवन होगा खुशहाल

बड़े बुजुर्ग और बच्चो में बचपना निहित होता है। वृद्धाश्रम और अनाथाश्रम में इनका बचपना गुम सा हो जाता है। हर खुशी अधुरी सी लगती है। अपनो की कमी हर पल खलती है। दोनो आश्रमो की छत एक हो जाये तो, आश्रमो में रहने वाले का जीवन खुशहाल हो जाएगा। बड़े-बुजूर्ग को बच्चो का प्यार और साथ मिल जाएगा और बच्चो को बड़ो की छत्र छाया मिल जाएगी, जिससे उनकी परवरिश सही ढंग से हो पाएगी। बच्चे गीली मिट्टी की भांति होते है जैसे सांचे में ढालेंगे वैसे ढल जाएंगे। संस्कारो की नींव से बच्चे फलेंगे-फुलेंगे और गुमराह होने से बच जाऐंगे। बच्चे गुलाब से कोमल होते है। सही परवरिश से उनका जीवन भी गुलाब सा महकने लगेगा। कहते हैं न बच्चे बुढ़ापे की लाठी होती हैं, लेकिन अफसोस वृद्धाश्रम में रहने वालों के बच्चे बुढ़ापे की लाठी ना बन पाए। फिर अनाथाश्रम में रहने वाले बच्चे बुढ़ापे की लाठी बन जाऐ तो क्या हर्ज है? दोनों के मिलन से मम्मी-पापा और बच्चो को सबक मिल जाएगा। इस दुनिया में बेसहारा कोई नहीं रहता। भगवान सहारे के लिए एक हाथ बढ़ा ही देता है।

❐ **किरण कलंत्री,** रेनुकूट

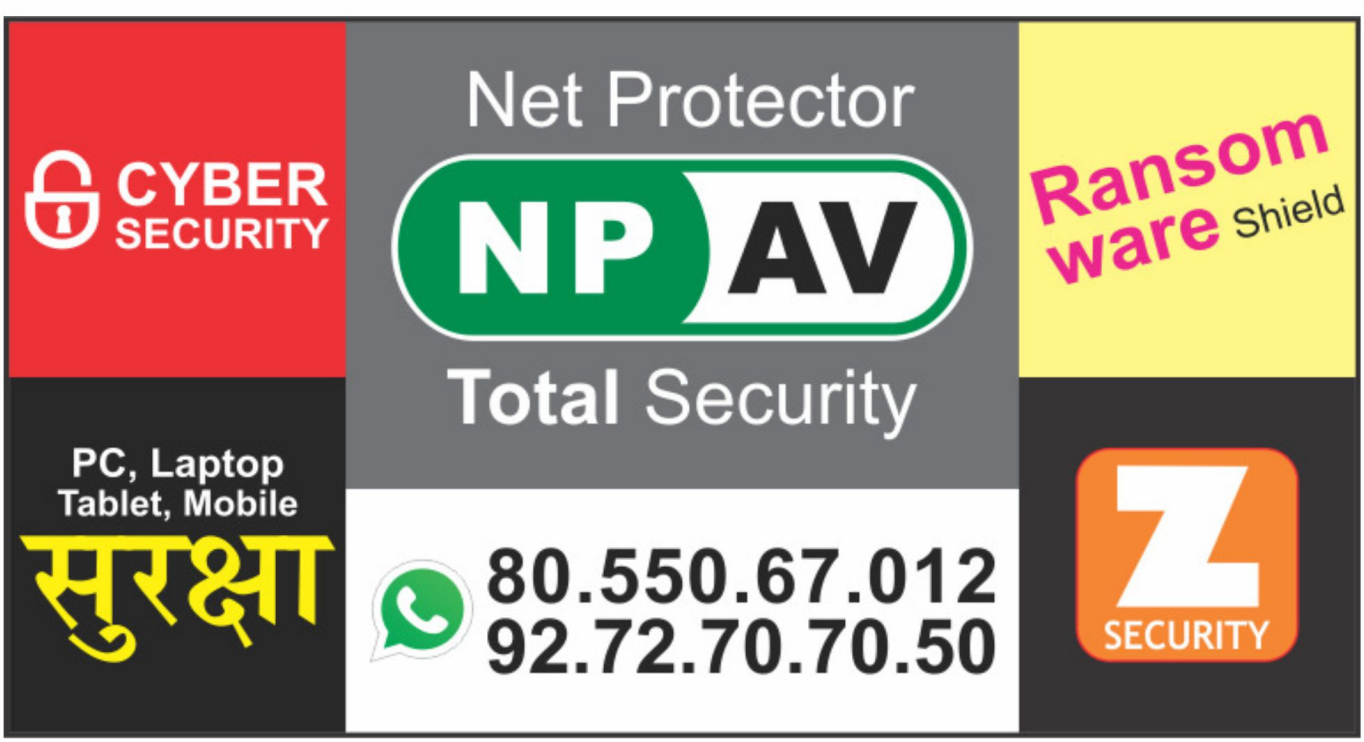

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की नींव वास्तव में मध्यम व लघु उद्योग ही हैं और नींव के बिना मजबूती सम्भव नहीं है। इसी सोच को लेकर सरकार ने मध्यम व लघु उद्योगों को ऐसे विशेष अधिकार तथा सुविधाऐं दी हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार का कारण सिद्ध हो सकती हैं।

मध्यम व लघु उद्योगों के हित में हुए बड़े बदलाव

सीए आर.एल. काबरा
अर्थमंत्री अ.भा.मा. महासभा

भारत वर्ष में पिछले कुछ वर्ष से मध्यम एवं लघु उद्योगों (MSME) को सरकार ने प्रोत्साहन दिया है। कारण यह है कि देश की तरक्की में यह एक महत्वपूर्ण योगदान देते हैं तथा बड़े उद्योगो के लिए अक्सर यह रीढ़ की हड्डी हैं, जिसके बिना उद्योग जगत ठप्प हो सकता है। हर बड़ा उद्योग (जैसे की मारूती कार कम्पनी) अपने माल उत्पादन के लिए छोटे उद्योगों पर आश्रित है। माहेश्वरी समाज भी व्यावसायिक समाज है, जहां लगभग नब्बे प्रतिशत लोग मध्यम एवं लघु उद्योग में तल्लीन है। इन मध्यम एवं लघु उद्योग (MSME) को सरकार ने विशेष अधिकार दिये हैं। विशेष तौर से जब उनका माल बेचान रुपया बड़े उद्योग से आने में देरी करता है।

डेढ़ माह से अधिक नहीं रुकेगा भुगतान

भारत सरकार ने सभी कम्पनियाँ जो कि माइक्रो एवं लघु उद्योग से माल खरीदती हैं और 45 दिवस से नये नियमानुसार माल डिलीवरी से ज्यादा उधार रखती है तो अर्द्धवार्षिक रिटर्न भरने के लिए बाध्य किया है। नये नियमानुसार कम्पनी तयशुदा समय में माइक्रो एवं लघु उद्योग द्वारा सप्लाई किए माल का भुगतान करेगी जो कि किसी भी स्थित में 45 दिवस से ज्यादा नहीं होगा। अगर माल के भुगतान में 45 दिनों से ज्यादा की देरी होगी तो कम्पनी को रिजर्व बैंक रेट से तीन गुना ब्याज महीने दर महीने कम्पाउंड रेट से देना होगा। ब्याज नहीं देने के लिए कोई भी लिखतम या कोई भी विपरीत कानून अवैध माना जायेगा। अगर आप माइक्रो एवं लघु उद्योग हैं और कम्पनी के साथ पेमेंट के लिए कोई वाद विवाद है तो आप माइक्रो एवं लघु उद्योग फेसिलेटेशन कोंसिल के पास जा सकते है। कम्पनी को अर्धवार्षिक रिटर्न में बकाया रकम मय ब्याज सहित बताना जरूरी होगी।

अब निर्माण व सेवा दोनों उद्योग समान

अब सरकार ने (MSME) रजिट्रेशन के लिए काफी सरल एवं उदारता के नियम बनाये हैं। जून 2020 के पहले तक माल उत्पादन एवं सर्विस सेक्टर दोनों की परिभाषा अलग थी किंतु अब दोनो ही सेक्टर को एक ही श्रेणी में डाल दिया गया है। इससे और आसानी हो गयी है क्योंकि सर्विस सेक्टर में प्लांट एवं मशीनरी की जगह इक्युपमेंट गिने जाएंगे। आपका प्लांट-मशीनरी में निवेश अथवा टर्न ओवर जिस सीमा में है, आप उसके हिसाब से उस श्रेणी में आयेंगे। इसके अनुसार उत्पादन व सेवा उद्योग प्लांट एवं मशीनरी निवेश में 1 करोड़ से कम व टर्नओवर में 5 करोड़ से कम पर माइक्रो, निवेश में 10 करोड़ से कम व टर्नओवर में 50 करोड़ से कम में लघु तथा निवेश में 50 करोड़ से कम व टर्नओवर में 250 करोड़ से कम में मध्यम उद्योग कहे जाऐंगे। MSME में रजिट्रेशन करने के लिए आपको लघु उद्योग मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर जाकर सारी जानकारी देनी होगी तथा अब इस पूरी रजिट्रेशन प्रक्रिया का सरलीकरण कर दिया गया है। अगर आपका उद्योग या ऑफिस उपरोक्त बताये गये दायरे में आता है तो आपको अवश्य पोर्टल पर जाकर MSME का रजिट्रेशन सर्टिफिकेट लेना चाहिए, क्योंकि जिन्होंने भी रजिट्रेशन लिया है उन्हें विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

एमएसएमई को अब ये सुविधाऐं

- MSME डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट एवं राज्य सरकारों के DIC /SIDC पर आपको मार्केट सर्वे एवं सूचनाएं उपलब्ध हैं जिससे आप तय कर सकते हैं कि किस प्रोडक्ट के लिए आपको उद्योग लगाना चाहिए।
- आपको बैंक से ऋण लेने पर ब्याज में किफायत मिलेगी।
- आपको मार्जिन मनी के लिए भी स्टेट बैंक या स्टेट कमिशनर अथवा डायरेक्टर ऑफ इंडस्ट्रीज़ द्वारा स्किम में लोन मिल सकता है।
- आपको मॉडल प्रोजेक्ट रिपोर्ट भी तैयार मिलेगी जिसे आप अपने हिसाब से चेंज कर सकते है।
- आप उद्यमी बनने के लिए तथा उसके गुण सिखने के लिए उद्यम अथवा मेनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम दो से चार सप्ताह का मुफ्त में अथवा कम पैसे में जॉइन करके बहुत कुछ सीख सकते है।
- आपके प्रोडेक्ट के लिए NSIC मार्केटिंग कर सकती है तथा सरकारी टेंडर में आपको प्राथमिकता दिला सकती है जिससे आपको फ्री टेंडर डॉक्यूमेंट अरनेस्टमनी से तथा परफॉर्मेंस गारंटी देने से छूट प्राप्त हो सकती है। आपके लिए एक्सपोर्ट मार्केट भी ढूंढा जा सकता है।
- आपकी कम्पनी का ISO सर्टिफिकेट का 75प्रतिशत खर्चा वापिस मिल सकता है।
- अब आपके उद्योग के टर्न ओवर पर (40 लाख से कम) तथा सर्विस व्यवसाय में (20 लाख से कम) पर GST भी लागु नहीं होता है।
- आपको बिजली का कनेक्शन सस्ते दर पर मिलेगा।
- MSME में रजिट्रेशन होने पर आप क्रेडिट लिंक केपिटल सबसीडी स्कीम (CLCSS) के तहत योग्य होंगे।
- अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड फेयर में आपको विशेष स्थान एवं रियायत मिलेगी।
- स्टाम्प डयूटी रजिट्रेशन फ़ीस माफ़ अथवा रियायत।
- Barcode रजिट्रेशन सबसीडी (IRS) के हकदार।
- Industrial Promotion सबसीडी के हकदार।
- क्रेडिट रेटिंग की फ़ीस में किफायत या सबसीडी।
- ब्याज सबवेंशन स्कीम में वर्किंग कैपिटल और टर्म लोन पर 2%छूट।
- बड़े सरकारी उद्योगों वको MSME से 25 प्रतिशत माल खरीदना जरूरी।
- ई-मार्केट में लिंक मिलना ताकि आपका प्रोडक्ट आसानी से बिक सके।
- पेटेंट लेने पर सबसीडी के हक़दार।
- कोविड के दौरान 20 प्रतिशत के अतिरिक्त लोन तथा प्रोविडेंट फण्ड इत्यादि में सबसीडी स्कीम
- ट्रेड रिसीवेबल पर Discounted स्कीम में तुरंत भुगतान।

IS:1786
CM/L - 6943589

GBR TMT
THE STRENGTH WITHIN
www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com

खुश रहें - खुश रखें

हार की संभावना से बचाती है परिवार की ताकत

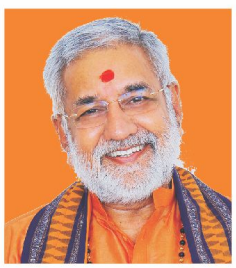

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़ पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा।

परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

ऋषिमुनि समूह द्वारा कालगणना की नगरी उज्जयिनी से प्रकाशित

श्री अवन्तिका पञ्चाङ्ग

इतना सरल की अपने घर के पंडित आप खुद बन जाए

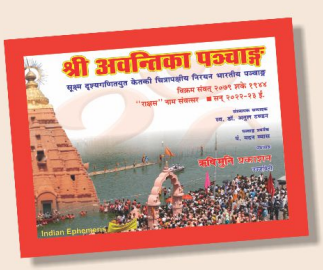

व्रत-पर्व देखना हो या शुभ मुहूर्त या विवाह के लिए पत्रिका का करना हो मिलान कहीं जाने की जरूरत नहीं, स्वयं देखें पञ्चाङ्ग में

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

भूले बिसरे शीतल पेय

1. धनिया पेयः ठंडे पानी में धनिया पाउडर, खाने वाला कपूर, लवंग, इलायची, काली मिर्ची और शक्कर डालकर 2 घंटे के लिए भींगो दे। फिर यह पानी छानकर पीए। यह एसिडिटी कम करता है और जीभ का स्वाद बढ़ाता है।

2. बीट छाछः दो चम्मच चीनी, आधा छोटा चम्मच नमक, आधा छोटा चम्मच काला नमक, आधा छोटा चम्मच काली मिर्ची पाउडर, आधा छोटा चम्मच चाट मसाला, एक छोटा चम्मच जीरा पाउडर, एक चुटकी हींग, एक गिलास छाछ, दो टेबलस्पून बीट की पेस्ट इस सबको अच्छे से मिक्स करना और ठंडा ठंडा पेश करना है। इससे चेहरे पर ग्लो आता है, हिमोग्लोबिन बढ़ता है। यह पाचक है व शरीर की गर्मी को कम करता है।

3. पीयूषः सामग्री - एक कप गाढ़ी मलाई का दही, एक कप नींबू का रस, 10 चम्मच शक्कर, आधा छोटा चम्मच जायफल पाउडर, 1 पिंच पीला कलर, आधा छोटा चम्मच नमक, तीन कप दूध, 3 कप पानी । मनचाहा ड्राई फ्रूट कतरन। **विधि -** यह सामग्री शक्कर पिघलने तक अच्छे से मिक्स करना और इसमें ड्राई फ्रूट कतरन डाल दीजिए। जब पेश करना हो तब उसमें दो बूंद नींबू का रस डालकर अच्छे से मिक्स करके देना।

4. गोंद कतीराः गोंद कतीरा का थोड़ा दरदरा पाउडर बना लें, फिर एक बाउल में यह एक टेबलस्पून पाउडर लेकर एक कप पानी में भिगो दें। 3घंटे के लिए। सर्व करते समय एक ग्लास में यहां फुला हुआ गौंद कतीरा ले, इसमें रूह अफजा या रोज सिरप 4 टेबलस्पून डालें और थ्री फोर्थ ग्लास ठंडा दूध डालें। अच्छे से मिक्स कर ले और पेश करें। इससे दिल और दिमाग दोनों ठंडा रहता है। यह गर्मी से बचाता है।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

नशो सम्मान रो...

खम्मा घणी सा हुकुम आज आपा बात कर रियाँ हां नशे री.. हुकुम नशो शराब में नहीं हुवे नशो दिमाग में हुवे अगर शराब में होवतो तो बोतल नाचती... पर आदमी पीवे जण दिमाग में चढ़ जावें और वह फितूर करे... हुकुम शराब सूं खतरनाक नशो भी है और वो है सम्मान रो नशो.. हुकुम इणमें जो नशो है दुनिया री कोई नशीली वस्तु में नहीं.. सम्मानित हुने आदमी नशीलो हूँ जावे जण सम्मान सिर पर चढ़ जावे फिर उतरे नहीं..।

दुनिया में दो तरह रा लोग हुवे एक सम्मानित दूसरा अपमानित, जो लोग सम्मानित हुवे वाणी दृष्टि बदल जावे वे अपने अलावा सगळा ने छोटा समझण लाग जावे जबकि इण अनन्त प्रकृति में कोई बड़ों नहीं है, सगळा क्षुद्र है। बड़ो है तो वो मालिक जिणसूं बड़ो न कोई है न हुवैला।

जो शख्स सम्मानित हूँ जावे पछे वो आदमी नहीं रह जावे वह गुब्बारे में बदल जावे इण रे भीतर सम्मान भी हवा री तरह भर जावे और वह अपने आप ने नगर भर में उड़तो ही पावे।.. सम्मान री हवा भर जाणे सूं पांव जमीन पर नहीं टिके और वो शख्स हवा में उड़नो ही पसंद करे जमीं पर देखणों पसंद नहीं करें। हाथ भी ऊंचा ऊंचा सम्मानित लोगा सूं ही मिलाणो पसंद करें।

सम्मानितों रा कई प्रकार रा स्तर हुवें गली, मोहल्ला, तहसील, गांव स्तर, जिला प्रदेश स्तर, सूं सम्मानित हुवे... पर हुकुम इणसूं ज्यादा खतरनाक घर परिवार में आपरो रुतबो लेने चालण वाळो हुवे वो अपने आपने दुनिया रो सबसूं सम्मानित शक्श समझे घर में बहू बेटी ने बेइज्जत करण में आपरी शान समझे। अगर मुखिया री जेब भरयोड़ी है तो दूसरों ने नीचे दिखाणों बाएं हाथ रो खेल.. सही कहूँ तो हुकुम वे इंसान रो सम्मान नहीं पैसों रो सम्मान करे।

सम्मान रे नशे सूँ बुरो पद एवं धन रो नशो हुवे हुक्म। ओ नशो लोकप्रियता रे नशे सूं भी बुरो होवै। तुलसी ठीक केयो हुक्म..

अनल सम कर तप कानन दाहू अर्थात सम्मान रो नशो अग्नि ज्यूँ होवै, ओ आपाणे सारे तप ने नष्ट कर देवे। मुंशी प्रेमचन्दजी री लोकविख्यात कहानी 'नशा' रो कथानक भी ओइज हो हुक्म। नशेवालों रो साथ भी नशो दे देवे हजूर।

वास्तव में सम्मान अब इंसान रो खत्म हूँ ग्यो क्योंकि सम्मानित हुवण वास्ते कोई खास काबिलियत री जरूरत नहीं बस आपरी जेब भरयोड़ी और मुट्ठी खुली होवणी चईजे.. वाजिब दाम पर वाजिब सम्मान.. गिव एंड टेक रो फार्मूलों चालण लाग ग्यो हुकम।

योग्यता रे बूते गिणती रा लोग ही सम्मान पावे बाकी लाखों सम्मान नोटों रो नोक माथे बिके.. कलयुग रो प्रभाव है इणसूं भला कुण बच पावे हुकुम.. धनवाळो रो मान है जग में प्रतिभा रो सम्मान नहीं... राखों जेब में नोटों रो गढिया कलयुग रो ईमान यही।

मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ ज्योत्सना कोठारी
मेरठ

- फर्क बहुत है तेरी और मेरी तालीम में...
  तूने उस्तादों से सीखा है, और मैंने हालातों से
- उनको लगता है उनकी गलतियाँ हमें नज़र नहीं आती।
  हम खामोशी से देखते है उन्हें अपनी नजरों से गिरते हुए।
- बुलंदी की उडान पर हो तो जरा सब्र रखो,
  परिंदे बताते हैं कि आसमान में ठिकाने नही होते।
- अगर न बने नये रिश्ते, तो मलाल मत करना !
  पुराने न टूट जायें बस इतना ख़याल रखना!
- मशहूर होने का अंदाज़ तुम्हे तन्हा ना कर दे ग़ालिब,
  रिश्ते फुर्सत के नही तवज्जो के मोहताज होते है।
- जब बेअसर होने लगे किस्मत ओर मान मन्नतों के धागे,
  तो समझ लो कि ओर भी इम्तेहान है सफर में आगे।
- खाली जेब लेकर निकलों कभी बाज़ार में जनाब,
  वहम दूर हो जाएगा इज्जत कमाने का।

कार्टून कौतुक

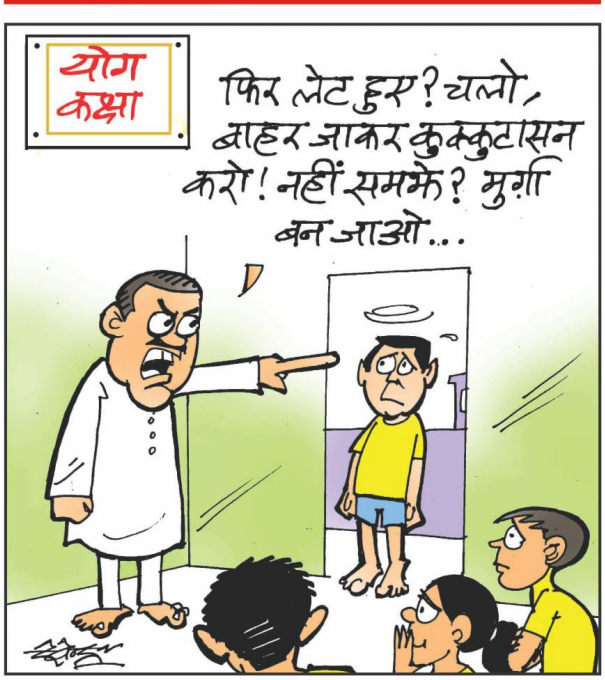

पुदीना को कौन नहीं जानता। यह तेज व मनमोहक गंध वाली एक ऐसी वनस्पति है, जिसके बिना रसोई में खासतौर पर चटनी तो अधूरी ही है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पुदीना एक ऐसी वनस्पति है, जो अपने आपमें कई रोगों को ठीक करने की सामर्थ्य रखती है? आईये जानें कैसे?

कैलाशचंद्र लड्ढा, जोधपुर

कई बीमारियों की एक दवा पुदीना

मुंह की दुर्गंध- पुदीना की पत्तियों को थोड़े-थोड़े समय के बाद चबाते रहने से मुंह की दुर्गंध दूर हो जाती है। पुदीना की 15-20 हरी पत्तियों को 1 गिलास पानी में अच्छी तरह उबालकर उस पानी से गरारे करने से भी मुंह की दुर्गंध दूर हो जाती है।

जहरीले कीड़ों के काटने पर- पुदीना के पत्तों को पीसकर किसी जहरीले कीड़े या बिच्छु द्वारा काटे हुए अंग (भाग) पर लगाएं और पत्तों का रस 2-2 चम्मच की मात्रा में दिन में 3 बार रोगी को पिलाने से आराम मिलता है।

चेहरे की सौंदर्यता- पुदीना की पत्तियों को पीसकर गाढ़े लेप को सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह से मल लें। सुबह चेहरा गर्म पानी से धो लें। इस लेप को रोजाना लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे, झांइयां और फुंसियां दूर हो जाती हैं और चेहरे पर निखार आ जाता है।

गैस- 4 चम्मच पुदीना के रस में 1 नींबू का रस और 2 चम्मच शहद मिलाकर पीने से गैस के रोग में आराम आता है। इसी प्रकार सुबह 1 गिलास पानी में 25 मिलीलीटर पुदीना का रस और 30 ग्राम शहद मिलाकर पीने से गैस समाप्त हो जाती है। पुदीना का रस रोगी को पिलाने से आंतों के कीड़े समाप्त हो जाते हैं।

पेट में दर्द व अरुचि (भूख का न लगना)- 3 ग्राम पुदीना के रस में हींग, जीरा, कालीमिर्च और थोड़ा सा नमक डालकर गर्म करके पीने से पेट के दर्द और अरुचि (भोजन की इच्छा न होना) रोग ठीक हो जाते हैं।

त्वचा के रोग- खाज-खुजली आदि त्वचा के रोगों में हल्दी और पुदीना का रस बराबर की मात्रा में मिलाकर लगाने से लाभ होता है।

सर्दी और खांसी- पुदीना की पत्तियों और कालीमिर्च को मिलाकर गर्म-गर्म चाय रोगी को पिलाने से सर्दी-खांसी, जुकाम, दमा और बुखार में आराम मिलता है।

बदहजमी (भोजन का न पचना), भूख की कमी- 4-6 मुनक्का के साथ 8-10 पुदीना की पत्तियां सुबह-शाम भोजन के बाद नियमित रूप से चबाते रहने से आराम मिलेगा।

खांसी- चौथाई कप पुदीना का रस इतने ही पानी में मिलाकर रोजाना 3 बार पीने से खांसी, जुकाम, कफ-दमा व मंदाग्नि में लाभ होता है।

त्वचा की गर्मी- हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर बीस मिनट तक लगाने से त्वचा की गर्मी दूर हो जाती है।

जुकाम- पुदीना, कालीमिर्च के पांच दाने और नमक इच्छानुसार डालकर चाय की भांति उबालकर रोजाना तीन बार पीने से जुकाम, खांसी और मामूली ज्वर में लाभ मिलता है। पुदीना के रस की बूंदों को नाक में डालने से पीनस (जुकाम) के रोग में लाभ होता है।

रक्त (खून) का जमना- चोट लग जाने से रक्त जमा हो जाने गुठली-सी बन जाने पर पुदीना का अर्क (रस) पीने से गुठली पिघल जाती है।

पित्ती- पुदीना 10 या 20 ग्राम को 200 मिलीलीटर पानी में उबालकर छानकर पिलाने से बार-बार उछलने वाली पित्ती ठीक हो जाती है।

सिर का दर्द- सिर पर हरे पुदीना का रस निकालकर लगाने से सिर दर्द दूर हो जाता है। पुदीना की पत्तियों को पानी में पीसकर माथे पर लेप करने से सिर का दर्द खत्म हो जाता है।

बच्चों के रोग- कान में दर्द हो तो पुदीना का रस डालें या हरी मकोय का रस कान में डालना चाहिए।

हैजा- पुदीना का रस पीने से हैजा, खांसी, वमन (उल्टी) और अतिसार (दस्त) के रोग में लाभ होता है। इससे पेट में से गैस और कीड़े भी समाप्त हो जाते हैं। हैजा होने पर पुदीना, प्याज और नींबू का रस मिलाकर रोगी को देने से लाभ मिलता है।

वायु के रोग- पुदीना, तुलसी, कालीमिर्च और अदरक का काढ़ा पीने

से वायु रोग (वात रोग) दूर होता है और भूख भी बहुत लगती है।

आंतों के रोग- पुदीना का ताजा रस शहद के साथ सेवन करने से आंतों की खराबी और पेट के रोग मिटते हैं। आंतों की बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए पुदीना के ताजे रस का सेवन करना बहुत ही लाभकारी है।

शीत बुखार में- पुदीना और अदरक का रस या काढ़ा पीने से शीतज्वर मिट जाता है। इससे पसीना निकल आता है और हर प्रकार का ज्वर मिट जाता हैं। गैस और जुकाम के रोग में भी यह काढ़ा बहुत लाभ पहुंचाता है।

टायफाइड- पुदीना, राम तुलसी (छोटे और हरे पत्तों वाली तुलसी) और श्याम तुलसी (काले पत्तों वाली तुलसी) का रस निकालकर उसमें थोड़ी-सी शक्कर (चीनी) मिलाकर सेवन करने से टायफाइड (मोतीझरा) के रोग में लाभ होता है।

न्युमोनिया (ठंड लगकर बुखार आना)- पुदीना का ताजा रस शहद के साथ मिलाकर हर 1 घंटे के बाद देने से न्युमोनिया (त्रिदोषज्वर-वात, पित्त और कफ) से होने वाले अनेक विकारों (बीमारियों) की रोकथाम करता है और बुखार को समाप्त करता है।

चेहरे की झांइयां- पुदीना के रस को मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर चेहरे पर लेप करने से चेहरे की झांइयां समाप्त हो जाती हैं और चेहरे की चमक बढ जाती है।

दाद- शरीर के किसी भाग में दाद होने पर उस भाग पर पुदीना के रस को 1 दिन में 2-3 बार लगाने से लाभ मिलता है। पुदीना का रस दाद पर बार-बार लगाते रहने से दाद ठीक हो जाता है।

बुखार- पुदीना और तुलसी का काढ़ा बनाकर रोजाना पीने से आने वाला बुखार रुक जाता है। पुदीना और अदरक को पानी में उबालकर काढ़ा बना लें, फिर इसे छानकर दिन में 2 बार पीने से बुखार ठीक हो जाता है। प्रतिश्याय (जुकाम) में भी इससे बहुत लाभ होता है।

शारीरिक कमजोरी- पुदीने में विटामिन-ई पाया जाता है, जो शरीर की शिथिलता (कमजोरी) और वृद्धावस्था (बुढ़ापे) को आने से रोकता है। इसके सेवन करने से नसें भी मजबूत होती हैं।

सर्दी-जुकाम- पुदीने के रस की 1 बूंद दिन में 3-4 बार नाक में डालने से सर्दी और जुकाम में लाभ मिलता है।

मुंह की सफाई के लिए- पुदीना चबाकर खाने से दांतों के बीच छिपे भोजन के कण दूर होते हैं और मुंह की सफाई भी हो जाती है।

आंखों के रोगों में- पुदीना में विटामिन-ए मिलता है, जो आंखों के रोगों में लाभदायक होता है।

दांतों का दर्द- सूखे पुदीने को पीसकर प्रतिदिन मंजन करने से दांतों का दर्द ठीक होता है।

दमा या श्वास- दमा, खांसी, मंदाग्नि और जुकाम होने पर चौथाई कप पुदीना का रस इतना ही पानी मिलाकर प्रतिदिन पीते रहने से लाभ मिलता है।

गर्भनिरोध (गर्भ का न ठहराना)- पुदीना को सुखाकर बारीक पीसकर चूर्ण बनाकर रख लें, फिर इसे स्त्री को संभोग (सहवास) करने से पहले लगभग 10 ग्राम की मात्रा में पानी के साथ पिलाने से स्त्री का गर्भ नहीं ठहरता है। ध्यान रहे कि जब गर्भाधान अपेक्षित हो तो इस चूर्ण का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

मुंह के छाले- हरा पुदीना, सूखा धनिया और मिश्री बराबर मात्रा में लेकर चबायें और लार को नीचे टपकायें। इससे मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।

दस्त- पुदीने को पीसकर प्राप्त रस को 1 चम्मच की मात्रा में लेकर 1 कप पानी में डालकर पीयें।

हिचकी- पुदीना के पत्तों को चूसने और पत्तों को नारियल (खोपरे) के साथ चबाकर खाने से हिचकी दूर होती है। पुदीना के पत्ते या नींबू को चूसने या पुदीना के पत्तों को शक्कर (चीनी) में मिलाकर चबाने से हिचकी का आना बंद हो जाता है।

गर्भवती स्त्री का जी मिचलाना- पुदीना का रस लगभग 30 मिलीलीटर प्रत्येक 6 घंटे पर गर्भवती स्त्री को सेवन कराने से जी का मिचलाना बंद हो जाता है।

मासिक-धर्म की अनियमितता- पुदीने की चटनी कुछ दिनों तक लगातार खाने से मासिक-धर्म नियमित हो जाता है।

लू का लगना- लगभग 20 पुदीना की पत्तियां, लगभग 3 ग्राम सफेद जीरा और 2 लौंग मिलाकर इन सबको पीसकर जल में घोलकर, छानकर रोगी को पिलाने से लू से होने वाली बेचैनी खत्म हो जाती है। इसी प्रकार लगभग 150 मिलीलीटर पुदीना के रस को इतने ही ग्राम पानी के साथ पीने से लू से होने वाले खतरों से बचा जा सकता है।

शीतपित्त- पुदीना 7 ग्राम और 20 ग्राम गुड़ को 100 मिलीलीटर पानी में उबालकर पीने से बार-बार पित्ती निकलना ठीक हो जाती है। पुदीना को पानी के साथ काढ़ा बनाकर थोड़ा-सा गुड़ मिलाकर खाने से पित्त में बहुत ही लाभ होता है।

गठिया (घुटनों के दर्द) - गठिया के रोगी को पुदीना का काढ़ा बनाकर पीने से पेशाब खुलकर आता है और गठिया रोग में आराम मिलता है।

निम्न रक्तचाप (लो ब्लडप्रेशर) - 50 ग्राम पुदीना को पीसकर उसमें स्वाद के अनुसार सेंधानमक, हरा धनिया और कालीमिर्च को डालकर चटनी के रूप में सेवन करने से बहुत लाभ होता है।

पीलिया- पुदीना के अधिक सेवन से पीलिया में लाभ होता है। पुदीना की चटनी नित्य रोटी के साथ खाने से पीलिया में लाभ होता है। पुदीना के रस को शहद के साथ पन्द्रह दिनों तक सेवन करने से पीलिया में लाभ होगा।

चेहरे के दाग-धब्बे- शराब के अंदर पुदीने की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाने से चेहरे के दाग, धब्बे, झांई सब मिट जाते हैं और चेहरा चमक उठता है।

गले के रोग- 5-5 ग्राम पुदीना , लोहबान और अजवायन का रस, 5 ग्राम कपूर और 5 ग्राम हींग को 25 ग्राम शहद में मिलाकर एक साफ

पुदीना के नुकसान

पुदीना धातु के लिए हानिकारक होता है। पित्तकारक प्रकृति होने के कारण पित्त प्रवृति के लोगों को पुदीना का सेवन कम मात्रा में कभी-कभी ही करना चाहिए।

श्रद्धांजलि

अथ चैनं नित्यजातं नित्यं वा मन्यसे मृतम्।
तथापि त्वं महाबाहो नैनं शोचितुमर्हसि॥

श्रीमती अयोध्या देवी माहेश्वरी

(धर्मपत्नी स्व. आर.सी. माहेश्वरी जी)
(श्रीजी शरण दिनांक 11 अप्रैल 2022)

प्रेम की प्रतिमूर्ति, एक निर्मल निश्छल व्यक्तित्व
आपको कोटिश: प्रणाम
ईश्वर आपको अपने श्रीचरणों में अनन्य प्रेम और शान्ति प्रदान करें,
यही अनुनय-विनय, यही प्रार्थना

श्रद्धानवत

गीतादेवी-स्व. बालकिशन जी सोमानी, हरसूद
निर्मलादेवी-स्व. गोविन्ददास जी सोमानी, हरसूद
डॉ.रमेश-रेखा सोमानी, बुरहानपुर
जगदीश-राधा सोमानी, हरसूद
राजेन्द्र-कल्पना सोमानी, मुंबई
कृष्णमोहन-शिल्पा सोमानी, हरसूद
रोहित-सोनाली सोमानी, इंदौर

सोमानी परिवार

इंदौर-हरसूद-बुरहानपुर-मुम्बई-सिएटल

पश्चिम बंगाल के शीर्ष चाय उद्यमी व समर्पित समाजसेवी के रूप में पहचान रखने वाले जलपाईगुड़ी निवासी श्री कृष्णकुमार कल्याणी का असामयिक निधन हो गया। आपके देहावसान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला जैसी हस्तियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किये।

नहीं रहे शीर्ष चाय उद्यमी
श्री कृष्णकुमार कल्याणी

श्री कृष्णकुमार कल्याणी (सुपुत्र स्व. श्री सीताराम कल्याणी) के 71 वर्ष की आयु में अकस्मात निधन की खबर से समाज ही नहीं बल्कि उद्योग जगत में भी शोक की लहर छा गई। श्री कल्याणी एक सरल स्वभावी, सेवा-भावी एवं धार्मिक आस्था रखने वाले व्यक्ति थे। आपका राजनीति के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान रहा है। वर्तमान में आप तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव थे। पूर्व में तीन बार जलपाईगुड़ी जिला तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके थे। आपको उत्तर बंगाल के अनेक चाय बागानों के मालिक एवं चाय उद्योगपति के रूप में जाना जाता था। इसके अलावा चाय पर्यटन के क्षेत्र में भी आपकी विशेष पहचान थी।

समाजसेवा में भी रहे सदा तत्पर

स्व. श्री कल्याणी गरीबों व जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे। भगवान शनि देव एवं माता काली के परम भक्त कल्याणी परिवार द्वारा अपने सभी बागानों में काली माता का मंदिर स्थापित किया गया है, जहाँ परिवार द्वारा नियमित रूप से पूजा अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। इसके साथ ही स्वयं के द्वारा विभिन्न स्कूलों का संचालन भी किया जाता है। इतना ही नहीं ऐसी अनगिनत संस्थाऐं हैं जो उनके माध्यम से पोषित होकर समाजसेवा में अपना योगदान देती रही हैं।

श्रद्धासुमन अर्पित

उत्तरबंगाल के शीर्ष चाय उद्यमी श्री कृष्णकुमार कल्याणी के असामयिक निधन पर गहरा दुःख पहुँचा। मैं आपको ''माँ-मति-मानुस'' के एक शीर्ष चेहरे के रूप में भी व्यक्तिगत रूप सेजानती रही हूँ।

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री-पश्चिम बंगाल

श्री कृष्णकुमार कल्याणी चाय उद्योग ही नहीं बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में भी एक ऐसा प्रतिष्ठित नाम थे, जिन्हें समाज विस्मृत नही कर सकता। आपका देहावसान समाज, उद्योग जगत व समाजसेवा क्षेत्र ही नहीं बल्कि मेरे लिये व्यक्तिगत क्षति भी है।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्री कल्याणी का देहावसान समाज की ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी प्रतिपूर्ति आसानी से सम्भव नहीं। आप चाय उद्योग के क्षेत्र में तो अपना शीर्ष स्थान रखते ही थे, समाजसेवा तथा पश्चिम बंगाल की राजनीति में भी आपका प्रतिष्ठित स्थान रहा है।

रामकुमार भूतड़ा
अध्यक्ष अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन

श्री कल्याणी का देहावसान मेरे लिये तो ऐसी व्यक्तिगत क्षति ही है, जिसकी प्रतिपूर्ति सम्भव नहीं। मेरे लिये तो श्री कल्याणी परम मित्र ही थे। आपके देहावसान से जीवन में जो रिक्तता उत्पन्न हुई है, उसकी क्षतिपूर्ति सम्भव नहीं है।

जोधराज लड्ढा
पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा

श्री कल्याणी का देहावसान एक अत्यंत गहरा आघात है। आपका उद्योग, समाजसेवा व राजनीति आदि क्षेत्रों में जो योगदान रहा है, वह अविस्मरणीय है। परमात्मा परिवार को इस वज्राघात को सहन करने की क्षमता दे।

रामावतार जाजू
कार्यसमिति सदस्य माहेश्वरी महासभा

राशिफल संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

यह माह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। सोचे हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। भौतिक सुख सुविधा से युक्त जीवन का आनंद उठाएंगे। दिखावे पर खर्च करना होगा। लंबी यात्रा होगी। वाणी के माध्यम से अपने कई काम करवा लेने में सफलता प्राप्त होगी। व्यय की अधिकता रहेगी किंतु लोकप्रियता भी बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। तीर्थ यात्रा, शुभ काम, मांगलिक काम में सम्मिलित होंगे एवं खर्च भी करेंगे। परिवार में विवाह संबंध का निर्धारण होने के योग भी प्रबल बनते हैं। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा में अनुकूलता मिलेगी। व्यापारी वर्ग को लाभ मिलेगा। नवीन कार्य व्यवसाय के प्रति रुझान बढ़ेगा एवं नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों को पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के साथ-साथ इच्छित स्थानांतरण के भी योग प्रबल बने रहेंगे।

वृषभ

यह माह आपके लिए विजय प्रदान करने वाला होगा। शत्रु पक्ष नई-नई योजना बनाएगा किंतु सफल नहीं हो पाएगा एवं आपकी विजय सुनिश्चित रहेगी। कानूनी मामलों में अड़चनें तो बहुत आएगी परंतु आप युक्तियुक्त तरीके से उसमें सफलता प्राप्त करने में सफल होंगे। माह के प्रारंभ में खर्च की अधिकता रहेगी किंतु उत्तरार्ध में आय के साधनों में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। वाणी के माध्यम से अपने बिगड़े हुए कार्यों को सुधारने में सफलता प्राप्त होगी। मामा परिवार से वैचारिक मतांतर रहेंगे। आय श्रेष्ठ रहेगी। अपने बलबूते पर प्रकृति करते हुए जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त होगी। संतान की ओर से खुशखबरी प्राप्त होगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे।

मिथुन

यह माह आपके लिए सुखद रहेगा। संतान एवं जीवनसाथी की ओर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। जाति समाज रिश्तेदारी में विशेष संपर्क होगा एवं हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित होगा। व्यावसायिक दृष्टि से भी आपको आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होगी। नवीन कार्य, व्यवसाय में प्रगति के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। मित्रों का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा। भाग्योदय, नवीन नौकरी एवं पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। धार्मिक यात्रा के भी शुभ अवसर रहेंगे। अचानक धन लाभ के भी अवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थियों के लिए सुखद रहेगा।

कर्क

यह माह आपके लिए श्रेष्ठ परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा परंतु परिश्रम भी आपको उतना ही करना पड़ेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। राजनीतिक संपर्कों का लाभ मिलेगा। नवीन योजना बनाएंगे। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। चुनौतीपूर्ण कार्य को युक्त तरीके से करने में आपको सफलता प्राप्त होगी। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। स्थाई संपत्ति का निर्माण की योजना बनाएंगे किंतु झूठे आरोप का भी सामना करना पड़ेगा। स्वास्थ संबंधी कुछ परेशानी रहेंगी एवं किसी भी कार्य को करने से पहले उसके सभी नकारात्मक तत्वों (लाभ/हानि /परिणाम) का एक बार विवेचन अवश्य कर लेना आवश्यक रहेगा।

सिंह

यह माह आपके लिए सुखद रहेगा। आय में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। चुनौतीपूर्ण कार्य को बड़े ही युक्तियुक्त तरीके से करने में आपको सफलता अर्जित होगी। विरोधियों को कब, कहां, कैसे परास्त करना इसमें आपकी दक्षता रहेगी। किसी गूढ़ रहस्य में ज्ञान की प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा किंतु पाचन तंत्र पेट गैस की तकलीफ का भी सामना करना पड़ सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। विवाह संबंध तय होने के योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। राजनैतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या

यह माह आपके लिए मान सम्मान की दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापारिक कार्य में प्रगति होगी। नवीन कार्य व्यवसाय की योजना बनाएंगे एवं सफलता प्राप्त करेंगे। अपनों से वैचारिक मतांतर रहेंगे। नौकरी पेशा से संबंधित लोगों को पद एवं प्रतिष्ठा/पदोन्नति के योग एवं इच्छित स्थानांतरण के भी योग प्रबल रहेंगे। शुभ काम, मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। विवाह संबंध तय होने के योग प्रबल रहेंगे। अचानक धन लाभ के भी योग प्रबल रहेंगे। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। लंबी यात्रा का लुत्फ उठाएंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। मित्रों से भेंट होगी। शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता प्राप्त होगी।

तुला

यह माह आपकी राशि वालों के लिए व्यवसाय में परिवर्तन के योग प्रदान करने वाला रहेगा। आर्थिक उन्नति के योग रहेंगे। शत्रु वर्ग पराजित होगा एवं राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी किंतु मानसिक तनाव, अज्ञात भय भी बना रहेगा। अचानक धन लाभ के योग प्रबल रहेंगे। विवाह संबंध होगा। पत्नी एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। संतान से संबंधित कार्य की चिंता तो रहेगी परंतु अंततः सफलता प्राप्त हो जाएगी। संतान की ओर से यश कीर्ति प्राप्त होगी। झूठ नहीं बोलने की वजह से कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ेगा। धार्मिक यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। आय उत्तम रहेगी।

वृश्चिक

यह माह आपको यश कीर्ति के रूप में श्रेष्ठ रहेगा। पारिवारिक एवं सामाजिक कार्यों में मान सम्मान में वृद्धि होगी। संतान की ओर से यश मिलेगा। नवीन मित्रों से संपर्क बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों में भी बढ़ोतरी होगी एवं आय में श्रेष्ठ वृद्धि के योग प्रबल बने रहेंगे। युवाओं को नवीन रोजगार प्राप्ति के योग रहेंगे। विद्यार्थियों को श्रेष्ठ परिणाम की प्राप्ति होगी। कार्य की अधिकता एवं व्यस्तता बनी रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। गुप्त शत्रु बढ़ेंगे एवं अंततः विजय प्राप्त होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। व्यय की अधिकता बनी रहेगी। बड़े-बड़े लोगों से मुलाकात होगी।

धनु

यह माह आपके लिए व्यस्तता से युक्त रहेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। मौसम में परिवर्तन का प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ेगा। मानसिक चंचलता एवं अस्थिरता बनी रहेगी किंतु कार्य व्यवसाय में श्रेष्ठ लाभ होगा। नवीन योजना बनाएंगे एवं सफलता की ओर अग्रसर होंगे। वाहन सुख, मकान सुख में वृद्धि होगी। चुनौतीपूर्ण कार्यों को हाथ में लेंगे एवं सफलता अर्जित होगी। संतान के कार्यों से चिंता रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। मानसिक तनाव जरूर रहेगा। सर्दी, जुखाम के योग प्रबल रहेंगे। आय में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। आय की तुलना में वह भी बढ़ा-चढ़ा रहेगा विद्यार्थियों के लिए शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा।

मकर

यह माह आपके लिए उत्तम फलदायी रहेगा। विगत कुछ वर्षों से हो रही परेशानी से मुक्ति मिलेगी। स्थाई संपत्ति का निर्माण होगा। पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। इच्छित स्थानांतरण के योग प्रबल रहेंगे। आपके लिए असंभव कुछ भी नहीं रहेगा जो चाहेंगे वह हासिल कर लेंगे। समय पर सभी कार्य होंगे। संतान के रुके हुए कार्य में सफलता मिलेगी। यश कीर्ति की प्राप्ति होगी। विवाह संबंध तय होगा। विद्यार्थियों के लिए श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा सम्मान की प्राप्ति होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करेंगे। धार्मिक एवं शुभ कार्य में भाग लेंगे। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे।

कुम्भ

यह माह आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा। किसी भी नवीन कार्य करने के लिए से पहले पूर्ण रूप से उसके लाभ हानि की विवेचना जरूर करें तदुपरांत ही कार्य प्रारंभ करें नहीं तो हानि भी उठाना पड़ सकती है। मानसिक चिंता रहेगी। व्यय की अधिकता रहेगी। अनावश्यक कार्य की अधिकता रहेगी। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। ऋण के माध्यम से संपत्ति का निर्माण होगा। चुनौती भरे कार्यों का हाथ में लेना और युक्ति युक्त तरीके से कर देने में आपको सफलता प्राप्त होगी। सुख, चैन छीना रहेगा। बड़ी नौकरी के योग प्रबल हैं। घर से दूर देश की यात्रा करने के योग प्रबल बने रहेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग, भाग्योदय के योग बने रहेंगे। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

यह माह आपके लिए व्यापारिक दृष्टि से श्रेष्ठ रहेगा। चिर परिचित एवं रिश्तेदारों से सहयोग प्राप्त होगा एवं सफलता के नित नए आयाम रखेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी परंतु कार्य की अधिकता एवं परिश्रम भी सामान्य से अधिक करने के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी। धार्मिक यात्रा के योग, मन में चिड़चिड़ापन रहेगा। स्थाई संपत्ति में वृद्धि के योग, मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। चुनौतीपूर्ण कार्य को संभलकर करना होगा। अचानक धन लाभ के योग प्रबल रहेंगे। गूढ़ रहस्य व ज्ञान की प्राप्ति के योग हैं। व्यय पर पूर्ण नियंत्रण रहेगा। स्वादिष्ट व्यंजन का लुत्फ उठाएंगे। विवाह संबंध होने के योग प्रबल बने रहेंगे। धार्मिक एवं मांगलिक कार्यों में भाग लेंगे।

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी विशेषांक होगा

समाज का गौरवशाली संस्कृति को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

इसमें ऐसे संग्रहणीय आलेख होंगे
जो बनाऐंगे इसे अनमोल

विज्ञापन दर

कव्हर पृष्ठ 2 / 3	₹ 25,000/-
पूर्ण पृष्ठ	₹ 17,500/-
आधा पृष्ठ	₹ 10,000/-
एक तिहाई	₹ 5,000/-
स्ट्रीप	₹ 3,000/-

व्यवसाय को भी दे सकते हैं ख्याति

यदि आप व्यवसायी हैं और चाहते हैं, देना अपनों को इस पावन पर्व की बधाई तो आप इस विशेषांक में विज्ञापन प्रकाशित करवा कर प्राप्त कर सकते हैं दोहरा लाभ। आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान का यह विज्ञापन आपके अपनो को शुभकामनाएँ तो दिलवाएगा ही साथ ही आपके प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान को ख्याति भी दिलवाएगा।

अपनों को दें अपनी बधाई

क्या आप चाहते है कि इस पावन पर्व पर सभी बन्धुओं तक आपकी शुभकामनाएं पहुंचे। तो हम भेजेंगे आपकी शुभकामनाऐं, आपके अपनों तक **मात्र 3000/-** की सहयोग राशि में एक स्ट्रीप विज्ञापन के रूप में। इसके लिए आपको पहुंचाना होगा आपका फोटो, परिचय एवं पता भी।

SRI MAHESHWARI TIMES

90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Mo. : 94250-91161 ■ E-mail : smt4news@gmail.com

Aditya Birla Group: Making a life changing difference

We work in 7,000 villages. Reach out to 9 million people. A glimpse:

HEALTHCARE

Over 100 million Polio vaccinations

5,000 Medical camps / 22 Hospitals: 1 million patients treated

Over 75 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant.

Reach out to over 4,000 children. Extending financial support for the chemotherapy sessions. Encouraging them in a holistic manner to get back quickly on the road to recovery.

Engaged in prevention of cervical cancer through the administration of the HR-HPV vaccine in Maharashtra. Over 4,000 girls have been vaccinated.

More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India

100,000 persons tested on 32 health parameters through HealthCubed

EDUCATION

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students

Mid-day meals provided to 74,000 children

Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland

Foster the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas

SUSTAINABLE LIVELIHOODS

100,000 people trained in skill sets

45,000 women empowered through 4,500 SHGs

200,000 farmers on board our agro-based training projects

And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spearheaded by Mrs. Rajashree Birla. Because we care.

NUMBERS MEAN A LOT
BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!

ADITYA BIRLA GROUP
Engage. Uplift. Empower

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2020-2022
Despatch Date - 02 May, 2022

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com